शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 13 | गुवाहाटी | रविवार, 6 अगस्त, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

असम में अंसारुल्लाह बांग्ला टीम का कैडर गिरफ्तार पेज 3
सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के प्रयोग से पुस्तकालयों का ... पेज 4
जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाना ऐतिहासिक फैसला, देश-प्रदेश... पेज 5
नूंह हिंसा की आड़ में साइबर पुलिस स्टेशन पर था सुनियोजित हमला पेज 8

लोक सेवा का अधिकार आयोग की स्थापना करेगी राज्य सरकार : सीएम

गुवाहाटी। हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली असम सरकार ने जनता को लाभ पहुंचाने के लिए राज्य में लोक सेवा का अधिकार आयोग (आरटीपीएस) स्थापित करने का निर्णय लिया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुवाहाटी में श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि इस वर्ष राज्य सरकार जनता को सरकार से मांगी गई सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने में मदद करने के उद्देश्य से आरटीपीएस आयोग स्थापित करने में सक्षम होगी। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आरटीपीएस आयोग जनता को उन सेवाओं तक पहुंच प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा जो राज्य सरकार द्वारा आवंटित निर्धारित समय सीमा में पूरी नहीं हुई हैं। अगर कोई काम तय समय सीमा के भीतर पूरा नहीं हुआ है तो जनता आरटीपीएस आयोग से संपर्क कर सकती है और इसके बाद आयोग सरकारी अधिकारियों को नोटिस जारी कर इस पर स्पष्टीकरण मांगेगा...और अगर यह बात सामने आती है कि काम/ आलस्य के कारण सेवा नहीं की गई है तो कार्य के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को प्रतिदिन 100 रुपये का जुर्माना देना होगा। रिपोर्टों के अनुसार, मुख्य आयुक्त -शेष पृष्ठ दो पर

81 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कर्मश्री तथा लोक सेवा पुरस्कार

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के प्रथम मुख्यमंत्री लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै की 73वीं पुण्यतिथि पर मनाए जा रहे लोक कल्याण दिवस के अवसर पर शनिवार को राज्य के 81 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मुख्यमंत्री का कर्मश्री तथा लोक सेवा पुरस्कार प्रदान किया गया है। राजधानी के पंजाबारी स्थित श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र प्रेक्षागृह में आयोजित एक समारोह के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य तथा जिला प्रशासन के वरिष्ठ पदाधिकारियों तथा सभी स्तर के कर्मचारियों को कर्मश्री तथा लोक सेवा पुरस्कार प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै ने हमारे राज्य का नेतृत्व करने के लिए असाधारण राजनीतिक सूझबूझ और दूरदर्शिता का परिचय दिया। आने वाली पीढ़ियां हमेशा उनका ऋणी रहेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सार्वजनिक सेवा एक विशेषाधिकार है। इसे लोगों को देते हुए ईमानदारी के उच्चतम मानकों का पालन करना हम सभी लोक सेवकों के लिए महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै के प्रेरक जीवन -शेष पृष्ठ दो पर

रक्षामंत्री ने किया डूरंड कप का उद्घाटन, बोले–

फुटबॉल में साहसिकता के लिए जाना जाता है पूर्वोत्तर

कोकराझाड़ (हि.स.)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कोकराझाड़ में आयोजित 132वीं डूरंड कप के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेते हुए उपस्थित लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैंने अभी तक कई लोगों से यह सुन रखा था कि भारत का पूरा पूर्वोत्तर क्षेत्र फुटबॉल के प्रति अपनी साहसिकता के लिए जाना जाता है, लेकिन आज अपनी आंखों के सामने में यह जो दृश्य देख रहा हूं– डूरंड कप को लेकर आप लोगों के अंदर जो उत्साह देख रहा हूं; उसने मुझे यह मानने पर मजबूर कर दिया। सिंह ने कहा कि मैं आज अपने सामने जो दृश्य देख रहा हूं, जो जुनून देख रहा हूं, भारत में फुटबॉल के प्रति इतना जुनून बहुत कम ही जगहों पर -शेष पृष्ठ दो पर

आम जनता के लिए सरकारी फार्मेसी स्थापित करेगी सरकार : स्वास्थ्य मंत्री

गुवाहाटी। आवश्यक दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद, असम के स्वास्थ्य मंत्री केशब महंत ने शनिवार को जानकारी दी कि राज्य में आम जनता के लिए सरकारी फार्मेसी स्थापित की जाएंगी। यह एक साल में दूसरी बार आवश्यक दवाओं की कीमतों में वृद्धि के बाद आया है। महंत ने बताया कि इन सरकारी फार्मेसियों में सभी दवाएं किफायती मूल्य पर उपलब्ध होंगी। उन्होंने आगे कहा कि राज्य में जेनेरिक दवा फार्मेसियों में वृद्धि होगी और डॉक्टरों से ब्रांड-नाम वाली दवाओं के बजाय इन दवाओं को लिखने के लिए कहा। बता दें कि एक साल में यह दूसरी -शेष पृष्ठ दो पर

बोड़ोलैंड में शांति, समन्वय का प्रतिफलन है यह खेल : मुख्यमंत्री

कोकराझाड़ (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि बोड़ोलैंड की शांति और समन्वय खेल के माध्यम से प्रकाशित हो रही है। उन्होंने घोषणा की कि 110 करोड़ रुपए की लागत से कोकराझाड़ में एक बड़ा स्टेडियम सरकार बनाएगी। ये बातें आज मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कोकराझाड़ में आयोजित 132वें डूरंड कप मैच के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एशिया का सबसे बड़ा मैच डूरंड कप का कोकराझाड़ में होना गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि राजनाथ सिंह के हाथों इसका उद्घाटन होना हमारे लिए बड़े सौभाग्य की बात है। उन्होंने राजनाथ सिंह का स्वागत करते हुए कहा कि समय-समय पर उनका मार्गदर्शन प्राप्त होते रहने के लिए मैं उनका आभारी हूं। ज्ञात हो कि आज डूरंड -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

ईडी ने पीएफआई मामले में 2.53 करोड़ की संपत्ति की कुर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को कहा कि उन्होंने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) और अन्य मामले में 2.53 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियां जब्त की हैं। ईडी के अनुसार, कुर्क की गई संपत्तियों में 338.03 वर्ग मीटर के चार बिना बिके विला भी शामिल हैं और मुन्नार विला विस्टा परियोजना से 6.75 एकड़ खाली भूमि भी शामिल की गई है। ईडी ने 7 जनवरी को इन संपत्तियों के लिए प्रोविजनल अटैचमेंट ऑर्डर जारी किया था, जिसकी बाद में 30 जून को एडजुडिकेटिंग अथॉरिटी ने पुष्टि की थी। जांच एजेंसी ने कहा कि उसने केरल के एर्नाकुलम में एनआईए मामलों की सुनवाई के लिए विशेष अदालत के समक्ष -शेष पृष्ठ दो पर

चांद के ऑर्बिट में हुई चंद्रयान-3 की एंट्री, 23 अगस्त को रचेगा इतिहास

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 14 जुलाई को चंद्रयान-3 मिशन लॉन्च किया था, जिसके बाद से ही लोगों की दिलचस्पी चंद्रयान-3 के सफर को लेकर बनी हुई है। हर कोई इसकी मौजूदा स्थिति के बारे में जानना चाह रहा है कि अंतरिक्ष यान चंद्रमा के कितने करीब पहुंच चुका है। दरअसल, यान ने एक और लक्ष्य हासिल कर लिया है। इसरो के मुताबिक, चंद्रयान-3 आज शाम चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश कर गया। इसका मतलब यह है कि ये चंद्रमा की गोलाकार कक्षा में चला गया है और पृथ्वी के प्राकृतिक उपग्रह के चारों ओर चक्कर लगाना शुरू करेगा। चंद्रयान-3 चंद्रमा की दो-तिहाई दूरी तय कर चुका है और अब मिशन एक महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर गया, जोकि इस पर लगातार काम कर रहे वैज्ञानिकों के दिलों धड़कनें बढ़ा रहा है। वहीं, अपने तय समय के मुताबिक सबकुछ सकुशल हो रहा है। बेंगलुरु में इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क (इसट्राक) ने लूनर ऑर्बिट -शेष पृष्ठ दो पर

हमें भारत में वापस मिला दो...

पीओके में शुरू हुई सेना और सरकार के खिलाफ क्रांति

नई दिल्ली। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में अशांति की एक नई लहर की शुरुआत हुई। पिछले 24 घंटों में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में कब्जे वाली पाकिस्तानी सेना और पाकिस्तान सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए गए हैं। लोग भारत के जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में कश्मीरियों के लिए उपलब्ध लोकतंत्र और स्वतंत्रता की मांग कर रहे हैं। पाक अधिकृत कश्मीर -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

मणिपुर में तीन लोगों की हत्या उपद्रवियों ने कई घरों में लगाई आग

इंफाल। मणिपुर में हिंसा रुकने का नाम नहीं ले रही है। बीते दिनों पुलिस और सेना की मदद से हिंसा की आग को शांत किया गया था, लेकिन एक बार फिर वहां आगजनी और खूनी खेल शुरू हो गया है। बीती रात बिष्णुपुर जिले में कुछ उपद्रवियों ने मैतेई समुदाय के तीन लोगों की हत्या कर दी। उपद्रवियों ने हिंसा के साथ कई घरों में आग भी लगा दी। पुलिस ने कहा कि मैतेई समुदाय के बफर जोन को पार कर कई लोग घुस आए और उन्होंने वहां गोलीबारी की। बिष्णुपुर के क्वाक्टा क्षेत्र के पार केंद्र सरकार के आदेश के तहत बफर जोन बनाया गया है। बीते दिन भी बिष्णुपुर में हमला हुआ था और उपद्रवियों ने इंडिया रिजर्व बटालियन (आईआरबी) के बटालियन मुख्यालय में में तोड़-फोड़ कर -शेष पृष्ठ दो पर

आतंकी पन्नू ने एक बार फिर देश का माहौल खराब करने की दी धमकी

नई दिल्ली। खालिस्तानी आतंकवादी सिख फॉर जस्टिस के गुरपतवंत सिंह पन्नू को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि पन्नू ने एक वीडियो जारी की है, जिसमें उन्होंने कश्मीरी मुस्लमानों के भड़काते हुए 15 अगस्त को देश का माहौल खराब करने की बात कही है। आपको बत्ता दें कि पन्नू ने इससे पहले भी 2 बार 15 अगस्त को देश का माहौल खराब करने के लिए कहा है। पन्नू ने इस वीडियों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लाल किले -शेष पृष्ठ दो पर

सर्वे में दो फीट का त्रिशूल और खंडित मूर्तियां मिली : त्रिपाठी

वाराणसी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने शनिवार को वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद में अपना वैज्ञानिक सर्वेक्षण कार्य फिर से शुरू कर दिया। हिंदू पक्ष के वकील सुधीर त्रिपाठी ने ज्ञानवापी मस्जिद में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा किए जा रहे सर्वेक्षण पर अपडेट साझा किया है। उन्होंने कहा कि मलबे में मूर्तियां नहीं बल्कि खंडित मूर्तियों के अवशेष मिले हैं और हमें उम्मीद है कि मूर्तियां बरामद हो जाएंगी। सर्वे में 2 फीट का त्रिशूल मिलने की बात भी कही जा रही है। 5 कलश भी मिले हैं। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण वुजूखाना (प्रक्षालन क्षेत्र) और उस स्थान पर अधिक केंद्रित है जहां मुस्लिम प्रार्थना करते हैं। यह निर्धारित करने के लिए शनिवार को वैज्ञानिक -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
स्वाभिमानी व्यक्ति प्रतिकूल विचारों को सम्मुख रखकर दुबारा उन पर विचार करें।
– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

शाह ने ओडिशा में वामपंथी उग्रवाद को लेकर की बैठक

भुवनेश्वर/ नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को भुवनेश्वर में एक बैठक में ओडिशा में आपदा प्रबंधन और वामपंथी उग्रवाद को लेकर समीक्षा बैठक की। इस बैठक में ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक सहित केंद्रीय गृह सचिव और गृह मंत्रालय तथा राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने आपदा प्रबंधन के लिए राज्य की ओर से की गई तैयारियों की सराहना की। उन्होंने सलाह दी -शेष पृष्ठ दो पर

गरीबी सबसे बड़ी जाति, राम मंदिर से नहीं मिलेंगे वोट... और जुबान संभाल के : सांसदो को पीएम का मंत्र

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 में अब महज 200 दिनों से भी कम का वक्त बचा है। ऐसे में भाजपा को हराने के लिए विपक्षी दल एक बड़े गठबंधन इंडिया (आई.एन.डी.आई.ए.) की एक छतरी के नीचे एकजुट हो रहा है। जो कि अब तक अजेय माने वाले नरेंद्र मोदी के जीत के रथ को रोकने के इरादे से बनाया गया है। इसमें कोई अचरज की बात नहीं है कि एनडीए भी हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठा है। पीएम मोदी पहले ही एनडीए (एनडीए) में शामिल 38 राजनीतिक पार्टियों के नेताओं को संबोधित कर चुके हैं, जिसमें पीएम मोदी ने अगले साल के लोकसभा के चुनाव में पहले से ज्यादा बड़ी जीत के लिए अपील की। इसके साथ ही पीएम नरेंद्र मोदी एक और जीत के हर इलाके के हिसाब से स्पेशल नुस्खे देने के लिए बंद दरवाजों के पीछे अलग-अलग समूहों में एनडीए सांसदों से भी मिल रहे हैं। अब तक वह पश्चिमी, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, दक्षिणी राज्यों, बिहार, ओडिशा और झारखंड के सांसदों से मिले चुके हैं। भाजपा के सबसे बड़े चुनावी प्रचारक पीएम मोदी ने अपनी -शेष पृष्ठ दो पर

चंद्रबाबू नायडू की रैली में पथराव-आगजनी, कई घायल

अमरावती। आंध्र प्रदेश के आंगल्लू गांव में सत्तारूढ़ वाईएसआरसीपी और मुख्य विपक्षी पार्टी के बीच तनाव का माहौल बन गया। वाईएसआरसीपी कार्यकर्ताओं ने तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू के रोड शो के दौरान पत्थरबाजी की। कई नेता घायल हुए हैं। पिछले चार साल से जब से जगन मोहन रेड्डी की सरकार बनी है। मुख्य विपक्षी पार्टी तेलुगु देशम पार्टी के साथ तनाव बना हुआ है। सत्तारूढ़ पार्टी वाईएसआरसीपी नेताओं द्वारा विपक्षी तेदेपा पर लगातार हमले कर रही है। उनके दफ्तरों को तोड़ फोड़ करना, नेताओं पर हमले करना और उलटा पुलिस तेदेपा पर -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

30 किलो गांजा के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। एक गोपनीय सूचना पर कार्रवाई करते हुए एसटीएफ असम की एक टीम ने बशिष्ठ पुलिस थाने की टीम के साथ आज सुबह गुवाहाटी में एक संयुक्त अभियान चलाया। अभियान के दौरान 30 किलोग्राम गांजा के साथ 03 तस्करों को गिरफ्तार किया। खानापाड़ा फ्लाईओवर के पास से गिरफ्तार किए गए तस्करों में राजेश राय (32), ऋतिक राज (18) और उदय कुमार (19) शामिल हैं। यह पता चला है कि गांजा करीमगंज से कामरूप जिले के बाइहाटा चारियाली पहुंचाने के लिए लाया गया था।

गौरीकुंड हादसे में लापता की संख्या पहुंची 20, तीन शव बरामद

देहरादून (हि.स.)। केदारनाथ यात्रा के मुख्य पढ़ाव गौरीकुंड में आई आपदा में लापता लोगों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। अभी तक कुल 23 लोग लापता हैं, जिनमें से 3 लोगों के शव बरामद हो गए हैं। अभी भी बीस लोग लापता हैं। घटनास्थल के साथ ही मंदाकिनी नदी में रेस्क्यू अभियान जारी है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, पुलिस सहित अन्य टीमें रेस्क्यू अभियान में लगी हुई हैं। राज्य में वर्षा से 02 बॉर्डर मार्ग सहित कुल 161 अन्य मार्ग बाधित हैं। मौसम विभाग ने राज्य में नौ अगस्त तक के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट की चेतावनी जारी की है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भी घटनास्थल पर आना था लेकिन मौसम खराब होने के कारण वह नहीं आ पाए। गुरुवार रात केदारनाथ यात्रा के मुख्य पढ़ाव गौरीकुंड में चट्टान टूटने के कारण तीन दुकानें जमीदोज हो गई थी। इस घटना में पहले 12 फिर बीस और अब 23 लोगों के गायब होने की सूचना है। 23 लोगों में से तीन लोगों के शव शुक्रवार को ही बरामद हो गए थे। शनिवार को भी दिनभर रेस्क्यू अभियान चला लेकिन किसी अन्य लापता चल रहे व्यक्ति का कोई सुराग नहीं मिल पाया। गौरीकुंड में घटनास्थल के साथ ही मंदाकिनी नदी में जगह-जगह रेस्क्यू अभियान चलाया गया लेकिन लापता चल रहे लोगों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई। मंदाकिनी नदी का तेज बहाव भी रेस्क्यू अभियान में बाधक बन रहा है। घटनास्थल पर ड्रोन सहित अन्य मशीनों के जरिये रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। एनडीआरएफ, आईटीबीपी, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, यात्रा मैनेजमेंट फोर्स, पुलिस, पीआरडी और होमगार्ड के जवान रेस्क्यू अभियान में जुटे हुए हैं। मुख्यमंत्री के न पहुंचने के बाद आपदा सचिव और गड़वाल कमीश्नर ने घटना स्थल का मौका-मुआयना किया। शनिवार सुबह से देर शाम तक प्रदेश में वर्षा का क्रम जारी रहा। देहरादून सहित अन्य स्थानों पर सूर्यदेव कुछ क्षण के निकले,लेकिन फिर बादलों के ओट में दिनभर लुकाछिपी करते रहे। देहरादून सहित राज्य के अधिकतर स्थानों पर मध्यम से तेज गति की बारिश का क्रम रुक-रुक कर जारी है। मौसम विभाग की ओर से राज्य में रविवार (06 जुलाई) को पांच जिलें देहरादून, पौड़ी गढ़वाल, चंपावत नैनीताल, उधमसिंह गनर के लिए लिए ऑरेंज और आठ जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। सात अगस्त के लिए चंपावत नैनीताल, उधमसिंह गनर के लिए ऑरेज और 10 जनपदों के लिए येलो और आठ अगस्त अल्मोड़ा, चंपावत नैनीताल, उधमसिंह गनर के लिए ऑरेंज और अन्य 09 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया। 09 अगस्त को टिहरी, देहरादून, पौड़ी गढ़वाल, बागेश्वर में ऑरेंज और अन्य जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान इस दौरान गरज चमक के साथ भारी से बहुत भारी बारिश के तीव्र से अति तीव्र दौर की संभावना है। बारिश से संवेदनशील इलाकों में कहीं-कहीं हल्के से मध्यम भूस्खलन और चट्टान गिरने के कारण सड़कों और राजमार्गों में कटाव से अवरोध होने और निचले इलाकों में जल भराव की स्थिति बन सकती है। प्रदेश में लगातार हो रही वर्षा से पिथौरागढ़ जिले में दो बॉर्डर और 10 राज्य मार्ग सहित कुल 161 अन्य सड़कें बाधित हैं जिन्हें संबंधित विभाग की ओर से खोलने की कार्यवाही की जा रही है। राज्य में 15 जून से अब तक अतिवृष्टि से मरने वाले की संख्या 36 हो गई है।

गुवाहाटी डीसीपी ने किया वृद्धाश्रम का दौरा

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी पुलिस आयुक्तालय की डीसीपी पूरबी मजूमदार के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम ने आज राजधानी के गण सारथी वृद्धाश्रम का दौरा किया। इस दौरान वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों के बीच चादर-मेखेला (असण की विशेष साड़ी सेट) और कुर्ते वितरित किए गए। पुलिस की टीम ने वृद्धाश्रम के बुजुर्गों के साथ काफी समय तक बातचीत की। उनकी बातों को सुना तथा उनकी हर संभव सहायता करने का आश्वासन दिया। पुलिस अधिकारी द्वारा दिखाए गए इस प्रकार की सहृदयता से वृद्धाश्रम के बुजुर्ग कुछ समय के लिए भावविह्वल हो गए।

शिशु निकेतन हाई स्कूल में अपना स्थापना दिवस मनाया

गुवाहाटी (विभास)। शिशु निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल ने 5 अगस्त को अपना 58वां स्थापना दिवस मनाया। वर्ष 1965 में 1 अगस्त को स्थापित, स्कूल ने पिछले कुछ वर्षों में मील के पत्थर हासिल किए हैं। 1460 छात्रों और 68 शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की क्षमता के साथ, स्कूल अधिक ऊंचाइयों तक फला-फूला है। एनेक्सी भवन के उद्घाटन के साथ, स्कूल ने छात्रों को जबरदस्त।

गौशाला में राजस्थान से आए भाजपा नेताओं का अभिनंदन

गुवाहाटी (विभास)। आठगांव स्थित श्री गौहाटी गौशाला में शनिवार को राजस्थान से आए भाजपा नेताओं का एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर राजस्थान विधानसभा के प्रमुख शासन सचिव महावीर प्रसाद शर्मा तथा मांडलगढ़ (जिला भीलवाड़ा) के विधायक गोपाल लाल शर्मा का अभिनंदन फुलाम- गामोछा, प्रतीक चिन्ह व स्मारिका भेंट कर किया गया। इस मौके पर मंच

भ्रष्टाचार के आरोप में थाना प्रभारी निलंबित

नगांव (हिंस)। जिले के रूपहीघाट आमबगान थाना के ओसी हेमंत कलिता को निलंबित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार नगांव के पुलिस अधीक्षक नवनीत महंत ने भ्रष्टाचार के आरोप में थाना प्रभारी महंत को निलंबित किया है। आरोप है कि थाना प्रभारी महंत ने पशु तस्कर से पैसे लेने के लिए होमगार्ड के जवान को लगाया था। राज्य में भ्रष्ट पुलिस एवं प्रशासनिक कर्मचारियों एवं अधिकारियों के विरुद्ध जमकर कार्रवाई हो रही है। इस दौरान कई सामान्य एवं पुलिस प्रशासन के अनेक कर्मचारी एवं पदाधिकारी निलंबित, निष्कासित एवं गिरफ्तार किए जा चुके हैं। भ्रष्टाचार पर पूरी तरह से सरकार ने लगाम कस रखी है।

आबकारी विभाग ने अवैध शराब की भट्ठियां नष्ट की

लखीमपुर (हिंस)। लखीमपुर जिले के ढकुवाखाना में अवैध शराब के विरुद्ध आबकारी विभाग द्वारा सघन अभियान चलाया जा रहा है। आज दी गई जानकारी के अनुसार ढकुवाखाना आबकारी सर्किल के सर्किल इंस्पेक्टर भूपेन सैकिया के नेतृत्व में शुक्रवार की शाम उपमंडल के घिलामारा थाना अंतर्गत विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध रूप से शराब विरोधी अभियान के दौरान कई भट्ठियों को नष्ट किया गया। घिलामारा पुलिस के सहयोग से आबकारी विभाग की टीम ने घिलामारा थानान्तर्गत मोहमरा, दिघली, कठालपारा, धेनुखना, मुर्तिया, शिंगिया, लाओकोठ आदि ग्रामीण क्षेत्रों में छापेमारी कर लगभग 380 लीटर *पास* (देसी शराब बनाने की सामग्री), लगभग 20 लीटर देशी शराब समेत लगभग 6 हजार 750 लीटर विदेशी शराब नष्ट किया गया। भट्ठियों को तोड़ दिया गया। इस कारोबार को चला रहे परिवारों को भविष्य में फिर से इस प्रकार का काम नहीं करने की चेतावनी दी गई।

पृष्ठ एक का शेष

लोक सेवा का ...

और आयुक्तों की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा निम्नलिखित सदस्यों वाली एक समिति की सिफारिश पर की जाएगी, अर्थात- मुख्यमंत्री, जो समिति के अध्यक्ष होंगे; विधान सभा में विपक्ष के नेता; और एक कैबिनेट मंत्री मुख्यमंत्री द्वारा नामित किया जाएगा।

81 अधिकारियों एवं ...

का जश्न मनाने और उनके आदर्शों से सीखने के लिए मैंने (मुख्यमंत्री) प्रतिष्ठित अधिकारियों को लोक सेवा और कर्मश्री पुरस्कार वितरित किए। यह पुरस्कार एसीएस पुलक महंत और उनकी टीम के साथी, एसीएस केशवानंद टाइड, एसडीएओ इरशाद अली को *आमार माजुली* पहल के लिए प्रदान किया गया है। एसीएस अनामिका तिवारी और उनकी टीम की सहयोगी, उप श्रमायुक्त अजंता शर्मा, सहायक श्रम आयुक्त (मुख्यालय) हेमंत कलिता, उप श्रम आयुक्त ईशानू शाह, मॉडल हाउसिंग कॉलोनी अंडर पीएमएवाई-जी के लिए डिब्रूगढ़ के बीडीओ रंजीत कुमार बुढ़ागोहाईं को यह पुरस्कार दिया गया है। इसी तरह आईएएस मचंदा मेगडालीन और उनकी टीम के सहयोगियों, एसीएस बंटी तालुकदार, डीएओ दुलाल दास, ईसीओ पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी परियोजना किसान वृद्धि के लिए सम्मानित किया गया है। इसी तरह, उत्तर लखीमपुर नगरपालिका बोर्ड में नगरपालिका पश्चिम के पुनर्वास के लिए, आईएएस सुमित सट्टावन और उनकी टीम के साथी एसीएस केसियो करण पेगू को पुरस्कार प्रदान किया गया है। इस प्रकार असम सरकार द्वारा आज कुल 81 सरकारी कर्मचारियों एवं पदाधिकारियों को यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

फुटबॉल में साहसिकता ...

देखने को मिलता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि फुटबॉल जिसे पूरी दुनिया में ब्यूटीफुल गेम के नाम से जाना जाता है, यह सिर्फ एक खेल नहीं है, बल्कि यह एक इमोशन भी है। आप लोगों ने महान ब्राजीली फुटबॉलर पेले का नाम तो सुना ही होगा। उनसे संबंधित एक घटना बड़ी ही चर्चित है। मुझे वह याद आ रही है जिसकी चर्चा मैं आज आपके साथ करना चाहता हूं। राजनाथ ने कहा कि 1970 के दशक में नाइजीरिया में सिविल वार छिड़ा हुआ था। उसमें हजारों लोगों की जानें गई थीं, माहौल एकदम तनावपूर्ण था। पुलिस एवं नेताओं की कोई भी अपील स्थिति को शांत नहीं कर पा रही थी, लेकिन जब पेले एक फ्रेंडली मैच खेलने वहां पर पहुंचे, तो बताया जाता है कि 48 घंटे तक पूरा देश खतरनाक स्थिति से पूरी तरह दूर रहा। रक्षा मंत्री ने कहा कि फुटबॉल में रूल और रेगुलेशन का बहुत इंपॉर्टेंस होता है। आप सब फुटबॉल में ऑफसाइड रूल के बारे में जानते होंगे। यदि कोई खिलाड़ी ऑफसाइड जाकर गोल करता भी है, तो वह गोल माना नहीं जाता है। मतलब जैसे ही आप रूल के अगेंस्ट जाते हैं तो आपका कोई भी प्रयास यदि सक्सेसफुल हो भी जाए तो भी वह सफल नहीं माना जाता। चाहे कोई गेम हो या सोसाइटी हो या नेशन उसमें रूल्स का बहुत महत्व होता है और उसको बनाए रखना हम सबकी रिस्पांसिबिलिटी होती है। एक सच्चा स्पोर्ट्स पर्सन और एक सच्चा नागरिक वही होता है, जो गेम और सोसाइटी के सभी रूल्स के अनुसार अपनी ड्यूटी निभाए। राजनाथ ने कहा कि असम ने भी हाल के दिनों में स्पोर्ट्स के क्षेत्र में काफी प्रगति की है। हमने ऐसे अनेक खिलाड़ी देखे हैं, जिन्होंने असम से आगे बढ़ते हुए नेशनल लेवल पर अपनी पहचान बनाया है। वूमेन अंडर 20 टीम की कैप्टन अपूर्णा नार्जारी की बात हो, या फिर अस्मिता चालिहा और हृदय हजारिका जैसे खिलाड़ी प्रमुख हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि असम और विशेषकर कोकराझाड़ में डूरंड कप का आयोजन यहां पर युवाओं को बहुत बड़े स्तर पर इनकरेज करेगा तथा हमें आने वाले समय में भी असम से और ज्यादा टैलेंट देखने को मिलेंगे। मैं, असम सरकार, बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल तथा इंडियन आर्मी को, इस कप के सफल आयोजन के लिए हार्दिक बधाई देता हूं। अपने संबोधन में राजनाथ ने खेल की भावना को और अधिक प्रगाढ़ बनाने की बात पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान रक्षामंत्री के हाथों डूरंड कप का उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर रक्षा मंत्री के साथ असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा, सेना प्रमुख मनोज पांडे, असम की खेल एवं युवा कल्याण मंत्री नंदिता गार्लोसा और उर्खाओ गौरा ब्रह्म, बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो समेत सेना, केंद्र एवं राज्य सरकार के कई वरिष्ठ पदाधिकारी व अन्य लोग मौजूद रहे।

आम जनता के ...

बार है जब जरूरी दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। इससे पहले इसी साल मार्च महीने में जरूरी दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी की गई थी। इस बीच, राज्य में आज से चावल, तुअर दाल, मटिर दाल, चीनी और सरसों तेल की कीमतें बढ़ गई हैं।

बोड़ोलैंड में शांति...

कप मैच का उद्घाटन करने कोकराझाड़ पहुंचे केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के असम पहुंचने पर कोकराझाड़ हेलीपैड पर असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। कोकराझाड़ के साई स्टेडियम में डूरंड कप के 132वें संस्करण के उद्घाटन समारोह के मौके पर मुख्यमंत्री के अलावा केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भारत के थल सेनाध्यक्ष मनोज पांडे, असम सरकार के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री नंदिता गार्लोसा, उर्खाओ गौरा ब्रह्म, बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो समेत कई सेना, केंद्र सरकार व राज्य सरकार के पदाधिकारी, खिलाड़ी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

ईडी ने पीएफआई ...

एनआईए, कोच्चि द्वारा दायर एक एफआईआर और आरोप पत्र के आधार पर एक पीएमएलए जांच शुरू की थी। एफआईआर और आरोप पत्र के अनुसार, पीएफआई/एसडीपीआई (सोशलिस्ट डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया) के कार्यकर्ताओं के एक समूह ने विस्फोटकों और हथियारों के इस्तेमाल का प्रशिक्षण देने की साजिश रची और कन्नूर जिले के नारथ में एक आतंकवादी शिविर का आयोजन किया। इसके बाद, मामले में पीएमएलए जांच में पीएफआई और उससे संबंधित संस्थाओं के सदस्यों के खिलाफ एफआईआर शामिल की गईं है। ईडी की जांच से पता चला कि पीएफआई नेता और विदेशी संस्थाओं से जुड़े सदस्य केरल के मुन्नार में एक आवासीय परियोजना - मुन्नार विला विस्टा प्रोजेक्ट (एमवीवीपी) विकसित कर रहे थे, जिसका उद्देश्य विदेशों से और देश के भीतर एकत्र किए गए धन को वैध बनाना था। यह परियोजना मुन्नार विला विस्टा प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी के माध्यम से विकसित की गई थी। एक अधिकारी ने कहा कि ईडी की जांच में परियोजना में बड़ी मात्रा में बेहिसाब नकदी डालने, शेयरधारकों के नाम पर एमवीवीपीएल शेयरों की नकद सदस्यता, बिना प्रतिफल के एमवीवीपीएल शेयरों का हस्तांतरण और बिना किसी आपूर्ति के अन्य कंपनियों को वस्तुओं या सेवाओं का फर्जी हस्तांतरण का खुलासा हुआ। एमवीवीपीएल और उसके प्रमुख व्यक्तियों की मनी लॉन्ड्रिंग गतिविधियों की ईडी जांच के परिणामस्वरूप, अपराध की कुल आय रु 21.9 करोड़ की पहचान की गई। 6 मई को लखनऊ में पीएमएलए मामलों की विशेष अदालत के समक्ष एक अभियोजन शिकायत दायर की गई थी। मामले में कोर्ट ने आरोप भी तय कर दिए हैं और फिलहाल सुनवाई चल रही है।

चांद के ऑर्बिट ...

इंजेक्शन का प्रदर्शन किया है, जिसका अर्थ ये है कि अंतरिक्ष यान को चंद्रमा की कक्षा में स्थापित किया गया। इससे पहले स्पेसक्राफ्ट पृथ्वी की 5 परिक्रमा पूरी करते हुए आगे बढ़ा। चंद्रयान-3 मिशन में लैंडर, रोवर और प्रोपल्शन मॉड्यूल हैं, जोकि 16 अगस्त तक चंद्रमा के चक्कर लगाएंगे। इसके बाद 17 अगस्त को लैंडर से प्रोपल्शन मॉड्यूल अगल हो जाएगा, जोकि चंद्रमा की कक्षा में मौजूद रहकर पृथ्वी से आने वाले रेडिएशन्स का जानकारी जुटाएगा। वहीं, लैंडर आगे बढ़ते हुए 23 अगस्त को चंद्रमा पर लैंड करेगा। लैंडर का नाम *विक्रम* रखा गया है। लैंडर और रोवर के नाम पिछले मिशन चंद्रयान-2 से लिए गए हैं। लैंडर का नाम भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक डॉ। विक्रम ए साराभाई के नाम पर रखा गया है। इसे एक चंद्रमा पर एक दिन काम करने के लिए डिजाइन किया गया है। दरअसल, चंद्रमा का एक दिन पृथ्वी पर 14 दिन के बराबर होता है। लैंडर की सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित करने के लिए कई सेंसर लगाए गए हैं। रोवर समेत इसका वजन करीब 1,749 किलोग्राम है। इसमें साइड-माउंटेड सौर पैनल लगाए गए हैं, जोकि 738 वॉट पावर जनरेट कर सकता है और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर अध्ययन करेगा। विक्रम लैंडर की लैंडिंग को लेकर सभी की नजरें टिकी हुई हैं क्योंकि इसी समय चंद्रयान-2 मिशन विफल हो गया था और लैंडर ठीक से लैंडिग नहीं कर पाया था और उससे संपर्क टूट गया था।

मणिपुर में तीन ...

हथियार चुरा लिए। असॉल्ट राइफलों के साथ पुलिस के कई हथियार और करीब 19000 गोलियां चोरी की गई हैं। उपद्रवियों को रोकने के लिए सुरक्षा बलों ने भी कई राउंड फायर किए। हालांकि, उपद्रवियों के हमले में कई सुरक्षा कर्मी घायल हो गए। पुलिस ने इसके बाद हालात काबू में लाने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। घटना के बाद इंफाल के कई इलाकों में कर्फ्यू में दी गई ढील वापस ले ली गई है। एक अधिकारी ने बताया कि हिंसा के चलते इंफाल के दो जिलों क्वाक्ता और चुराचांदपुर में सुबह 5 बजे से शाम 6 बजे तक कर्फ्यू में दी गई छूट अब घटाकर सुबह 5 से 10.30 बजे तक कर दी गई है। मणिपुर में हिंसा दोबारा शुरू होने के बाद पुलिस ने गुरुवार को कहा कि पिछले 24 घंटों में राज्य में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। पुलिस ने कहा कि गोलीबारी और हिंसा की छिटपुट घटनाएं हुई है और भीड़ ने बिष्णुपुर के कीरेनफाबी और थंगलावई में पुलिस चौकी पर हमला किया और हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा लूट लिया। पुलिस ने इसी के साथ जनता से अफवाहों पर विश्वास न करने और फर्जी वीडियो से सावधान रहने की अपील की है। पुलिस ने लोगों को फर्जी वीडियो की रिपोर्ट करने के लिए एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया।

आतंकी पन्नू ने एक...

पर झंडा न चढ़ानें को लेकर मुस्लमानों को उकसा रहे हैं, साथ ही पन्नू ने बताया कि खालिस्तानी समर्थक इसकी तैयारी कर चुके हैं। इतना ही नहीं, पन्नू कश्मीर के हालातों पर गलत जानकारियां देकर मुस्लिम भाईचारे को भी भड़का रहा है। बीते दिनों नूंह की घटना के बाद गुरुग्राम में मस्जिद पर हुए हमले और इमाम की हत्या पर भी पन्नू ने सवाल खड़ा किया है। गुरपतवंत सिंह पन्नू ने पहले भी 2 बार 15 अगस्त को देश का माहौल खराब करने की धमकी दी है। मिली जानकारी के अनुसार बत्ता दें कि पन्नू अपने सिख फॉर जस्टिस के सदस्य व अपने करीबी हरदीप सिंह निज्जर की मौत के बाद से बोखलाया हुआ है। हरदीप की मौत के बाद ही उन्होंने देश का माहौल खराब करने की कोशिश की है।

सर्वे में दो फीट...

सर्वेक्षण फिर से शुरू हुआ कि क्या 17वीं सदी की मस्जिद का निर्माण हिंदू मंदिर की पहले से मौजूद संरचना के ऊपर किया गया था। एएसआई टीम ने दोपहर के आसपास सर्वेक्षण रोक दिया, जिससे मुसलमानों को मस्जिद में नमाज अदा करने की अनुमति मिल गई और दोपहर 2:30 बजे इसे फिर से शुरू किया गया। दिन भर चलने वाला सर्वेक्षण शाम 5 बजे समाप्त हो गया है। वाराणसी अदालत ने एएसआई को 2 सितंबर तक सर्वेक्षण पर रिपोर्ट सौंपने को कहा। सरकारी वकील ने पहले एक आवेदन दायर कर अदालत से सर्वेक्षण पूरा करने और रिपोर्ट जमा करने के लिए एएसआई को चार सप्ताह का समय देने का आग्रह किया था। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को ज्ञानवापी मस्जिद के एएसआई सर्वेक्षण पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, मुस्लिम पक्ष का कहना है कि यह अतीत के घावों को फिर से हरा देगा। हालांकि, शीर्ष अदालत ने एएसआई टीम से सर्वेक्षण के दौरान कोई आक्रामक तकनीक नहीं अपनाने को कहा।

गरीबी सबसे बड़ी...

अब तक की विभिन्न बैठकों में जो मंत्र एनडीए के सांसदों को दिए हैं। पीएम मोदी को पता है कि अगले साल जनवरी में किसी समय जनता के लिए खोले जाने वाले राम मंदिर से विंध्य के उत्तर में एनडीए सांसद विशेष रूप से चुनावी लाभ की उम्मीद कर रहे हैं। वह उस आत्मसंतुष्टि के प्रति भी सचेत हैं जो खासकर उत्तर प्रदेश के भाजपा सांसदों के बीच पैदा हो सकती है, जहां पार्टी ने 80 में से 62 सीटें जीतीं। पीएम मोदी ने कहा कि अपनी-अपनी सीटों पर राम मंदिर के बारे में प्रचार करने से वोट नहीं मिलेंगे। पीएम मोदी ने अनुच्छेद 370 का भी जिक्र करते हुए सांसदों से कहा कि इस मुद्दे को तूल देने से काम नहीं चलेगा। नए महाराष्ट्र सदन में सांसदों से पीएम मोदी ने गरीबों के लिए काम करने और केंद्र द्वारा लाई गई गरीब-समर्थक योजनाओं के बारे में बताने को कहा। उन्होंने सांसदों से कहा कि गरीबी सबसे बड़ी जाति है। पीएम उत्तर प्रदेश और बिहार में जातीय संवेदनशीलता को लेकर सजग हैं। यूपी में पीएम मोदी ने सांसदों से जातिगत भेदभाव से ऊपर उठने को कहा। पीएम मोदी चाहते थे कि सांसद लोगों को योजनाओं के बारे में जागरूक करें ताकि गरीब उनका लाभ उठा सकें। केंद्र सरकार ने आर्थिक रूप से हाशिए पर रहने वाले लोगों के लिए गरीब कल्याण रोजगार अभियान, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना और प्रधान मंत्री स्ट्रीट वेंडर की आत्मानिर्भर निधि योजना जैसी कई योजनाएं शुरू की हैं। पीएम मोदी ने किसी भी सांसद से विपक्षी गुट के लिए *इंडिया* शब्द का इस्तेमाल बंद करने के लिए नहीं कहा। मगर पीएम मोदी ने साफ कर दिया कि वह खुद इसे पसंद नहीं करते हैं। पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड के एनडीए सांसदों के साथ अपनी दूसरी बैठक में पीएम मोदी ने इस शब्द का उच्चारण आई.एन.डी.आई.ए. के रूप में किया। बैठक में शामिल हुए सांसदों ने भी इसे उसी अंदाज में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। 2014 के बाद भाजपा इस मामले में बहुत खास रही है कि वह नहीं चाहती कि उसके मंत्री या सांसद मीडिया में छाए रहें। पीएम मोदी का दोहराया गया एक बड़ा संदेश था माइक से दूर रहें। सूत्रों के मुताबिक उन्होंने जो बड़ी बात कही वह यह थी कि अपनी जुबान पर नियंत्रण रखें, मीडिया को अनावश्यक बाइट देने से बचें और निश्चित रूप से किसी भी विवाद को पैदा करने या उसमें शामिल होने से मीलों दूर रहें। उन्होंने गुरुवार को एनडीए सांसदों से पूछा कि आउट ऑफ टर्न क्यों बोलना है? क्या जरूरत है? इसके बजाय उन्होंने उन्हें सलाह दी कि जमीन पर अपना काम खुद बोलने दें। पीएम मोदी ने पूर्वी यूपी के सांसदों से हर संसदीय क्षेत्र में तत्काल कॉल सेंटर बनाने को कहा। संसद सत्र या पार्टी कार्य के दौरान सांसद अपने संबंधित संसदीय क्षेत्रों से दूर रहते हैं, जब कई लोगों को उनकी मदद की जरूरत हो सकती है। इसलिए समर्पित नंबरों वाले कॉल सेंटर बनाए जाने चाहिए, जिसके जरिये लोग किसी भी समय अपनी शिकायत या समस्याएं अपने सांसदों तक पहुंचा सकें। पीएम मोदी ने इसे *संसद संवाद* भी कहा। उन्होंने हर सांसद के लिए पेशेवर सोशल मीडिया टीमें बनाने की जरूरत पर भी बल दिया। उन्होंने सांसदों से कहा कि सोशल मीडिया पर अधिक सक्रिय रहें।

चंद्रबाबू नायडू की ...

ही मामले दर्ज करते हुए आई है। तेदेपा प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के जनसभा और रोड शो की रोकने की पूरी कोशिश की जाती है। सरकारी आदेश लाई जाती है। कोर्ट द्वारा आदेश को रद्द करने पर पुलिस उन्हें रोकने की कोशिश करती है। उनकी जेड प्लस सुरक्षा हटा लिया जाता है। फिर कोर्ट के कहने पर वापस सुरक्षा दी जाती है। तेदेपा नेताओं पर जानलेवा हमले होते हैं और उल्टा उन्हीं पर पुलिस मामले दर्ज कर गिरफ्तार कर लेती है। सैंकड़ों मामले दर्ज की है। पिछले चार सालों में कई घटनाएं सामने आई है। फिर भी हिम्मत नहीं हारकर चंद्रबाबू नायडू ने सत्तारूढ़ पार्टी के नाकामियों को जनता के सामने ले जाने की पूरी कोशिश करते रहते हैं। उनके सभाओं में भीड़ को देख कर सत्तारूढ़ पार्टी ज्यादा तिलमिला जाती है। शुक्रवार शाम को चंद्रबाबू नायडू ने आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में रोड शो कर रहे थे। आंगल्लू होते हुए पोंगुनूर की तरफ उनका रोड शो आगे बढ़ रहा था तो सत्तारूढ़ वाईएसआरसीपी के कार्यकर्ताओं ने उन्हें रोकने की कोशिश की और उनपर पथराव किया। इस दौरान कई तेदेपा नेता घायल हो गए हैं। सिर पर और मुंह पर पत्थर लगने से खून बहने लगा। चंद्रबाबू नायडू जो जेड प्लस हस्त्र कमांडो से घिरे होने के कारण उनको कुछ नहीं हुआ। उन्होंने उनका सुरक्षा घेरा बना दिया। चंद्रबाबू नायडू ने रोड शो के दौरान वाहन पर से राज्य सरकार की पुलिस पर बरसने लगे कि वे सुरक्षा देने में नाकाम रही और सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यकर्ता पुलिस की आड़ में उनपर हमला किया। बाद में तनाव ज्यादा बढ़ गया। तेदेपा ने भी सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यकर्ताओं पर पत्थरबाजी की। दोनों तरफ से पत्थरबाजी में तेदेपा के कई कार्यकर्ता और पुलिस कर्मी घायल हुए हैं और कई वाहनों को फूंक दिया। हमेशा की तरह जिले की पुलिस ने विपक्षी पार्टी तेदेपा के कई कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया।

शाह ने ओडिशा ...

कि राज्य में आपदा मित्रों और आपदा वॉरियर्स को बहु-आपदा ट्रेनिंग दी जानी चाहिए। गृह मंत्री ने बैठक के दौरान सुझाव दिया कि राज्य में होम गार्ड स्वयंसेवकों को मजबूत किया जाना चाहिए और उन्हें आपदा प्रतिक्रिया संबंधी प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। इसके अलावा राज्य में स्थापित बहुउद्देश्यीय चक्रवात आश्रयों के रखरखाव को सुनिश्चित करने के लिए बजट मद में से नियमित रूप से धन उपलब्ध कराया जाना चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री ने वामपंथी उग्रवाद को लेकर राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने राज्य सरकार को वामपंथी उग्रवाद समाप्त करने के लिए केंद्रीय बलों के समर्थन का आश्वासन दिया। शाह ने वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में सड़क और संचार नेटवर्क को मजबूत करने, विशेष रूप से सभी गांवों को इंटरनेट से जोड़ने में, हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

पीओके में शुरू...

के लोगों ने पाकिस्तान सरकार पर उनके साथ भेदभाव करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। यहां के नाराज लाग अब पीओके को भारत में मिलाने की मांग करने लगे हैं। दो दिन पहले भी 3 अगस्त को हजारों लोग मुजफ्फराबाद, कोटली, मीरपुर, दादियाल, तातापानी, चकसावरी, खुइराता और नाकयाल में सड़कों पर उतर आए और गेहूं की कमी, सब्सिडी में कटौती, लोड शेडिंग और जीवनयापन की लगातार बढ़ती लागत, बिजली बिल पर अतिरिक्त करों के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया। विरोध प्रदर्शन मीरपुर, पुंछ और मुजफ्फराबाद तीनों डिवीजनों में किया गया। पीओके सरकार को दो सप्ताह में अतिरिक्त करों को वापस लेने या पीओके की राजधानी मुजफ्फराबाद में विधान सभा भवन की घेराबंदी के साथ राज्यव्यापी शटडाउन हड़ताल का सामना करने का अल्टीमेटम जारी किया गया था। प्रदर्शनकारियों में हर वर्ग के लोग शामिल थे। छात्रों, वकीलों, ट्रांसपोर्टरों, पेंशनभोगियों, व्यापारियों और नागरिक समाज के विभिन्न वर्गों ने उपरोक्त शहरी और अर्ध-ग्रामीण केंद्रों में प्रत्येक सड़क चौराहे और शहर/शहर चौराहे पर सड़कों को अवरुद्ध किया, धरना दिया और रैलियां आयोजित कीं। यह पहली बार नहीं है कि पीओके के खिलाफ राज्यव्यापी प्रदर्शन हुआ हो। केवल इस बार जनता का गुस्सा अंतर-राज्य नेटवर्किंग और सुसंगत मांगों के संदर्भ में अधिक सुसंगत लगता है। हालांकि, इसमें अभी भी ऐसे राजनीतिक कार्यक्रम का अभाव है जो जनता के गुस्से को पीओके की कानूनी यथास्थिति में बदलाव की ओर ले जाए। इसलिए, हर बार पिछले विरोध आंदोलनों ने अपनी गति खो दी है और यह उनकी हताशा को दूर करने के लिए एक तंत्र के रूप में काम करने वाला साबित हुआ है।

स्वर्वेद भाष्य

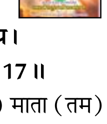

पंचम मंडल **द्वितीय अध्याय**

(क्षर)

पिंउटी मुख गज जात है, बुन्द में सिन्धु समाय।
तम प्रकाश भोजन करे, बाल गोद खेल माय॥ 17॥

शब्दार्थ : (गज) हाथी (सिन्धु) समुद्र (गोद) कोरा (माय) माता (तम) अंधकार।

भाष्य : चिंटीं के मुख में हस्ती जाता है तथा बुंद में समुद्र समा रहा है तथा अंधकार प्रकाश हो खा रहा है एवं बालक के गोद में माता खेल रही है। पौ, क्षर और माया में आत्मा भूली हुई है। इसी को चिंटी, हस्ती और बुंद-समुद्र का उदाहरण देकर समझाया गया है।

भक्षक सो रक्षक बने, करता कर्म झकोर।
पौ फन्दा समझें बिना, जिव दुख पावत मोर॥ 18॥

शब्दार्थ : (भक्षक) भक्षण करने वाला (रक्षक) रक्षा करने वाला (झकोर) हिलना।

भाष्य : इंद्रियों के कर्म, आत्मसत्ता को नीचे गिराते हैं। ये पौ, क्षर और माया, आत्मा के ज्ञानकर्म को खा जाती हैं, उसी को मैं अपने अज्ञान से सहायक, रक्षक समझ रहा हूं। कर्त्ता अपने ही कर्म के झकोर में पड़कर महान दु:ख को प्राप्त करता है। पौ का फंदा समझे बिना सभी प्रभु के जीव दु:ख को प्राप्त कर रहे हैं इसलिए पौ, क्षर और माया का ज्ञान कर, आत्मस्वरूप को पहचान, महाप्रभु की भक्ति करनी चाहिए।

असम में अंसारुल्लाह बांग्ला टीम का कैडर गिरफ्तार

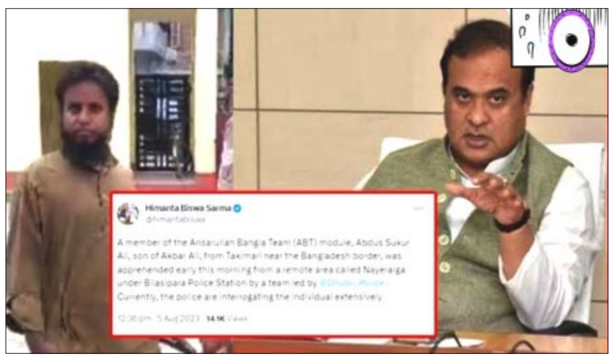

गुवाहाटी। असम के धुबड़ी जिले में शनिवार को पुलिस ने विघटित उग्रवादी संगठन अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। धुबड़ी के पुलिस अधीक्षक नवीन सिंह ने आईएएनएस को बताया कि हम पिछले कुछ दिनों से एबीटी सदस्य की तलाश कर रहे थे। उसे पकड़ने के लिए एक अभियान चलाया जा रहा था। वह गिरफ्तारी की वजह से छिप रहा था। लेकिन हमने शनिवार की सुबह उसे पकड़ लिया। हाल ही में, एबीटी के एक और सदस्य को मोरीगांव जिले में गिरफ्तार किया गया था। उसे धुबड़ी लाया गया और असम में आतंकी मॉड्यूल से संबंध खोजने के लिए उससे आगे की पूछताछ की गई। पुलिस अधीक्षक नवीन सिंह ने आगे कहा कि मोरीगांव में पकड़ा गया एबीटी का दूसरा सदस्य हमारी हिरासत में है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने ट्वीट किया कि बांग्लादेश सीमा के पास ताकीमारी से अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) मॉड्यूल के एक सदस्य अब्दुल शुकुर अली पुत्र अकबर अली को आज सुबह धुबड़ी पुलिस के नेतृत्व वाली एक टीम ने बिलासीपारा पुलिस स्टेशन के तहत नायरलगा नामक दूरदराज के इलाके से पकड़ा। फिलहाल पुलिस उस व्यक्ति से गहनता से पूछताछ कर रही है।

आईआईवीएए और एएएसएन ने युवाओं में बांटे पुस्तक

गोलाघाट (हिंस)। ग्रामीण और चाय बागान क्षेत्र के उभरते युवाओं के बीच पढ़ने की आदत को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए गोलाघाट स्थित गैर सरकारी संगठन ऑल एंड संड्री के संस्थापक अभिषेक सिंघा ने शनिवार को बोकाखात के सिविल एसडीओ सिमी करण को कुछ संसाधनपूर्ण किताबें सौंपी। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन और एनजीओ मिलकर ग्रामीण और चाय बागान क्षेत्र में अध्ययन सामग्री वितरित करके अच्छी किताबें पढ़ने के फायदों के बारे में प्रशासनिक अधिकारियों और प्रमुख नागरिकों की मदद और समर्थन से उभरते युवाओं के बीच जागरूकता फैला रहा है। जो किताबें एसडीओ (सिविल), बोकाखात को सौंपी वे एसोसिएशन द्वारा बोकाखात सब-डिवीजन की लाइब्रेरी या कम्युनिटी क्लब के लिए भेजी गई हैं, ताकि उभरते युवा इसका लाभ उठा सकें। सूत्रों ने बताया कि एसोसिएशन जल्द ही गोलाघाट जिले के बाहरी इलाकों में दो और *बुक डोनेशन ड्राइव* कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। बैठक के दौरान एसडीओ करण को बिहुवान से सम्मानित किया गया। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि *शिक्षा का उपहार सबसे बड़ा उपहार है।*

मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा का एक दिवसीय रक्तदान शिविर आयोजित

गुवहाटी (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के तत्वावधान एवं टॉप्सम सीमेंट के सहयोग क्रिश्चियन बस्ती स्तिथ कार्यालय में आज एक रक्तदान शिविर का आयोजन सह सचिव एवं कार्यक्रम सयोजक संजीत कुमार धूत के सानिध्य मैं सफलतापूर्वक आयोजित हुआ। मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के रक्तदान महादान अभियान के तहत आज के तीसरे और इस महीने के अंतिम रक्तदान शिविर में कुल 23 सदस्यों ने रक्तदान किया। जिसमें 5 सदस्यों ने अपने जीवन का पहला रक्तदान किया। रक्त मानव शरीर की सभी क्रियाओं के लिए सबसे आवश्यक पदार्थ है। रोजाना हजारों लोगों को रक्त की आवश्यकता पड़ती है जिसमें लगभग 55 प्रतिशत लोगों की ही आवश्यकता पूरी हो पाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा ने जागरूकता के तहत रक्तदान शिविर का आयोजन किया है आज रक्तदान शिविर में शाखा के संरक्षक महोदय कैलाश लोहिया ने स्वयं भ्रमण किया एवं सभी रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया एवं सम्मेलन के सभी साथियों की भूरि भूरि प्रशंसा के साथ साथ नए डोनर को प्रेरित किया साथ ही कार्यकारिणी सदस्य राहुल लोहिया ने भी व्यक्तिगत उपस्थित नहीं हो सकने के बावजूद समुचित व्यवस्था को दुरभाष द्वारा संचालित किया एवम सम्मेलन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर पुर्ण सहयोग दिया सम्मेलन परिवार के सभी पदाधिकारीगण एवं कार्यकारिणी सदस्य शंकर बिड़ला प्रदीप भुवालका अशोक सेठिया सूरज सिंघानिया नरेंद्र सोनी गौरव सिवोटिया सुरेंद्र लड़ा अभिषेक केजरीवाल एवं विनोद कुमार जिंदल आदि सदस्यों का भी अतुलनीय सहयोग रहा। साथ ही साथ मारवाड़ी हॉस्पिटल एवं टॉपसम सीमेंट के अनिल कपूर एवं उनकी पूरी टीम ने सहयोग दिया। इस आशय की जानकारी जनमानस की जानकारी हेतु प्रचार प्रसार मंत्री नरेंद्र सोनी द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से की गई है।

जश्न के बीच कुछ चीजों को हाईलाइट नहीं किया गया

राहुल को एससी से मिले राहत पर हिमंत विश्व शर्मा का तंज

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को *मोदी उपनाम* मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत पर कटाक्ष जारी रखते हुए शीर्ष अदालत के आदेश के तीन वाक्यों की ओर इशारा किया, जिन्हें *हाइलाइट नहीं किया गया*। सरमा ने एक्स, जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था, पर लिखा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के कुछ हिस्सों को कल तथाकथित जश्न के बीच उजागर नहीं किया गया। आदेश में माननीय सर्वोच्च न्यायालय में राहुल गांधी के 2019 के अवमानना मामले का स्पष्ट संदर्भ है, जिसमें बार-बार अपराधी के रूप में उनकी विश्वसनीयता को रेखांकित किया गया है। पैरा 12, माननीय सुप्रीम कोर्ट यह स्पष्ट करता है कि रोक निचली अदालत में चल रही अपील प्रक्रिया को प्रभावित नहीं करेगी। इससे पहले हिमंता ने ट्वीट कर कहा था कि दोहरेपन की पराकाष्ठा! जब आप दोषी पाए जाते हैं तो आप न्यायपालिका को गाली देते हैं, और जब वही न्यायपालिका आपको जमानत दे देती है, तो आप कहते हैं कि न्याय की जीत हुई है।

पुलिस ने अपहर्ता को गिरफ्तार कर अपहृत लड़की को बचाया

हैलाकांदी (हिंस)। हैलाकांदी में हुए एक अपहरण की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। गुप्त सूचना के आधार पर हैलाकांदी पुलिस द्वारा चलाए गए एक अभियान के दौरान अपहृत लड़की को बचा लिया गया। हैलाकांदी पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार शुक्रवार की रात हैलाकांदी के थानाप्रभारी के नेतृत्व में चलाए गए एक अभियान के दौरान अपहरण के आरोपित मोहम्मद फहीमुल इस्लाम (पुत्र अमीर उद्दीन मजूमदार, निवासी कदमटोला पार्ट 1, पीएस काटिगोरा, जिला कछार) को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अपहर्ता के चंगुल से अपहृत लड़की को छुड़ा लिया गया। पीड़िता को कछार जिले के कलैन से बचाया गया। पुलिस ने बताया कि पीड़िता को आवश्यक औपचारिकताओं के बाद उसके कानूनी अभिभावकों को सौंप दिया गया है।

सिद्धगुरु श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव का एलजीबीआई हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत

गुवाहाटी (विभास)। सिद्धगुरु श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव के रविवार को आईटीए सेंटर में आयोजित होने वाले अमृत महोत्सव में पधारने पर गुवाहाटी हवाई अड्डे पर उनका भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर स्वगत समारोह समिति की ओर से शुभकरण बोथरा, कमल बैद, रवि पुगलिया, पंकज जालान, सुभाष सुराणा, दाऊलाल सरड़ा, विनोद बोथरा ने गुरुदेव का अभिनंदन कर अगवानी की। उल्लेखनीय है कि सिद्धगुरु श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव का 5 दिवसीय आवास गुवाहाटी में होगा। इस अवसर पर विश्व धर्म चेतना मंच श्री ब्रह्मर्षि आश्रम तिरुपति के गुवाहाटी केंद्र के तत्वाधान में सिद्ध गुरु देव के सानिध्य में मां कामाख्या की धरा गुवाहाटी मे अमृत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के लिए गुरुदेव शनिवार की शाम गुवाहाटी पधार चुके हैं। श्री ब्रह्मर्षि आश्रम की ग्लोबल चैयरमेन सरला बोथरा ने बताया कि गुवाहाटी में 6 अगस्त 2023, रविवार को सायं 4-15 बजे माछखोवा स्थित आईटीए सेंटर में गुरुदेव का दिव्य आशीर्वाद

प्राप्त होगा। अमृत महोत्सव स्वागत समारोह समिति के शुभकरण बोथरा ने बताया हम सभी बहुत भाग्यशाली हैं कि मनुष्य स्वरूप में हमें ऐसे सिद्धगुरु मिले हैं, जो हमारे जीवन की रक्षा के लिए स्वयं अहर्निष साधना में रत रहते हैं। श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव एक महान सिद्धगुरु हैं, जिनकी जन्म से ही सातों कुंडलिनी, सातों चक्र जागृत है तथा ब्रह्म लोक, विष्णु लोक व शिव लोक को प्राप्त कर ब्रह्मर्षि हो गए हैं। समिति के कमल बैद ने बताया कि महोत्सव में असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। स्वागत समारोह समिति के नवरतन बैद ने बताया कि महोत्सव में प्रवेश एंट्री पास द्वारा ही दिया जाएगा। श्री ब्रह्मर्षि आश्रम तिरुपति के राष्ट्रीय मीडिया अध्यक्ष रवि पुगलिया ने बताया कि ब्रह्मर्षि गुरुदेव ने अष्ट सिद्धियों एवं नव निधियों को प्राप्त किया है व समस्त सिद्धियों का उपयोग संसार के कल्याण हेतु कर रहे हैं। समारोह समिति के पंकज जालान व सुभाष सुराना ने बताया कि इस आयोजन में देश के अनेक हिस्सों से काफी संख्या में गुरु भक्त गुवाहाटी आ रहे है। समिति के मानमल लोढा ने बताया कि *दीर्घ तपस्वी* सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव के दिव्य दर्शन का सौभाग्य गुवाहाटी शहर को मिल रहा है, जिनके दर्शन मात्र से ही जीवन की दिशा व दशा दोनों बदल सकती है। इस अवसर पर रविवार शाम को होने वाले आयोजन को लेकर गुवाहाटी के श्रद्धालुओं में काफी उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम में व्यवस्था संभालने के लिए पुर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के अंतर्गत गुवाहाटी की कई शाखाओं के सदस्य सक्रिय रूप से लगे हुए हैं।

असम के चाय उद्योग में क्रांति लाने को तैयार जेट्टा फार्म्स

1000 एकड़ के विशाल बागान के साथ एक उत्कृष्ट चाय श्रृंखला पेश करेगी

गुवाहाटी (विभास)। कृषि उद्योग में क्रांति लाने वाली अग्रणी ताकत जेट्टा फार्म्स ने आज असम के शांत परिदृश्य में 1000 एकड़ के विशाल चाय बागान के साथ अपने पोर्टफोलियो के विस्तार की घोषणा की। यह दूरदर्शी परियोजना जेट्टा फार्म्स के चाय उद्योग में प्रवेश का प्रतीक है, जो 600 रुपए प्रति किलोग्राम से लेकर 5 लाख रुपए तक प्रति किलोग्राम की कीमतों के साथ चाय की एक उत्कृष्ट श्रृंखला पेश करती है। असम के हरे-भरे परिदृश्य में अपनी उपजाऊ मिट्टी और इष्टतम जलवायु के लिए प्रसिद्ध, नई चाय संपत्ति एक स्थायी चाय उत्पादन मॉडल बनाने के लिए जेट्टा फार्म्स द्वारा एक रणनीतिक कदम का प्रतिनिधित्व करती है। चाय उद्योग अर्थव्यवस्था में सबसे संगठित क्षेत्रों में से एक है और पानी के बाद देश में दूसरा सबसे अधिक खपत वाला पेय भी है। लोकप्रियता और उच्च मांग के बावजूद, इस क्षेत्र को घाटे का सामना करना पड़ा है, जिससे कृषि श्रमिकों को कम आय प्राप्त हुई है। इस क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता लाकर जेट्टा फार्म्स असम में अपनी प्रथाओं के माध्यम से बदलाव

लाने के लिए तैयार है और सभी फार्मों में उसी मॉडल को दोहराने की उम्मीद है। लक्ष्य कृषि उपज में सुधार के साथ-साथ कृषि श्रमिकों को बेहतर आजीविका और जीवन स्तर प्रदान करके उनका उत्थान और सशक्तिकरण करना है। कृषि व्यवसाय में व्यवहार्यता सुनिश्चित करने के लिए, हम शुरू से अंत तक सक्रिय रहे हैं। कृषि व्यवसाय में व्यवहार्यता सुनिश्चित करने के लिए, हम खेती से लेकर विपणन और ब्रांडिंग तक शुरू से अंत तक सक्रिय रहे हैं। हमारे साझेदार जयपुर चक्की और आरपीजे टी प्राइवेट लिमिटेड मार्केटिंग और रिटेल गतिविधियों में हैं। जयपुर चक्की का जयपुर और अहमदाबाद में ऑनलाइन और ऑफलाइन परिचालन है। कंपनी के फिलहाल इन शहरों में 10 स्टोर हैं। कंपनी की योजना 10 महानगरों और टियर-1 शहरों में 100+ स्टोर के साथ प्रवेश करने की है। आरपीजे टी प्राइवेट लिमिटेड चाय में विशेषज्ञता रखती है और इसके 6 विशेष आउटलेट हैं और इसने भारत में पावर टी ब्रांड लांच किया है। कंपनी ऑनलाइन चैनल के जरिए भी बिक्री करती है। जयपुर चक्की और आरपीजे दोनों भारत भर में बागानों की उपज बेचेंगे। जेट्टा फार्म्स के संस्थापक ऋतुराज शर्मा ने कहा की असम की चाय-समृद्ध विरासत और चाय उद्योग में आशाजनक विकास के बीच, जेट्टा फार्म्स की 1000 एकड़ की चाय संपत्ति एक उल्लेखनीय उद्यम है। असम में सालाना लगभग 700 मिलियन किलोग्राम चाय का उत्पादन होता है और भारत के चाय उत्पादन का लगभग आधा हिस्सा होता है, हम इस समृद्ध परिदृश्य का हिस्सा बनकर रोमांचित हैं। हमारा लक्ष्य अद्वितीय गुणवत्ता वाली चाय पेश करना है जो असम के समृद्ध स्वाद का सार है और संस्कृति, टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देते हुए जो प्रकृति और स्थानीय समुदायों दोनों को लाभ पहुंचाती है। हम लंबे समय तक इसे आत्मनिर्भर बनाने के लिए क्षेत्र के संचालन के तरीके को बदलने की दिशा में परिश्रमपूर्वक काम कर रहे हैं। एक बूटस्ट्रैप्ड कंपनी होने के बावजूद, जेट्टा फार्म्स ने विकास के लिए अपने स्वयं के मुनाफे का हिस्सा उठाया है और चाय बागान का अधिग्रहण किया है। यह महत्वाकांक्षी परियोजना जैविक विकास और आत्मनिर्भरता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो इसे दृढ़ता और रणनीतिक वित्तीय प्रबंधन की एक सच्ची सफलता की कहानी बनाती है। संपूर्ण चाय मूल्य श्रृंखला को लेते हुए, जेट्टा फार्म्स खेती और विकास से लेकर हर पहलू में सक्रिय रूप से शामिल होगा। बिक्री और विपणन जेट्टा फार्म्स का यह एंड-टू-एंड दृष्टिकोण उत्पादित चाय की गुणवत्ता पर पूर्ण नियंत्रण रखता है। असाधारण चाय उत्पादों को वितरित करने के अलावा, जेट्टा फार्म्स की चाय एस्टेट परियोजना का उद्देश्य रोजगार के अवसर पैदा करके और कौशल विकास को बढ़ावा देकर स्थानीय समुदायों का समर्थन करना भी है। कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी और सामुदायिक कल्याण के प्रति कंपनी का समर्पण चाय उद्योग में एक जिम्मेदार और प्रगतिशील खिलाड़ी के रूप में इसकी स्थिति को और मजबूत करता है।

कामरूप (मेट्रो) में सोमवार से शुरू होगा मिशन इंद्रधनुष 5.0

गुवाहाटी (हिंस)। मिशन इंद्रधनुष 5.0 कार्यक्रम सोमवार से कामरूप (मेट्रो) जिले में शुरू होगा। टीकाकरण से वंचित गर्भवती महिलाओं और 5 वर्ष तक के बच्चों को लक्ष्य कर सामूहिक टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। जिले में कुल 4958 लाभार्थियों को टीका लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इनमें से 874 गर्भवती महिलाएं, 2837 0-2 साल की उम्र के बच्चे और 1247 2-5 साल की उम्र के बच्चे को टीकाकरण लगाया जाएगा। इस कार्यक्रम के लिए जिले में कुल 351 टीकाकरण केंद्र बनाए गए हैं। यह टीकाकरण यू-विन ऐप के माध्यम से पंजीकृत किया जाएगा। अभियान में मुख्य रूप से नियमित टीकाकरण से छूटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ रूबेला टीकाकरण से छूटे बच्चों को शामिल किया जाएगा। अभियान 3 चरणों में चलाया जाएगा पहला चरण 7-12 अगस्त तक चलेगा दूसरा चरण 11-16 सितंबर तक चलेगा अंतिम चरण 9-14 अक्तूबर तक चलेगा। इस अभियान के सुचारु संचालन के लिए जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने सभी आवश्यक तैयारियां कर ली हैं। इस बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए बैनर और पोस्टर लगाए जा रहे हैं और माइक का इस्तेमाल किया जा रहा है तथा जगह-जगह जागरूकता बैठकें भी आयोजित किया जा रहा हैं।

तिताबर में लगी आग में 5 दुकानें जलकर राख

जोरहाट (हिंस)। जिले के तिताबर में लगी भीषण आग में पांच दुकानें जलकर राख हो गई। आज पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार यह आग तिताबर शहर के मध्य स्थित तिताबर रेलवे स्टेशन तिनाली पर शुक्रवार की रात लगी। आग लगने से दुकानों में रखा लाखों रुपए के सामान जलकर राख हो गए। पांच दुकानें पूरी तरह जल गईं। तिताबर, बरहोला और मोरियनी के दमकलकर्मियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर आग बुझाने की कोशिशें की। काफी मशक्कत के बाद आग पर आखिरकार काबू पा लिया गया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। तिताबर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने घटनास्थल पर पहुंचकर घटना का जायजा लिया। फायर ब्रिगेड की गाड़ी के देर से पहुंचने के कारण स्थानीय लोगों ने हंगामा खड़ा कर दिया। तिताबर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने घटनास्थल पर पहुंचकर घटना का जायजा लिया है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पूर्वोत्तर को मिलेगी कई पुनर्विकसित रेलवे स्टेशन

गुवाहाटी। रेलवे के बुनियादी ढांचे को नया स्वरूप देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 06 अगस्त, 2023 को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पूर्वोत्तर सीमा रेल के 56 स्टेशनों के पुनर्विकास कार्य का वर्चुअल रूप से शिलान्यास करेंगे। असम के माननीय राज्यपाल और असम के माननीय मुख्यमंत्री नारंगी स्टेशन पर अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। नागालैंड के माननीय राज्यपाल और त्रिपुरा के माननीय मुख्यमंत्री क्रमशः डिमापुर और उदयपुर स्टेशन पर उपस्थित रहेंगे। शिलान्यास समारोह के दौरान सांसद, स्थानीय विधायक और समाज की जानी-मानी हस्तियों के साथ-साथ राज्य के अन्य गणमान्य विभिन्न स्टेशनों पर मौजूद रहेंगे। पूर्वोत्तर सीमा रेल के 56 स्टेशनों में 32 स्टेशन असम के हैं। अन्य स्टेशनों में त्रिपुरा के 03 स्टेशन, पश्चिम बंगाल के 16 स्टेशन, बिहार के 03 स्टेशन और नागालैंड एवं मेघालय के एक-एक स्टेशन हैं। इन 56 स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए 1960 करोड़ रुपए का उपयोग किया जाएगा। कुछ प्रमुख स्टेशनों में असम के नारंगी, जागीरोड, डिब्रूगढ़, शिवसागर टाउन, त्रिपुरा के उदयपुर, धर्मनगर, कुमारघाट, पश्चिम बंगाल के न्यू अलीपुरद्वार, जलपाईगुड़ी रोड, हासीमारा, बिहार के किशनगंज, ठाकुरगंज, बारसोई जं., नागालैंड का डिमापुर और मेघालय का मेंदीपथार शामिल हैं। भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए हाल ही में अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की गई है। यह योजना दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ निरंतर रूप से स्टेशनों के विकास की परिकल्पना करती है। इस योजना के अधीन यह विकास, रेल उपयोगकर्ताओं के लिए बेहतर और उन्नत सुविधाओं के साथ पूर्वोत्तर में रेल बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण की प्रतिबद्धता को उजागर करेगा।

ढांढणवाली दादीजी का बसंतोत्सव 2024 डिब्रूगढ़ में

डिब्रूगढ़ (हिंस)। श्री ढांढणवाली दादीजी का अखिल भारतीय स्तर पर बसंतोत्सव गुवाहाटी में वर्ष 2010 के बाद अब दो दिवसीय कार्यक्रम के विराट आयोजन में डिब्रूगढ़ में आयोजित होने की हरी झंडी दे दी गई। आगामी वर्ष 2024 में जनवरी महीने में बसंतोत्सव 26 व 27 जनवरी को मनाया जाएगा। भारतवर्ष के लगभग सभी प्रांतों में कुल 23 बसंतोत्सव का आयोजन प्रतिवर्ष सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। 23 वें कार्यक्रम के पश्चात 24 वां डिब्रूगढ़ में अपनी तैयारी में जुटा है। डिब्रूगढ़ से 25 वां विशाल बसंतोत्सव यानी रजत वर्ष सीधे ढांढणवाली के धाम ढांढण में मनाया जाएगा। यह निर्णय दादीजी की राष्ट्रीय कमिटि के अंतर्गत लिया जा चुका है। इससे पहले 24 वां बसंतोत्सव एक अभूतपूर्व रूप में निखारने में डिब्रूगढ़ मेजबानी करेगा। आयोजन को भव्यता का रूप देने एवं अनुशासनपूर्वक सफल बंनाने में राष्ट्रीय स्तर से प्रांतीय स्तर तक के कोने कोने से भक्तों, सदस्यों शुभचिंतकों आदि का संपर्क व्यापक किया जा रहा है। इसकी तैयारी में निम्न स्तर के कार्यकर्ता से उच्च स्तर के कार्यकर्ता एक समान डटे व जुटे है। विराट आयोजन के काम की कमान संभाल लिए है। यहाँ से दादीजी का ध्वज ढांढणवाली के धाम प्रस्थान हो जाएगा। ज्ञात हो कि भारतवर्ष के असम प्रांत के अंर्तगत विख्यात चाय नगरी डिब्रूगढ़ में बसंतोत्सव के आयोजन की अग्रिम समीक्षा भी की गई एवं आम सभा में कार्यक्रम की विस्तृत चर्चा को शक्तिशाली रूप दिया। जनवरी 26 व 27 वर्ष 2024 के दो दिवसीय आयोजन में एक विराट कलश यात्रा दादीजी का सामूहिक मंगलपाठ आमंत्रित कलाकार द्वारा भजनों का कार्यकम आदि सम्पन्न होगा। श्री अग्रसेन मिलन मंदिर में सभा हुई। इसमें कोलकाता से संजय बजाज, मुकेश बजाज, कालीचरण बजाज, कमल बजाज, प्रमोद बजाज, ईटानगर से कमल बजाज, सहित गुवाहाटी शिवसागर तिनसुकिया, सिलापथार आदि जगहों से सदयस्यवृन्द पधारे। डिब्रूगढ़ के कामख्या भरतिया विश्वनाथ बजाज तिनसुकिया के मनोज बजाज ने इस आयोजन की सफलता में सभी को जुड़ने की अपील की। इस आयोजन के सचिव आशीष भरतिया ने अतिथियों का परिचय कराया। सभी अतिथियों का फुलाम गामोछा से स्वागत किया गया। दादीजी की तस्वीर दीप प्रज्ज्वलित करके उद्देश्य व्याख्या संजय बजाज ने की। गणेश वंदना व दादीजी के भक्तिमय गीत से सभा खुलकर बातचीत की गई।

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के प्रयोग से पुस्तकालयों का स्वरूप बदल रहा है : राष्ट्रपति

अजय त्यागी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को कहा कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के प्रयोग से पुस्तकालयों का स्वरूप बदल रहा है। वे और अधिक सुलभ होते जा रहे हैं। राष्ट्रपति शनिवार को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में ह्लपुस्तकालय महोत्सव 2023ह्व का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रही थीं। यह दो दिवसीय महोत्सव पुस्तकालयों के विकास और डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने और पढ़ने की संस्कृति को विकसित करने के उद्देश्य से संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जा रहा है। पुस्तकालय महोत्सव को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि पुस्तकालयों का विकास समाज और संस्कृति के विकास से संबंधित है। यह सभ्यताओं की प्रगति का पैमाना भी है। उन्होंने कहा कि इतिहास ऐसे संदर्भों से भरा पड़ा है जिसमें आक्रमणकारियों ने पुस्तकालयों को

नष्ट करना आवश्यक समझा। इससे पता चलता है कि पुस्तकालयों को किसी देश या समाज की सामूहिक चेतना और बुद्धि का प्रतीक माना गया है। उन्होंने बताया कि आधुनिक युग में ऐसी घटनाएं नहीं होती हैं लेकिन दुर्लभ पांडुलिपियों और पुस्तकों के गायब होने की घटनाएं होती हैं। उन्होंने कहा कि दुर्लभ पुस्तकों और पांडुलिपियों को वापस लाने का प्रयास किया जा सकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि पुस्तकालय सभ्यताओं के बीच सेतु का काम करते हैं। प्राचीन और मध्यकाल में कई देशों के लोग भारत से पुस्तकें ले जाते थे, उनका अनुवाद करते थे और ज्ञान प्राप्त करते थे। ऐसे प्रयासों के केंद्र में यह विचार है कि किताबें और पुस्तकालय मानवता की साझी विरासत हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि एक छोटी सी किताब विश्व इतिहास की दिशा बदलने की क्षमता रखती है। उन्होंने महात्मा गांधी की आत्मकथा का जिक्र किया, जहां उन्होंने जॉन रस्किन की किताब 'अनटू दिस लास्ट' के उनके जीवन पर बड़े सकारात्मक प्रभाव का जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि किताबों में धरती की सुगंध और आकाश की विशालता समाहित होती है। राष्ट्रपति ने कहा कि पांडुलिपियों के संरक्षण और पुस्तकालयों के आधुनिकीकरण और डिजिटलीकरण के प्रयास बहुत महत्वपूर्ण हैं। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के प्रयोग से पुस्तकालयों का स्वरूप बदल रहा है। पहुंच आसान हो गई है। उन्होंने कहा कि 'वन नेशन, वन डिजिटल लाइब्रेरी' के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत की राष्ट्रीय वर्चुअल लाइब्रेरी विकसित की जा रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन की सफलता से पुस्तकालयों से जुड़ने और किताबें पढ़ने की संस्कृति मजबूत होगी। राष्ट्रपति ने कहा कि पुस्तकालयों को सामाजिक संपर्क, अध्ययन और चिंतन का केंद्र बनना चाहिए। उन्होंने पुस्तकालयों के विकास के राष्ट्रीय अभियान को आगे बढ़ाने के लिए संस्कृति मंत्रालय की सराहना की।

अब बिना लाइसेंस लैपटॉप, टैबलेट और कम्प्यूटर का आयात 31 अक्टूबर तक

-डीजीएफटी ने आयात के लिए लाइसेंस अनिवार्य करने की तिथि 31 अक्टूबर तक बढ़ाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्र सरकार ने लैपटॉप, टैबलेट, पर्सनल कम्प्यूटर और सर्वर के आयात के लिए लाइसेंस अनिवार्य करने अंतिम तारीख 31 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की ओर से देर रात अधिसूचना जारी कर ये जानकारी दी गई है। विदेश व्यापार महानिदेशालय की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक आयात प्रतिबंधों पर तीन अगस्त की अधिसूचना एक नवंबर, 2023 से प्रभावी होगी। डीजीएफटी की अधिसूचना के अनुसार प्रतिबंधित कंसाइनमेंट को 31 अक्टूबर तक लाइसेंस के बिना आयात की मंजूरी दी जा सकती है लेकिन एक नवंबर 2023 से ऐसे सभी प्रोडक्ट को आयात करने के लिए वैध लाइसेंस

की जरूरत होगी। दरअसल, इससे जुड़े उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने सरकारी अधिकारियों से मुलाकात कर स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए क्षमता बढ़ाने का आश्वासन दिया था, जिसके बाद यह स्पष्टीकरण जारी किया गया है। इसके लिए डीजीएफटी की ओर से एक पोर्टल तैयार किया गया है, जिसके तहत इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के आयात के लिए लाइसेंस कुछ ही घंटों में दिया जा रहा है। इससे पहले डीजीएफटी ने गुरुवार को एक अधिसूचना जारी कर लैपटॉप, टैबलेट, पर्सनल कम्प्यूटर और सर्वर के आयात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी थी। वहीं, केंद्र सरकार ने शुक्रवार को स्पष्ट किया था कि टैबलेट और लैपटॉप जैसे उपकरणों के आयात पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है, इन्हें कंपनियों या व्यापारियों द्वारा वैध लाइसेंस प्राप्त करने के बाद आयात किया जा सकता है।

रोहिणी आयोग की रिपोर्ट आंखें खोलने वाली, आर्थिक आधार पर मिले आरक्षण : शान्ता कुमार

पामपुर, (हि.स.)। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता शान्ता कुमार ने कहा है कि देश में एक तरफ जातिगत आरक्षण की मांग की जा रही है, बिहार में फिर से जातिगत जनगणना शुरू हुई है। अन्य प्रदेशों में भी विपक्ष के बहुत से दल जाति आधारित आरक्षण की मांग कर रहे हैं। दूसरी तरफ केंद्र सरकार द्वारा स्थापित रोहिणी आयोग की रिपोर्ट आंखे खोलने वाली है। मुझे हैरानी है कि इस रिपोर्ट की ओर मीडिया का ध्यान क्यों नहीं गया। शांता कुमार ने शनिवार को एक बयान में कहा कि ओबीसी जातियों को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जाता है। कुल जातियों की संख्या 2630 है। आयोग की रिपोर्ट में कहा है कि इनमें से एक हजार जातियां ऐसी हैं जिनको पिछले 30 सालों में एक बार भी आरक्षण का लाभ नहीं मिला। आरक्षण का 50 प्रतिशत लाभ केवल 48 जातियों को मिला। कुल आरक्षण के 70 प्रतिशत का लाभ केवल 450 जातियों को मिला। शान्ता कुमार ने कहा कि ये आंकड़े पूरे आरक्षण की कलई खोलते हैं। यही कारण है कि वर्षों से आरक्षण की सुविधा है। इसके बाद भी ग्लोबल

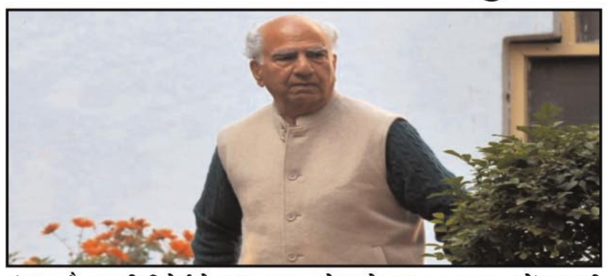

हंगर इन्डैक्स की रिपोर्ट के अनुसार 19 करोड़ लोग आज भी देश में भूखे पेट सोते हैं। उन्होंने कहा कि ओबीसी की 2630 जातियों में से एक हजार जातियों को 30 साल में भी एक बार भी आरक्षण नहीं मिला, क्या इन एक हजार जातियों में कोई भी गरीब नहीं था। इतनी जातियों में से केवल 48 जातियों ने आरक्षण का 50 प्रतिशत लाभ उटाया। इसका सीधा सा मतलब यह है कि ओबीसी में अंगड़ों ने आरक्षण का लाभ उठाया और बहुत से पिछड़े, पिछड़े ही रह गये। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि ग्लोबल हंगर इन्डेक्स की रिपोर्ट के अनुसार जो 19 करोड़ लोग आज भी भूखे पेट सोते हैं उनमें 60 प्रतिशत लोग आरक्षित जातियों के हैं। यदि प्रारम्भ में केवल आर्थिक आधार पर आरक्षण दिया होता तो आज तक भारत में एक भी गरीब नहीं होता। 1977 में आर्थिक आधार पर हिमाचल और राजस्थान में अन्त्योदय योजना चलाई गई। हिमाचल में सबसे गरीब एक लाख लोगों में से दो वर्षों में 40 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से ऊपर हो गये थे। यदि वो योजना पूरे देश के लिए चलाई जाती तो आज देश में कोई गरीब नहीं होता। देश का दुर्भाग्य यह है कि राजनीतिक दल केवल और केवल वोट की राजनीति कर रहे हैं इसलिए बहुत कम गरीबों को लाभ हुआ और आजादी के 90 साल के बाद भी करोड़ों लोग भुखमरी का शिकार हैं। आवश्यकता इस बात की है कि वर्तमान में सारे आक्षरण को समाप्त करके केवल आर्थिक आधार पर आरक्षण दिया जाए।

प्रधानमंत्री ने विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाली भारतीय महिला तीरंदाजी टीम को दी बधाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय महिला तीरंदाजी टीम को बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, भारत के लिए यह गर्व का क्षण है क्योंकि हमारी असाधारण कंपाउंड महिला टीम ने बर्लिन में आयोजित विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। हमारे चैंपियंस को बधाई! उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के कारण यह उत्कृष्ट परिणाम आया है। बता दें कि ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और अदिति गोपीचंद स्वामी की भारतीय महिला कंपाउंड

टीम ने शुक्रवार को जर्मनी के बर्लिन में विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप 2023 के फाइनल में मैक्सिकन टीम डैफने क्विंटेरो, एना सोफिया हर्नांडेज जियोन और एंड्रिया बेसेरा को 235-229 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। यह किसी भी वर्ग में तीरंदाजी विश्व चैंपियनशिप में भारत का पहला स्वर्ण था।

रांची जा रही इंडिगो की फ्लाइट की दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली से रांची जा रही इंडिगो एयरलाइन की फ्लाइट की दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। फ्लाइट संख्या 6ई 2172 में तकनीकी खराबी की वजह से इमरजेंसी लैंडिंग कराने का फैसला किया गया। सभी यात्री सुरक्षित हैं। सूत्रों ने शनिवार को बताया कि दिल्ली से रांची जा रही इंडिगो की फ्लाइट (6ए 2172) के इंजन में खराबी आने से इसकी इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। दिल्ली से रांची के लिए फ्लाइट ने सुबह 7.20 मिनट पर उड़ान भरी थी, लेकिन उड़ान भरने के बाद उसके अंदर तेज कंपन महसूस किया जाने लगा। पायलट ने विमान में तकनीकी

खराबी की जानकारी दी, जिसके बाद इसे वापस दिल्ली ही लाने का निर्देश दिया गया। इंडिगो एयरलाइन के इस विमान में सवार सभी 180 यात्री सुरक्षित हैं। सभी यात्रियों को लाने के लिए दूसरे विमान की व्यवस्था की गई है। फिलहाल इस बात की जांच की जा रही है कि फ्लाइट में ये दिक्कत कैसे आई। गौरतलब है कि इंडिगो एयरलाइन की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग का लगातार ये दूसरा मामला है। एक दिन पहले पटना से दिल्ली आ रही एक फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई थी।

कपिल मिश्रा को दिल्ली प्रदेश भाजपा का उपाध्यक्ष बनाया गया

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई ने कपिल मिश्रा को प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। इस संबंध में शनिवार को दिल्ली प्रदेश महामंत्री हर्ष मल्होत्रा ने एक पत्र जारी कर कहा कि दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कपिल मिश्रा को दिल्ली का "प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। उल्लेखनीय है कि कपिल मिश्रा दिल्ली में आम आदमी

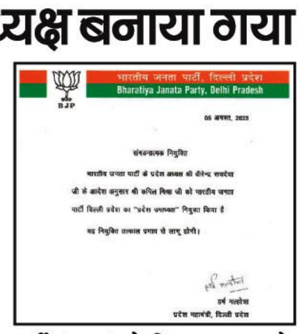
भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh
BJP
05 अगस्त, 2023
संगठनात्मक नियुक्ति
भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र सचदेवा जी के आदेश अनुसार श्री कपिल मिश्रा जी को भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश का "प्रदेश उपाध्यक्ष" नियुक्त किया है
यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी।
हर्ष मल्होत्रा
प्रदेश महामंत्री, दिल्ली प्रदेश

पार्टी (आप) से विधायक रह चुके हैं। वह आप छोड़ भाजपा में शामिल हुए थे और लंबे समय से भाजपा का मजबूती से पक्ष रखते रहे हैं।

राहुल गांधी की संसद सदस्यता जल्द बहाल की जाए : अधीर रंजन चौधरी

नई दिल्ली, (हि.स.)। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि राहुल गांधी की संसद सदस्यता जिस तेजी से रद्द की गई थी, उसी तेजी से बहाल भी की जानी चाहिए। चौधरी ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उन्होंने इस संबंध में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से बातचीत कर स्थिति से अवगत कराया है। चौधरी ने कहा कि उनकी ओर से संबंधित कागजात भी लोकसभा कार्यालय को भेजे जा चुके हैं। वह लोकसभा अध्यक्ष से अनुरोध करते हैं कि वे यह सुनिश्चित करें कि राहुल गांधी जल्द लोकसभा पहुंचें। उल्लेखनीय है कि मोदी सरनेम वाले मानहानि मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी की सजा पर रोक लगा

दी है। जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा है कि सूरत की निचली अदालत ने अधिकतम सजा देकर गलती की है। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश का मतलब ये है कि राहुल गांधी की संसद सदस्यता दोबारा बहाल होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस केस में अधिकतम सजा (2 साल) होने के चलते राहुल गांधी की सदस्यता गई परन्तु निचली अदालत के जज ने फैसले में ये साफ नहीं किया कि अधिकतम सजा तय करने की वजह क्या है?

सिख विरोधी दंगा केस में जगदीश टाइटलर ने भरा बेल बांड, 11 को होगी सुनवाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। वर्ष 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में कांग्रेस के पूर्व नेता जगदीश टाइटलर आज दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए और अपना बेल बांड भरा। एडिशनल चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट विधि गुप्ता आनंद ने टाइटलर के खिलाफ दाखिल पूरक चार्जशीट पर 11 अगस्त को सुनवाई करने का आदेश दिया। आज एक तरफ जहां जगदीश टाइटलर कोर्ट में पेश हो रहे थे, वहीं कोर्ट के बाहर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने जगदीश टाइटलर को अग्रिम जमानत देने के कोर्ट के आदेश पर विरोध जताते हुए प्रदर्शन किया। इसके पहले 4 अगस्त को राऊज एवेन्यू कोर्ट के सेशंस कोर्ट ने जगदीश टाइटलर को अग्रिम जमानत दी थी। स्पेशल जज विकास ढल ने एक लाख रुपये के निजी

मुचलके पर अग्रिम जमानत देने का आदेश दिया था। सुनवाई के दौरान सीबीआई ने टाइटलर की अग्रिम जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि प्रथम दृष्टया इन दंगों में टाइटलर की भूमिका सामने आई है। उल्लेखनीय है कि 26 जुलाई को एडिशनल चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट विधि गुप्ता आनंद ने टाइटलर के खिलाफ दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। कोर्ट ने टाइटलर को आज कोर्ट में पेश होने के लिए समन जारी किया था। सीबीआई ने इस मामले में टाइटलर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 109 और 302 के तहत लगाया है। सीबीआई के मुताबिक टाइटलर ने भीड़ को उकसाया था। जिसके बाद भीड़ ने पुलबंगश के गुरुद्वारे में आग लगा दी थी।

आतंकवादियों को ढूंढ़ निकालने के लिए ड्रोन का किया जा रहा इस्तेमाल

कुलगाम, (हि.स.)। कुलगाम के हलान पहाड़ी व वन क्षेत्र में छिपे तीन से चार आतंकवादियों को ढूंढ़ निकालने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। क्षेत्र में शुक्रवार देर रात मुठभेड़ के दौरान भारतीय सेना के तीन जवान वीरगति को प्राप्त हुए थे। इलाके में चल रही मुठभेड़ में भारतीय सेना के पैरा स्पेशल फोर्स को भी जारी अभियान के लिए भेजे जाने की जानकारी है। साथ ही इलाके में छिपे आतंकियों का पता लगाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। हलान के इस पहाड़ी व वन क्षेत्र

में सुरक्षा बल गहन तलाशी अभियान चला रहे हैं। उल्लेखनीय है कि सुरक्षा बलों को तीन से चार आतंकवादियों के एक समूह की मौजूदगी के बारे में इनपुट मिलने के बाद इस इलाके में संयुक्त अभियान शुरू किया था।

महबूबा मुफ्ती और पीडीपी के अन्य नेता नजरबंद

श्रीनगर, (हि.स.)। अनुच्छेद 370 निरस्त होने की वर्षगांठ पर कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती और पीडीपी के अन्य नेताओं को नजरबंद कर दिया है। पीडीपी ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने की वर्षगांठ के विरोध में शांतिपूर्ण कार्यक्रम को लेकर अनुमति मांगी थी लेकिन जिला प्रशासन ने कार्यक्रम की अनुमति न देते हुए एहतियातन पीडीपी नेताओं को नजरबंद कर दिया है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने को शनिवार को पूरे चार साल बीत गए हैं। पीडीपी ने 5 अगस्त को पीडीपी मुख्यालय श्रीनगर के सामने शेर-ए-कश्मीर पार्क में एक शांतिपूर्ण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए जिला मजिस्ट्रेट (डीसी) श्रीनगर से उचित अनुमति मांगी थी,

लेकिन प्रशासन ने अनुमति देने से इनकार कर दिया। प्रशासन ने श्रीनगर में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) का मुख्यालय भी सील कर दिया है और किसी भी कर्मचारी को कार्यालय में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी गई है। इसी बीच पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने भी शनिवार को ट्वीट कर कहा कि अनुच्छेद 370 निरस्त होने की चौथी वर्षगांठ पर उन्हें और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं को नजरबंद कर दिया गया है।

जी-20 शिखर सम्मेलन को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने कसी कमर

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन के आयोजन की तारीख जैसे-जैसे करीब आ रही है, दिल्ली पुलिस की तैयारियों में भी तेजी आ रही है। इस पूरे आयोजन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी दिल्ली पुलिस के कंधों पर है। इसके लिए दिल्ली पुलिस कर्मचारियों को रूटीन प्रशिक्षण के अलावा सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग भी दी जा रही है और दिल्ली पुलिस मुख्यालय में अलग-अलग बैच बनाकर पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रशिक्षण में इन बातों का भी ध्यान रखा जा रहा है कि विभिन्न देशों से आने वाले मेहमानों की सुरक्षा के साथ, उन्हें किसी अन्य तरह की परेशानी से भी बचाया जा सके। वहीं दिल्ली पुलिस की 20 महिला कमांडो को विशेष ट्रेनिंग भी दी गई है, जो महिला अतिथियों की सुरक्षा व सुविधा का ध्यान रखेंगी। इसके साथ ही कार्यक्रम स्थल के आसपास दिल्ली पुलिस सुरक्षा का कड़ा पहरा रहेगा।

इसके लिए दिल्ली पुलिस के जवानों को ड्रोन उड़ाने और उसके जरिए पूरे क्षेत्र की निगरानी करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ ही पुलिसकर्मियों को यह भी सिखाया जा रहा है कि यदि कोई ड्रोन या यूएवी आसमान में उड़ता दिखे तो उसे एंट्री ड्रोन सिस्टम का इस्तेमाल करते हुए किस तरह से मार गिराया जा सकता है। इतना ही नहीं, किसी भी तरह के ड्रोन या यूएवी को मार गिराने से पहले उसे चेतावनी देने की प्रक्रिया के बारे में भी पुलिसकर्मियों को बताया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि स्वतंत्रता दिवस व सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों को देखते हुए दिल्ली में 22 जुलाई से लेकर 16 अगस्त तक किसी भी तरह के ड्रोन, यूएवी, पैराग्लाइडर्स और हैंग ग्लाइडर आदि उड़ाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। संभावना है कि इस प्रतिबंध को जी-20 के कार्यक्रमों के संपन्न हो जाने तक आगे बढ़ाया जा सकता है। वहीं जी-20 शिखर सम्मेलन की सुरक्षा की तैयारी में दिल्ली पुलिस, केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है। सम्मेलन में दुनिया के अर्थव्यवस्था के मुद्दों पर काम करने वाले 19 देश और यूरोपीय संघ शामिल होंगे।

जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में 5.2 तीव्रता का भूकंप

गुलमर्ग, (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में शनिवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.2 मापी गई। किसी प्रकार के नुकसान की अब तक कोई खबर नहीं है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक कश्मीर घाटी के गुलमर्ग में सुबह करीब 8.36 बजे 5.2 तीव्रता का भूकंप आया। इसकी गहराई जमीन से 129 किमी नीचे दर्ज की गई। इसका केंद्र क्रमशः अक्षांश

35.46 और देशांतर 73.32 पर पाया गया। भूकंप के झटके महसूस होते ही ज्यादातर लोग अपने घरों, दुकानों तथा अन्य इमारतों से बाहर निकल आए और बहुत देर तक बाहर ही रहे।

उत्तराखंड में बरसात का कहर जारी, 09 अगस्त तक के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी

देहरादून, (हि.स.)। उत्तराखंड में लगातार हो रही बरसात से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन और पहाड़ चटकने से लोगों पर मुसीबत का पहाड़ टूट रहा है। गौरीकुंड में खोजबीन के लिए रेस्क्यू कार्य जारी है। राज्य में आने दिनों में भी बारिश से राहत नहीं मिलने वाली है। मौसम खराब होने के चलते मुख्यमंत्री का हेली गौरीकुंड के उड़ नहीं सका। अभी प्रदेश में 03 बॉर्डर मार्ग सहित लगभग 214 सड़कें बाधित हैं,जिन्हें खोलने का कार्य जारी है। प्रदेश भर में 09 अगस्त तक के लिए गरज चमक के साथ भारी से बहुत भारी बारिश को लेकर ऑरेंज और येलो अलर्ट की चेतावनी जारी की गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आज दोपहर गौरीकुंड जाने का कार्यक्रम रुद्रप्रयाग में मौसम खराब होने के चलते स्थगित हो गया है। मुख्यमंत्री का गौरीकुंड में हुए भूस्खलन का स्थलीय निरीक्षण करने का कार्यक्रम था। गौरीकुंड भूस्खलन में अब तक तीन लोगों की मौत हुई है जबकि 17 लोग लापता हैं और तीन दुकानें पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हुई हैं। लापता लोगों के खोजबीन के लिए शनिवार सुबह से एसडीआरएफ, एनडीआरएफ सहित अन्य बचाव दल की ओर से सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। गौरीकुंड-केदारनाथ मार्ग यातायात के लिए सुचारु हो गया है। शनिवार सुबह देहरादून सहित अन्य स्थानों पर सूर्यदेव कुछ क्षण के निकले, लेकिन फिर बादलों के ओट में फिर छिप गये। देहरादून में दोपहर 12 बजे

के करीब शुरू हुई मध्यम से तेज गति की बारिश का क्रम रुक-रुक कर जारी है। राज्य के अधिकतर स्थानों पर बारिश हो रही है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार राज्य भर में आज के लिए कहीं-कहीं गरज चमक के साथ भारी से भारी से बहुत भारी बारिश के दौर को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। देहरादून, पौड़ी गढ़वाल चंपावत, नैनीताल, उधम सिंह नगर सहित पांच जनपदों में 06 अगस्त के लिए ऑरेंज और 07 अगस्त के चंपावत, नैनीताल, उधम सिंह नगर और 08 अगस्त के लिए अल्मोड़ा, चंपावत, नैनीताल, उधम सिंह नगर व 09 अगस्त के लिए टिहरी गढ़वाल, देहरादून, पौड़ी गढ़वाल, बागेश्वर जनपदों के लिए ऑरेंज अलर्ट है। इसके अलावा शेष जनपदों के 09 अगस्त के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान गरज चमक के साथ भारी से बहुत भारी बारिश के तीव्र से अति तीव्र दौर की संभावना है। बारिश से संवेदनशील इलाकों में कहीं-कहीं हल्के से मध्यम भूस्खलन और चट्टान गिरने के कारण सड़कों और राजमार्गों में कटाव से अवरोध होने और निचले इलाकों में जल भराव की स्थिति बन सकती है। प्रदेश में लगातार हो रही बारिश से पहाड़ों में सड़कों के अवरुद्ध होने का सिलसिला जारी है। पिथौरागढ़ जिले में 03 बॉर्डर मार्ग, 11 राज्य मार्ग सहित कुल 214 अन्य सड़कें बाधित हैं। रुद्रप्रयाग जिले में 03 राज्य मार्ग सहित कुल 27 सड़कें अवरुद्ध हैं। देहरादून जिले में हरिपुर इच्छाडी क्वानू मिनस मोटर मार्ग किमी. 31 इच्छाड़ी गांव और किमी 33 पाथुवा गांव किमी 67,68 पाटन गांव के निकट में अवरुद्ध हैं। लोकनिर्माण विभाग के मुताबिक दो दिनों में 310 से ज्यादा सड़कें बंद हुई हैं। इनमें से 237 सड़कों को खोल दिया गया है। विभाग की ओर से बंद मार्गों को खोलने के लिए 217 जेसीबी मशीनें लगाई गई हैं। आज 73 सड़कों को खोला गया है।

राहुल गांधी पर दिये गये कोर्ट के फैसले पर नहीं होनी चाहिए राजनीति : अनुप्रिया पटेल

कानपुर, (हि.स.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संसद सदस्यता बहाल करने को लेकर अपना दल (एस) अध्यक्ष व केन्द्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल का कहना है कि यह कोर्ट का फैसला है। कोर्ट के फैसले को सभी को सम्मान करना चाहिये। इस पर चर्चा करना राजनीति की मयार्दा के अनुरुप नहीं है। लोकसभा चुनाव से पहले सभी राजनीतिक दल तैयारियों में जुटे हुए हैं और इसी क्रम में अपना दल (एस) ने शनिवार को कानपुर के एक होटल में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया। जिसमें पार्टी अध्यक्ष व केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल अपने पति व उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल के साथ पहुंची। संसद गतिरोध के सवाल पर उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा साफ है और हर विषय पर सदन में चर्चा करना चाहती है लेकिन विपक्ष की मंशा साफ नहीं है। इसीलिए विपक्ष चर्चा की बजाय विषयों पर राजनीति कर रहा है, लेकिन विपक्ष को लोकसभा चुनाव में जनता जरुर जवाब देगी। आशीष पटेल ने कहा कि विपक्ष का जो दोहरा चेहरा है वह जनता के सामने आ चुका है। राहुल गांधी के फैसले पर कहा कि न्यायालय ने ही राहुल को सजा दी थी और न्यायालय ने ही रोक लगाई है, हम सब न्यायिक प्रक्रिया के साथ ही खड़े हैं। पार्टी का दायरा पार्टी अपने दायरे को बढ़ाना चाहती है और अपना दल एस भी उसी में है। कानपुर परिक्षेत्र में पार्टी की विचारधारा वाले बहुत से लोग हैं, जिसमें और बढ़ोत्तरी की जरुरत है इसको लेकर आज कार्यकर्ता सम्मेलन किया जा रहा है। रही बात लोकसभा चुनाव की तो जो गठबंधन के तहत हिस्सेदारी मिलेगी उसी पर पार्टी अपने उम्मीदवार उतारेगी।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाना ऐतिहासिक फैसला, देश-प्रदेश वासियों को बधाई : योगी

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 और धारा 35अ के हटाए जाने के चार वर्ष पूर्ण होने पर देश व प्रदेश वासियों को शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में लिया गया यह फैसला ऐतिहासिक है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से ट्वीट कर कहा कि जम्मू-कश्मीर में दशकों तक अलगाववाद, आतंकवाद, परिवारवाद एवं कुशासन के जनक व पोषक तथा हमारी राष्ट्रीय एकता व अखंडता पर कलंक रहे अनुच्छेद 370 और 35-ए की समाप्ति के 04 वर्ष पूर्ण होने की सभी को बधाई! प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हुए इस ऐतिहासिक कार्य से जहां 'एक देश-एक निशान-एक विधान' का संकल्प पूर्ण हुआ, वहीं 'सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास' भाव के साथ जुड़कर आज जम्मू-कश्मीर और लद्दाख क्षेत्र विकास की नई ऊंचाइयों को स्पर्श कर रहे हैं। आज ये क्षेत्र 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को और अधिक सशक्त व नए आयाम प्रदान कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ट्वीट कर कहा कि आज ही के दिन 05 अगस्त 2019 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 और धारा 35ए को निरस्तकर एक देश, एक निशान, एक विधान के संकल्प को पूरा किया था। जम्मू कश्मीर को मुख्यधारा से जोड़ने के इस ऐतिहासिक व विकासपरक निर्णय के 04 वर्ष पूर्ण होने की हार्दिक शुभकामनाएं। पिछले चार वर्षों में जम्मू-कश्मीर आतंकवाद, अलगाववाद, भ्रष्टाचार व परिवारवाद से मुक्त होकर विकास के पथ पर तीव्र गति से गतिमान है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने शनिवार को अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से ट्वीट कर कहा कि 05 अगस्त 2019 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 और धारा 35ए को निरस्त किया था। जम्मू कश्मीर को मुख्यधारा से जोड़ने के इस ऐतिहासिक व विकासपरक निर्णय के 04 वर्ष पूर्ण होने की हार्दिक शुभकामनाएं।

कार्यकर्ता के मनोबल तथा निष्ठा से विजयी होती है भाजपा : धर्मपाल सिंह

बिजनौर, (हि.सं.)। आज भारतीय जनता पार्टी के बिजनौर स्थित कार्यालय पर आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव में सफलता हेतु क्लस्टर के अंतर्गत आने वाली तीनों लोकसभाओं (सहारनपुर, बिजनौर व नगीना) की एक संयुक्त बैठक का आयोजन जिला अध्यक्ष सुभाष बाल्मीकि की अध्यक्षता और क्लस्टर प्रभारी विजय शिवहरे के संचालन में किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि धर्मपाल सिंह ने आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत बैठक संबोधित कर सफलता हेतु उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश देकर रणनीति तैयार की। साथ ही लोकसभा चुनाव की तैयारी हेतु भारतीय जनता पार्टी द्वारा किए गए केंद्र और प्रदेश सरकार के कामों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निर्देशित किया। साथ ही कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ होते हैं और कार्यकताओं के मनोबल, निष्ठा पूर्ण भाव से ही भाजपा प्रत्येक चुनाव जीतती है। मिशन 2024 को पूरा करने में हर कार्यकर्ता का अहम योगदान रहेगा।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में प्रत्येक सीट पर भाजपा पुनः जीतकर इतिहास रचेगी इसलिए कार्यकताओं को एकजुट होकर प्रत्येक बूथ पर जाकर उसे मजबूत करना चाहिए। उन्होंने पन्ना प्रमुख बनाने पर भी जोर दिया। बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद नरेश बंसल क्लस्टर प्रभारी विजय शिवहरे (प्रदेश मंत्री व एमएलसी) लोकसभा संयोजक मंत्री डॉ चंद्र मोहन प्रदेश मंत्री श्रीमती अर्चना सिंह क्षेत्रीय महामंत्री और जिला प्रभारी हरिओम शर्मा लोकसभा प्रभारी गोपाल अंजान, महेंद्र धनौरिया, लोकसभा प्रभारी अरुण वशिष्ठ, सुमन त्यागी तथा सहारनपुर बिजनौर एवं नगीना लोकसभा के लोकसभा संयोजक प्रभारी समस्त विधानसभाओं के संयोजक व प्रभारी गण समस्त विस्तारक गण आदि उपस्थित रहे।

सक्रियता के साथ जनसरोकार से जुड़ने की जरूरत : ओमप्रकाश

गोरखपुर, (हि.स.)। भाजपा के विभाग और प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय पदाधिकारियों की शनिवार को यहां क्षेत्रीय कार्यालय पर बैठक संपन्न हुई। बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाने का संकल्प लिया गया। लोकसभा चुनाव की दृष्टि से महत्वपूर्ण इस बैठक में विभाग और प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रभारी ओमप्रकाश श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में पदाधिकारियों से पार्टी की गतिविधियों में सक्रियता के साथ जनसरोकार से जुड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन में 22 विभाग और 22 प्रकोष्ठ हैं। विभाग, प्रकोष्ठ के प्रदेश, क्षेत्र और जिले स्तर पर पदाधिकारी हैं। सभी पदाधिकारी पार्टी के वरिष्ठ और अनुभवी कार्यकर्ता हैं, जो संगठन की बड़ी ताकत हैं। इस ताकत को 2024 के लोकसभा चुनाव में दिखाने की जरूरत है। बैठक की अध्यक्षता भाजपा गोरखपुर क्षेत्र के अध्यक्ष सहजानंद राय ने की। राय ने कहा कि विभाग और प्रकोष्ठ के पदाधिकारी मिशन 2024 के लिए कमर कस कर लग जाएं। पार्टी नेतृत्व का संकल्प प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों को जिताने की है। ऐसे में विभाग और प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों को गोरखपुर क्षेत्र के सभी लोकसभा सीटों को जिताने के लिए मनोयोग से कार्य करना चाहिए। संचालन क्षेत्रीय महामंत्री सुनील गुप्ता ने किया। इस अवसर पर डॉ. अभय मणि त्रिपाठी, रमेश सिंह, राधेश्याम श्रीवास्तव, डॉ वीणा गुप्ता, विधायक डॉ असीम राय, डॉ. धर्मेंद्र सिंह, श्रवण कुमार पांडेय, डॉ. पंकज सिंह, डॉ. बच्चा पांडेय नवीन, जितेंद्र प्रताप राव, बंका सिंह आदि मौजूद रहे।

मणिपुर में मानवता हो रही शर्मसार, जवाब दे सरकार : अमिताभ वाजपेयी

- विपक्षी दलों के नेताओं ने सरकार के खिलाफ दिया धरना

कानपुर, (हि.स.)। पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर को लेकर विपक्षी गठबंधन सरकार को जहां सदन में घेरने की कोशिश कर रहा है तो वहीं जनता के बीच भी मुद्दे को ला रहा है। इसी के तहत शनिवार को संयुक्त विपक्षी मोर्चा के बैनर तले धरना प्रदर्शन किया गया। इस दौरान सपा विधायक अमिताभ वाजपेयी ने कहा कि मणिपुर में हो रही घटनाएं मानवता को शर्मसार कर रही हैं और सरकार को जवाब देना चाहिये। मणिपुर में हुई हिंसा और नरसंहार मामले को लेकर के संयुक्त विपक्षी मोर्चा ने अब भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कानपुर में सभी विपक्षी दलों के अध्यक्षों के साथ कानपुर के नानाराव पार्क में लगी अंबेडकर प्रतिमा पर विशाल धरना-प्रदर्शन किया गया। सभी दलों के लोगों ने मणिपुर हिंसा को लेकर भाजपा को जिम्मेदार ठहराते हुए प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग की है। संयुक्त विपक्षी मोर्चा के वक्ताओं ने मणिपुर हिंसा पर कहा कि यह मानवता को शर्मसार करने वाली घृणित घटना घटित हुई है। मणिपुर हिंसा की निंदा करते हुए संयुक्त विपक्षी मोर्चा के नेता गणों ने भारत सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए मांग की है कि मणिपुर में सरकार को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाया जाए। साथ ही उन्होंने मांग की है कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई जाए जो कि मणिपुर नरसंहार की निष्पक्ष जांच करे। इस दौरान सपा, कांग्रेस, रालोद, जेडीयू और वामपंथ से जुड़े राजनीतिक दल के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जनजातीय युवतियों से विवाह कर मुस्लिमों का आरक्षण लाभ लेना असंवैधानिक : विहिप

रांची, (हि. स.)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की युवा शाखा बजरंग दल की दो दिवसीय राष्ट्रीय बैठक रांची के हरमू दिगंबर जैन भवन में शनिवार को शुरू हुआ। बैठक का उद्घाटन विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय महामंत्री मिलिंद परांडे, बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक नीरज दौनेरिया, राष्ट्रीय सह संयोजक सूर्य नारायण राव सहित देश के सभी प्रदेशों से आए हुए बजरंग दल के प्रतिनिधियों ने गो-पूजन कर किया। मिलिंद परांडे ने कहा कि जनजातीय युवतियों से मुस्लिम विवाह कर उन्हें जनजातीय कोटे में राजनीतिक क्षेत्र में बैठा रहे हैं। उनके नाम पर भूमि खरीद रहे हैं। आरक्षण का लाभ ले रहे हैं, जो असंवैधानिक है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की मेवात में हिंदू धर्म यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं पर आधुनिक हथियार से गोली चलाना, पेट्रोल बम फेंकना, महिलाओं के साथ क्रूरतम अत्याचार करना दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। उन्होंने कहा हिंदू समुदाय के अनुकूल वातावरण बनना ही जिहादियों के मन में उबाल का कारण है। आज उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, असम, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड एवं बांग्लादेश के सीमा क्षेत्र घुसपैठ का बड़ा केंद्र बन गया है। घुसपैठ वाले क्षेत्र में हमेशा जिहादी हिंसा बढ़ती जा रही है। आज हिंदू समाज को सचेत रहने की आवश्यकता है। समाज में आज साम्यवादी विचारधारा के लोगों की ओर से युवा, महिला, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, जैन, बौद्ध समाज को लक्षित करते हुए अनेक प्रकार के समाज, संस्कृति एवं धार्मिक अवधारणाओं पर नकारात्मक विमर्श खड़ा कर वैचारिक संघर्ष चला रहे हैं। इससे समाज भ्रमित हो रहा है, हमें इस ओर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। इस अवसर पर बजरंग दल के राष्ट्रीय सह संयोजक सूर्य नारायण राव ने विषय प्रवेश कराते हुए कहा कि बजरंग दल के गठन का 40 वर्ष पूरा हो रहा है। बजरंग दल ने स्थापना के काल से अब तक समाज रक्षक के रूप में कार्य किया है। हिंदू कन्या रक्षा, गोरक्षा, परावर्तन, मठ मंदिर रक्षा सहित कई कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। उन्होंने कहा लव जिहाद, लैंड जिहाद, धर्मांतरण, गौ-तस्करी, घुसपैठ, धार्मिक यात्रा में हमला इत्यादि हिंदू समाज के लिए बड़ी चुनौती है। इस चुनौती का सामना करने के लिए हमें संगठन विस्तार करना होगा। बैठक में केंद्रीय संयोजक नीरज डोनेरिया, क्षेत्र संगठन मंत्री आनंद पांडेय, क्षेत्र मंत्री वीरेंद्र विमल, क्षेत्र संयोजक जन्मेजय कुमार, रांची के समाजसेवी प्रिंस अजमानी, विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री डॉ बिरेन्द्र साहु, प्रांत संगठनमंत्री देवी सिंह, प्रांत सहमंत्री रंगनाथ महतो, बजरंग दल प्रांत संयोजक दीपक ठाकुर सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भाजपा नेताओं पर कहर बरपा सकते हैं सीएम, घबराएं नहीं : बाबूलाल मरांडी

रांची, (हि.स.)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने पार्टी कार्यकताओं और अपने समर्थकों को शनिवार को ट्विटर के जरिये एक संदेश दिया है। चुनाव नजदीक आ रहा है। इसलिए संभव है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ कहर बरपाएं। भाजपा नेताओं-कार्यकताओं, समर्थकों और सहयोगियों के खिलाफ षड्यंत्र रचे जा सकते हैं। उनका सरकारी दमन हो सकता है। कुछ अधिकारियों की मदद एवं मंत्रणा से रोज षड्यंत्र एवं साजिश रचने की जानकारी मिल रही है। बाबूलाल ने कहा कि सत्ता के टूल की तरह इस्तेमाल हो रहे ऐसे षड्यंत्रकारियों के मंसूबे पर हमारी पैनी नजर है। सरकारी लठैत गिरोह की तरह काम कर रहे कुछ लोगों की ऐसी किसी भी साजिशपूर्ण कार्रवाई एवं गैर-कानूनी कदम उठाने वालों को हम आम जनता की मदद से बेनकाब करेंगे और कानून से उन्हें सजा दिलायेंगे। इसलिए इनसे घबराना नहीं है। हमें मजबूती के साथ आगे बढ़ना है। सभी साजिशों को ध्वस्त करना है और झारखंड की जनता के हित के लिए हर कष्ट सहना है।

मोरहाबादी मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान चुस्त-दुरुस्त व्यवस्था करने के निर्देश

रांची, (हि.स.)। मोरहाबादी मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर शनिवार को उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में समाहरणालय में एक बैठक हुई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने मोरहाबादी मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारी और सफल संचालन को लेकर विचार-विमर्श किए और संबंधित पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये। उपायुक्त ने समारोह के लिए तय आयोजन स्थल पर वाटरप्रूफ पंडाल, कुर्सी की व्यवस्था, मैदान समतलीकरण एवं बैरिकेटिंग, स्टेज एवं साउंड बॉक्स के लिए टॉवर निर्माण की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिला नजारत उप-समाहर्त्ता को मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम, आयोजन स्थल के मुख्य मंच एवं आमंत्रित अतिथियों के बैठने की व्यवस्था आदि से संबंधित तैयारी सुनिश्चित करने को कहा। उपायुक्त ने कार्यक्रम स्थल में पेयजल आपूर्ति, वीआईपी टॉयलेट की व्यवस्था, परेड पूर्वाभ्यास में भाग लेने वाले कैडेटों के लिए मोरहाबादी मैदान में अस्थायी शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित करने को निर्देश दिये। उन्होंने विशेष तौर पर मोरहाबादी की ओर जानेवाली सड़कों की मरम्मत एवं साफ सफाई, चिकित्सा मेडिकल कैंप और अग्निशमन की व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त करने को कहा। साथ ही झारखंड आदिवासी महोत्सव के आयोजन को लेकर भी उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। बैठक में एसएससी किशोर कौशल, पुलिस अधीक्षक यातायात सह ग्रामीण पुलिस अधीक्षक एचबी जमां, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि व्यवस्था) सहित अन्य संबंधित पुलिस-प्रशासनिक पदाधिकारी उपस्थित थे।

मीठी के हत्यारे को फांसी देने के लिए लगातार निकल रहा है आक्रोश मार्च

बेगूसराय, (हि.स.)। बछवाड़ा थाना क्षेत्र के चमथा में विगत दिनों दस वर्षीय नाबालिक बच्ची मीठी कुमारी की हुई हत्या का आक्रोश कम नहीं हो रहा है। जिले के विभिन्न इलाकों में प्रत्येक दिन कैंडल मार्च निकालकर हत्यारे को स्पीडी ट्रायल के माध्यम से फांसी की सजा देने की मांग की जा रही है। बीते रात विप्लवी पुस्तकालय गोदरगावां एवं सैदपुर ऐमा पंचायत की ओर से मीठी के हत्यारों हो फांसी देने, मणिपुर त्रासदी, देश में हो रहे साम्प्रदायिक दंगे एवं जयपुर-मुंबई रेल गोलीकांड के खिलाफ प्रतिरोध-सह-कैंडल मार्च निकाला गया। वहीं, बखरी में युवा यूथ कमेटी के बैनर तले कैंडल प्रतिरोध मार्च निकाला गया। गोदरगावां में आयोजित मार्च विप्लवी पुस्तकालय स्थित शहीद भगत सिंह प्रतिमा से लेकर गोदरगावां, रामपुर बसवन, पटेल चौक रामपुर मटिहानी, शिवाला टोल, आजाद चौक पर अवस्थित चन्द्रशेखर आजाद चौक होते हुए पुस्तकालय अवस्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी प्रतिमा पर आकर सभा के रूप में तब्दील हो गयी। मार्च में बुजुर्ग, महिलाएं, छात्र-छात्रा, नौजवान एवं बच्चे सभी उम्र के लोग एक गांव नहीं, बल्कि अनेकों गांव के युवक शामिल हुए। खास करके महिलाएं और बच्चियां बैनर थामे चल रही थी। सभी लोगों का कहना था कि हत्यारे को स्पीडी ट्रायल चलाकर फांसी की सजा दी जाए। प्रतिरोध से स्वर थे 'दरिंदों को फांसी द, सांप्रदायवाद मुदार्बाद, हो रहे हिंसा पर चुप्पी तोड़ो।' मौके पर पुस्तकालय के संरक्षक राजेन्द्र राजन एवं पुस्तकालय सचिव आनन्द प्रसाद सिंह ने कहा कि बहन-बेटी की इज्जत हर रोज लूटी जा रही है। सरकार दोषियों को संरक्षण देने का काम करती है और जनता को गुमराह करने के लिए झूठा नारा देती है। मार्च में पुस्तकालय कोर कमिटी सदस्य राम कुमार सिंह, अध्यक्ष रमेश प्रसाद सिंह, राम बहादुर यादव, सुशीला देवी, डॉ. संगीता राजन, मनोरंजन विप्लवी, मो. शहादत सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

सौभाग्य की बात है कि बिहार से मुझे अवसर मिला, पार्टी के लिए रहूंगा तत्पर : ऋतुराज सिन्हा

-भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ऋतुराज सिन्हा पहुंचे पटना

पटना, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय टीम में फिर से राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने के बाद शनिवार को पहली बार ऋतुराज सिन्हा पटना पहुंचे। यहां पहुंचते ही पटना एयरपोर्ट पर कार्यकताओं ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। ऋतुराज सिन्हा ने केंद्रीय नेतृत्व का आभार जताया और कहा कि उन्हें फिर से राष्ट्रीय टीम में दायित्व मिला है और अब डबल जिम्मेवारी के साथ काम करना है। साथ ही कहा कि मैं तहे दिल से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह का शुक्रगुजार हूं। मुझे इस योग्य समझा कि मुझे राष्ट्रीय टीम में एक दायित्व मिला है। उनका पूरा प्रयास रहेगा कि जितनी लगन से उन्होंने पार्टी की पहले सेवा कि उससे अधिक मेहनत से पार्टी के लिए तत्पर रहेंगे। ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि संगठन की रचना सभी विषयों को ध्यान में रखकर की जाती है। सौभाग्य की बात है कि बिहार से उन्हें अवसर मिला है। पहले भी बिहार के कई नेताओं को केंद्रीय टीम में अवसर मिल चुका है और बाद में भी जो योग्य लोग हैं उन्हें अवसर मिलता रहेगा।

विश्वविद्यालय सहित अन्य मुद्दों को लेकर राज्यपाल से मिला एआईएसएफ का प्रतिनिधिमंडल

बेगूसराय, (हि.स.)। बेगूसराय में राष्ट्रकवि दिनकर विश्वविद्यालय की स्थापना एवं शिक्षकों की मांग पूरी करने सहित शिक्षा से जुड़े अन्य मुद्दे को लेकर ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने राज्य सचिव अमीन हमजा के नेतृत्व में राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ अर्लेकर से मिलकर ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के माध्यम से बेगूसराय में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर के नाम पर विश्वविद्यालय की स्थापना करने, आंदोलन कर रहे शिक्षकों की मांग पूरी करने, विश्वविद्यालयों में शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मचारियों और पुस्तकालय कर्मचारियों के रिक्त पदों पर बहाली, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय में स्नातक-स्नातकोत्तर में छात्रों के आवेदन के हिसाब से सीट बढ़ाकर नामांकन की गारंटी करने की मांग की गई। इसके साथ ही ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय का दूरस्थ शिक्षा अविलंब शुरू करने एवं छात्र कल्याण अध्यक्ष को बर्खास्त करने, बीएन मंडल विश्वविद्यालय मधेपुरा के पैट उत्तीर्ण छात्रों का पीएचडी में रिक्त सीट पर नामांकन लेने, जीडी कॉलेज में बंद बड़े ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के विस्तार केंद्र में विश्वविद्यालय संबंधी कामकाज शुरू करने सहित विभिन्न मांगों को रखा गया। अमीन हमजा ने बताया कि सभी मांगों को सुनने के बाद राज्यपाल ने पूरा करने का आश्वासन भी दिया है। हमजा ने कहा कि बिहार के सभी विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक अराजकता का माहौल है, शिक्षा का स्तर दिन-ब-दिन गिरता जा रहा है। नियमित वर्ग संचालन कर कोर्स पूरा करने में सभी विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय पूरी तरह से विफल है। कैंपस नामांकन, फॉर्म भरने और डिग्री बांटने का अड्डा बन कर रह गया है। दशकों से शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मचारियों और लाइब्रेरियन की बहाली पूरी तरह से ठप है। इन सारे सवालों से राज्यपाल को अवगत करा दिया गया है। अगर यह मांगे पूरी नहीं होती है तो हमारा संगठन राजभवन पर प्रदर्शन करेगा। प्रतिनिधिमंडल में शामिल बेगूसराय जिलाध्यक्ष अमरेश कुमार ने कहा कि बिहार के सभी विश्वविद्यालय में हर साल रिजल्ट में भारी गड़बड़ियां होती है। बच्चे विश्वविद्यालय में टपला खाते हैं, उनका भारी आर्थिक दोहन शोषण होता है। बेगूसराय जीडी कॉलेज में मौजूद ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय का विस्तार केंद्र हाथी का दांत साबित हो रहा है। हमलोगों ने राज्यपाल से अपील किया कि इसके लिए राजभवन से स्पेशल नोटिफिकेशन जारी हो। जिससे विश्वविद्यालय के विस्तार केंद्र में विश्वविद्यालय संबंधी कामकाज हो सके। वर्षों पूर्व जीडी कॉलेज में खोले गए विस्तार केंद्र में कोई कार्य नहीं होता है। छोटे-छोटे कार्यों के लिए छात्र-छात्राओं का एक सौ किलोमीटर से अधिक दूर दरभंगा का चक्कर लगाना पड़ता है।

संपादकीय

ज्ञानवापी का सच

ज्ञानवापी परिसर का सर्वे आरंभ हो चुका है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा सर्वे को 'न्यायहित' में अनिवार्य माना है। सर्वे वैज्ञानिक होगा और किसी भी तरह की खुदाई नहीं की जाएगी। 'ग्राउंड पेनिट्रेटिंग रडार' (जीपीआर) तकनीक का इस्तेमाल कर सर्वे किया जाएगा। फोटोग्राफी का भी इस्तेमाल किया जाएगा। सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ ने भी अयोध्या विवाद का फैसला एएसआई के सर्वे और खुदाई के आधार पर दिया था। एएसआई भारत सरकार की संस्था है और इसके पुरातात्विक निष्कर्षों को अधिकृत और विज्ञान-सम्मत माना जाता रहा है। इलाहाबाद अदालत ने मस्जिद कमेटी की दलीलों को खारिज कर दिया कि सर्वे से मस्जिद को नुकसान पहुंच सकता है। इन दावों को बेदम करार दिया गया। 'अंजुमन इंतेजामिया कमेटी' ने उच्च न्यायालय के फैसले को सर्वोच्च अदालत में चुनौती दी है। प्रधान न्यायाधीश जस्टिस चंद्रचूड़ ने इसकी तुरंत सुनवाई को मंजूरी भी दी है, लेकिन सर्वे जारी रहेगा। फिलहाल ज्ञानवापी की इमारत को मस्जिद तो नहीं कहा जा सकता। मंदिर का अंतिम फैसला सर्वोच्च अदालत करेगी। हम इस विवाद को अदालत के भरोसे छोड़ते हैं, लेकिन ऐसे अनेक ऐतिहासिक साक्ष्य हैं, जो ज्ञानवापी को मंदिर साबित करते हैं। ये साक्ष्य कई पुस्तकों में संकलित किए गए हैं। यह बादशाह औरंगजेब की हुकूमत के दस्तावेजों से भी स्पष्ट है कि 1669 में मंदिर को तोड़ कर मस्जिद का निर्माण कराया गया था। चूंकि कथित मस्जिद समतल जमीन पर नहीं बनी है। जमीन किसी शख्स या संस्था ने दान भी नहीं की है। जमीन को खरीदा भी नहीं गया है, लिहाजा इतिहासकार इस्लाम के मुताबिक इसे 'हराम' मानते हैं। हम ऐसी दलीलों को भी इतिहास मान कर छोड़ देते हैं। इस संदर्भ में वाराणसी की जिला अदालत ने दो कोर्ट कमिश्नरों की अध्यक्षता में ज्ञानवापी परिसर का सर्वे कराया था। 14 मई, 2022 को जिन वकीलों ने सर्वे में भूमिका अदा की थी, उनके मुताबिक ज्ञानवापी के भीतर पान के पत्ते के आकार की फूल की आकृतियां, त्रिशूल, स्वास्तिक, दीवार पर अंकित श्लोक और 4 तहखाना भी हैं। काफी संख्या में कमल के फूल की कलाकृति पत्थरों पर खुदी दिखी। एक खंभे पर हिंदी में 7 पंक्तियों में कुछ शब्द उकेरे दिखे। छत वाले तीन गुंबदों के अंदर त्रिशंकु शिखरनुमा आकृतियां दिखीं। भीतरी भाग मंदिर-सा लगता है। उत्तर से पश्चिम दीवार के कोने पर मंदिर का मलबा पड़ा है, जिसमें देवी-देवताओं की कलाकृति और अन्य शिलापट्ट थे। शिलापट्ट पर शेषनाग की आकृति अंकित है। एक और शिलापट्ट पर सिंदूरी रंग की उभरी हुई कलाकृति है। देव-विग्रह में 4 मूर्तियों की आकृतियां थीं। दीपक जलाने की जगह बनी हुई थी। दीवारें, नींव, खंभा, कुंड, गर्भगृह का दरवाजा, वजूखाने की ओर नंदी का मुख, घंटियां आदि की आकृतियां छपी हुई नहीं, उकेरी हुई थीं। क्या किसी मस्जिद में ऐसी कलाकृतियां, आकृतियां और संरचनाएं होती हैं? 'स्कंदपुराण' में भी ज्ञानवापी का विस्तृत उल्लेख है। कथित मस्जिद करीब 400 साल या 600 साल अथवा 1000 साल पुरानी है, इस तथ्य पर भी मुस्लिम संगठनों, नेताओं और धर्मगुरुओं में मतैक्य नहीं है। दरअसल दलीलें ये भी दी जा रही हैं कि उपासना स्थल कानून, 1991 के मद्देनजर इस कथित मस्जिद से छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। बहरहाल इसकी अंतिम व्याख्या तो सर्वोच्च अदालत ही करेगी, लेकिन इस कानून की संवैधानिकता पर सवाल करने वाली कुछ याचिकाएं शीर्ष अदालत के ही विचाराधीन हैं। सभी पक्षों को उस निर्णय की भी प्रतीक्षा करनी चाहिए। गौरतलब यह है कि भारत में ऐसी विवादास्पद 40,000 के करीब मस्जिदों की सूची तैयार की हुई है। क्या सभी को चुनौती दी जाएगी? क्या मस्जिदों को ढहा कर मंदिरों के निर्माण किए जाएंगे? कोई जरूरी है कि इतिहास की गलतियों को दोहराया जाए और गड़े मुर्दे उखाड़े जाएं? यदि इसी तरह 2024 के लिए 'मंदिर मार्ग' खोले जाने हैं, तो फिर जनता तय करे। देश के लिए अमन-चैन और भाईचारा सबसे जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने यह जरूर कहा है कि सर्वे पर आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ ने भी अयोध्या विवाद का फैसला एएसआई के सर्वे और खुदाई के आधार पर दिया था। एएसआई भारत सरकार की संस्था है और इसके पुरातात्विक निष्कर्षों को अधिकृत और विज्ञान-सम्मत माना जाता रहा है। इलाहाबाद अदालत ने मस्जिद कमेटी की दलीलों को खारिज कर दिया कि सर्वे से मस्जिद को नुकसान पहुंच सकता है। इन दावों को बेदम करार दिया गया। 'अंजुमन इंतेजामिया कमेटी' ने उच्च न्यायालय के फैसले को सर्वोच्च अदालत में चुनौती दी है। प्रधान न्यायाधीश जस्टिस चंद्रचूड़ ने इसकी तुरंत सुनवाई को मंजूरी भी दी है, लेकिन सर्वे जारी रहेगा। फिलहाल ज्ञानवापी की इमारत को मस्जिद तो नहीं कहा जा सकता। मंदिर का अंतिम फैसला सर्वोच्च अदालत करेगी। हम इस विवाद को अदालत के भरोसे छोड़ते हैं, लेकिन ऐसे अनेक ऐतिहासिक साक्ष्य हैं, जो ज्ञानवापी को मंदिर साबित करते हैं। ये साक्ष्य कई पुस्तकों में संकलित किए गए हैं।

प्रदेश में सत्तारुढ़ कांग्रेस व भाजपा ने भी अपना सांगठनिक ढांचा मजबूत बना लिया है

इस बार राजस्थान का चुनाव वसुंधरा नहीं, बल्कि मोदी के नाम पर लड़ेगी भाजपा!

रमेश सर्राफ धमोरा

भाजपा के बड़े नेता चाहते हैं कि राजस्थान में हर बार राज बदलने की परंपरा को इस बार भी कायम रखा जाए। उसी परंपरा के तहत प्रदेश में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनाई जाए। इस बार के चुनाव में भाजपा पहले से हटकर कुछ नया करने जा रही है। भाजपा द्वारा राजस्थान विधानसभा के अब तक लड़े गये सभी चुनावों में पार्टी एक नेता का नाम घोषित कर उनके चेहरे पर चुनाव लड़ती रही थी। पहले भैरोंसिंह शेखावत राजस्थान में भाजपा के चेहरे हुआ करते थे। उनके बाद 2003 से लेकर 2018 तक के चुनाव में वसुंधरा राजे को नेता घोषित कर पार्टी चुनाव लड़ती रही थी। मगर इस बार के चुनाव में ऐसा नहीं होगा। इस बार भाजपा आलाकमान ने पूरा चुनाव एक नए अंदाज में लड़ने का फैसला किया है। भाजपा इस बार राजस्थान के किसी भी नेता को पार्टी का चेहरा घोषित कर चुनाव नहीं लड़ेगी।

राजस्थान विधानसभा के चुनाव होने में चार महीने से भी कम का समय रह गया है। सभी राजनीतिक दल अपनी चुनावी तैयारियों में जुट गए हैं। प्रदेश में सत्तारुढ़ कांग्रेस व भाजपा ने भी अपना सांगठनिक ढांचा मजबूत बना लिया है। मंडल, ब्लॉक, जिला से लेकर प्रदेश कार्यकारिणी का गठन हो चुका है। कांग्रेस पार्टी चुनाव में जाने को पूरी तरह तैयार नजर आ रही है। ऐसे में भाजपा भी जोरों से चुनावी तैयारियां कर रही है। भाजपा के बड़े नेता चाहते हैं कि राजस्थान में हर बार राज बदलने की परंपरा को इस बार भी कायम रखा जाए। उसी परंपरा के तहत प्रदेश में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनाई जाए। इस बार के चुनाव में भाजपा पहले से हटकर कुछ नया करने जा रही है। भाजपा द्वारा राजस्थान विधानसभा के अब तक लड़े गये सभी चुनावों में पार्टी एक नेता का नाम घोषित कर उनके चेहरे पर चुनाव लड़ती रही थी। पहले भैरोंसिंह शेखावत राजस्थान में भाजपा के चेहरे हुआ करते थे। उनके बाद 2003 से लेकर 2018 तक के चुनाव में वसुंधरा राजे को नेता घोषित कर पार्टी चुनाव लड़ती रही थी। मगर इस बार के चुनाव में ऐसा नहीं होगा। इस बार भाजपा आलाकमान ने पूरा चुनाव एक नए अंदाज में लड़ने का फैसला किया है। भाजपा इस बार राजस्थान के किसी भी नेता को पार्टी का चेहरा घोषित कर चुनाव नहीं लड़ेगी। पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ेगी। इसका खुलासा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजस्थान दौरे के दौरान सीकर मीटिंग में पूरी तरह हो चुका है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा हाल ही में घोषित की गई राष्ट्रीय कार्यकारिणी में वसुंधरा राजे को फिर से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। यह इस बात का संकेत है कि उनको राजस्थान की राजनीति से हटाकर राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय किया जाएगा। हालांकि वसुंधरा राजे पिछले लंबे समय से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनी हुई हैं। मगर उनके पास दिल्ली में पार्टी की कोई भी जिम्मेदारी नहीं है। पिछले दिनों जरूर उनको झारखंड की चार लोकसभा सीटों कोडरमा, दुमका, गिरिडीह और गोड्डा भेजकर पार्टी के पक्ष में प्रचार करवाया गया था। उसके अलावा उन्होंने आज तक राष्ट्रीय पदाधिकारी के रूप में किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं निभाई है। वसुंधरा राजे स्वयं राजस्थान नहीं छोड़ना चाहती हैं। उनके समर्थक भी चाहते हैं कि राजे प्रदेश की राजनीति में ही सक्रिय रहें। ताकि अगले विधानसभा चुनाव के बाद उन्हें फिर से मुख्यमंत्री बनने का मौका मिल सके। मगर भाजपा आलाकमान किसी भी स्थिति में ऐसा नहीं होने देना चाहता है। इसीलिए पार्टी ने फैसला किया है कि अगला विधानसभा चुनाव बिना नेता के ही लड़ेंगे। भाजपा राजस्थान में कांग्रेस सरकार के खिलाफ सत्ता

विरोधी लहर का फायदा उठाकर भ्रष्टाचार के मुद्दे को हवा देना चाहती है। राजस्थान में पेपर लीक प्रकरण, राजस्थान लोक सेवा आयोग प्रकरण, शिक्षक भर्ती घोटाला व भ्रष्टाचार के अन्य मुद्दों को हवा देकर भ्रष्टाचार को मुख्य मुद्दा बनाना चाहती है। ऐसे में यदि भाजपा वसुंधरा राजे को चेहरा बनाकर चुनाव लड़ती है तो कांग्रेस के खिलाफ भ्रष्टाचार का मुद्दा कमजोर हो जाएगा। वसुंधरा राजे के आगे आते ही कांग्रेस भाजपा का हथियार उन्हीं के खिलाफ प्रयोग में ला सकती है। इसी डर से भाजपा आलाकमान वसुंधरा राजे को आगे नहीं कर रहा है। वसुंधरा राजे के मुख्यमंत्री रहते उनकी सरकार के भ्रष्टाचार के बहुत से मामले उजागर हुए थे। कांग्रेस नेता सचिन पायलट तो अभी भी वसुंधरा राजे सरकार के दौरान हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच की मांग करते आ रहे हैं। वसुंधरा राजे पर मुख्यमंत्री रहते एक चौकड़ी से घिरे रहने के आरोप भाजपा के ही नेता लगाते रहे थे। वही पुरानी चौकड़ी आज भी वसुंधरा राजे के चारों तरफ नजर आ रही है। वसुंधरा समर्थक कालीचरण सर्राफ, यूनुस खान, भवानी सिंह राजावत, रोहिताश शर्मा, देवी सिंह भाटी, अशोक परनामी, प्रताप सिंह सिंघवी, प्रह्लाद गुंजल, अशोक लाहोटी, सिद्धि कुमारी, रामचरण बोहरा जैसे नेता आज भी उनको घेरे रहते हैं। इससे वसुंधरा राजे की आम जनता में नकारात्मक छवि बन चुकी है। वसुंधरा राजे समर्थकों ने तो दो साल पहले वसुंधरा राजे विचार मंच नामक एक संगठन बनाकर प्रदेश में भाजपा के समानांतर संगठन चलाने का भी प्रयास किया था। मगर उसे ज्यादा समर्थन नहीं मिलने के कारण वह संगठन निष्क्रिय-सा हो चुका है। पिछले विधानसभा चुनाव में तो वसुंधरा राजे के खिलाफ जनता का आक्रोश इतना अधिक हो गया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में आयोजित चुनावी जनसभाओं में जनसमूह 'मोदी तुझसे बैर नहीं वसुंधरा तेरी खैर नहीं' के नारे लगाता था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रचार के बावजूद भी 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को राजस्थान में करारी हार का सामना करना पड़ा। भाजपा 163 से घटकर 73 विधानसभा सीटों पर सिमट गई थी। यानी भाजपा को उन 90 विधानसभा क्षेत्रों में हार का सामना करना पड़ा था जहां उनके प्रत्याशी 2013 के विधानसभा चुनाव में जीते थे। 2018 की चुनावी सभाओं में प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं देखा था कि वसुंधरा राजे के खिलाफ आमजन में कितना आक्रोश व्याप्त है। उसी के चलते 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने वसुंधरा राजे को चुनाव प्रचार से दूर ही रखा था। यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभाओं में भी वसुंधरा राजे शामिल नहीं होती थीं। 2019 में भाजपा ने लगातार दूसरी बार प्रदेश की सभी 25 लोकसभा सीटें जीती थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के सभी बड़े नेताओं का मानना है कि प्रदेश में आज भी वसुंधरा राजे की नकारात्मक छवि से भाजपा को नुकसान हो सकता है। इसीलिए उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में लाकर दूसरे प्रदेशों में प्रचार करवाया जाए। राजस्थान की राजनीति में वसुंधरा राजे का पिछली बार सबसे अधिक विरोध उनके राजपूत समाज ने ही किया था। आनंदपाल एनकाउंटर के चलते राजपूत समाज खुलकर वसुंधरा राजे के खिलाफ हो गया था। जिसका उन्हें खामियाजा भी भुगतना पड़ा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रदेश में हो रही जनसभाओं में भी वसुंधरा राजे को बोलने का अवसर नहीं मिल रहा है। इसका भी सीधा-सीधा संदेश है कि पार्टी उन्हें प्रदेश की राजनीति में ज्यादा तवज्जो नहीं देना चाहती है। विधानसभा में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा वसुंधरा राजे का खुलकर आभार जताने के बाद प्रदेश की जनता को गहलोत-वसुंधरा के मिलीभगत की राजनीति का भी पता चल गया। वैसे भी वसुंधरा राजे विपक्ष की राजनीति में अधिक सक्रिय नहीं रहती हैं। पूर्व मुख्यमंत्री होने के नाते उनको लगातार प्रदेश में घूम-घूम कर पार्टी को मजबूत करना चाहिए था। उस समय वसुंधरा राजे अपने को धौलपुर महल तक ही सीमित कर लेती हैं। ऐसी कई बातें हैं जिनके चलते वसुंधरा राजे को प्रदेश की राजनीति से दूर किया जा रहा है। वह पार्टी से विद्रोह नहीं कर सकें इसके लिए उन्हें राष्ट्रीय कार्यकारिणी में भी बनाए रखा गया है। वसुंधरा राजे अब कितना भी जोर लगा लें उनको नेता घोषित नहीं किया जाएगा। वह चाहती हैं कि उन्हें चुनाव समिति या प्रचार समिति का ही अध्यक्ष बना दिया जाए। मगर मौजूदा परिस्थितियों से ऐसा लगता है कि भाजपा आलाकमान उन्हें शायद ही प्रदेश में कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दे। उनको बैलेंस रखने के लिए उनके समर्थक किसी नेता को चुनाव के दौरान महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जा सकती है। मगर मौजूदा परिस्थिति में वसुंधरा राजे का प्रदेश में नेता बनना मुश्किल ही नहीं असंभव-सा नजर आ रहा है।

हमारा दर्द कितना समझ पाए गडकरी

प्रकृति की अपनी चाल है और अपनी ताकत भी, जिसके सामने इन इंजीनियरों की गणनाएं ओछी पड़ जाती हैं। यह ब्यास घाटी की विभीषिका में उनकी बनाई फोरलेन की दुर्गति ने सिद्ध कर दिया। हमें सोचने पर मजबूर कर दिया कि यहां इंजीनियरिंग की समझ नाकाफी है और इसके अलावा भूगर्भ विज्ञान से जुड़े तत्व भी ध्यान देने योग्य हैं। यहां-वहां सडक़ निर्माण का मलबा किस तरह नदी तल के साथ ही खपाया गया, वह वैज्ञानिक सडक़ निर्माण जो हिमालय की जरूरतों के मुताबिक हो, इसकी बुनियादी समझ की भी अनदेखी करता प्रतीत होता है। अपनी गलतियों से सीखने के लिए पहले उनको मानना जरूरी होता है, किन्तु हम उसके लिए जरूरी नम्रता को शायद अपमान मानते हैं और इसलिए टाल मटोल करके निकल लेते हैं। ऐसे में आगे आने वाले समय में और भी बड़ी गलतियां करते जाने की संभावना बन जाती है।

जुलाई के दूसरे सप्ताह में ब्यास घाटी में आई भयानक बाढ़ ने पूरे प्रदेश को हिला दिया। हजारों करोड़ रुपए की आर्थिक हानि के साथ 100 से ज्यादा निरपराध लोग काल का ग्रास बन गए। आवागमन के साधनों के चौपट हो जाने और आसन्न खतरे की चिंताओं ने जन सामान्य के जीवन को सदमे जैसी स्थिति में ला खड़ा कर दिया। सैंकड़ों आशियाने ध्वस्त हो गए। इस विभीषिका को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग उठने लगी। इस बीच केन्द्रीय सडक़ एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी जी हिमाचल में हुई तबाही का जायजा लेने ब्यास घाटी के दौरे पर आए। वह काफी शक्तिशाली मंत्री माने जाते हैं और हजारों करोड़ रुपए के बजट के वारे न्यारे करने की क्षमता रखते हैं। उनसे प्रदेश की जनता को बहुत उम्मीद थी कि वे अवश्य पूरी परिस्थिति का आकलन करने की दिशा में कोई सार्थक कदम उठाने की पहल करेंगे जिससे हिमालय क्षेत्र में सडक़ निर्माण में पर्यावरण मित्र समझ का समावेश हो सकेगा ताकि आगे चल कर हिमालयी क्षेत्रों में अवैज्ञानिक रूप से बनाई जा रही सडक़ों को उपयुक्त तकनीक से बनाने की दिशा में पहल हो सकेगी। सुना गया है कि गडकरी जी भूगर्भ विज्ञान की बुनियादी समझ भी रखते हैं, इसलिए यह अपेक्षा और भी बलवती हो गई थी। हिमालय की तासीर को पढना बिना भू वैज्ञानिक समझ के संभव ही नहीं है। किन्तु खेद है कि हमारी ये योजनाएं इंजीनियरिंग समझ से बनाई जाती हैं जो इस समझ पर कार्य करती है कि हमारे पास सभी निर्माण कार्यों में आने वाली समस्याओं के समाधान मौजूद हैं, किन्तु दुर्भाग्य से ऐसा नहीं है। प्रकृति की अपनी चाल है और अपनी ताकत भी, जिसके सामने इन इंजीनियरों की गणनाएं ओछी पड़ जाती हैं। यह ब्यास घाटी की विभीषिका में उनकी बनाई फोरलेन की दुर्गति ने सिद्ध कर दिया। हमें सोचने पर मजबूर कर दिया कि यहां इंजीनियरिंग की समझ नाकाफी है और इसके अलावा भूगर्भ विज्ञान से जुड़े तत्व भी ध्यान देने योग्य हैं। यहां-वहां सडक़ निर्माण का मलबा किस तरह नदी तल के साथ ही खपाया गया, वह वैज्ञानिक सडक़ निर्माण जो हिमालय की जरूरतों के मुताबिक हो, इसकी बुनियादी समझ की भी अनदेखी करता प्रतीत होता है। अपनी गलतियों से सीखने के लिए पहले उनको मानना जरूरी होता है, किन्तु हम उसके लिए जरूरी नम्रता को शायद अपमान मानते हैं और इसलिए टाल मटोल करके निकल लेते हैं। ऐसे में आगे आने वाले समय में और भी बड़ी गलतियां करते जाने की संभावना बन जाती है। मंत्री जी चाहते तो इस विपरीतगामी प्रक्रिया को बदल सकते थे, किन्तु उन्होंने भी इंजीनियरिंग समझ से आगे जाने से इनकार कर दिया और जो सुझाव पेश किए उनका हिमालय की संवेदनशील परिस्थिति के प्रति जागरूक होने से कोई वास्ता दिखाई नहीं देता है। प्रेस वार्ता में हिमालय में गलत तरीके से संवेदनशील पहाडि़यों से छेड़छाड़ का जिक्र तक नहीं किया गया। बल्कि नदी से सीधी लड़ाई मोल लेने का खतरनाक संकल्प उभरता दिखाई दिया। पहाड़ी नदी के तटीकरण की बात तो कुछ हद तक समझ आती है, किन्तु उसे खोद कर गहरा करने की धारणा हिमालय के बिल्कुल भी अनुकूल नहीं है। नदी का तल पत्थर, रोड़ी, बजरी, रेत की मोटी तह से ढका रहता है और नीचे की कच्ची मिट्टी को पानी की मार से बचा कर भूक्षरण को रोकता है। एक बार यदि नीचे की कच्ची मिट्टी सामने आ गई तो बाढ़ के पानी के कटान से गहरी होती जाएगी, जिससे नदी के किनारे लगे तट बंध भी गिर सकते हैं। नदी हमेशा घुमावदार होकर ही बहती है क्योंकि पानी कभी सीध में नहीं बहता है। उसको तटीकरण द्वारा यदि सीधा करने के प्रयास किये गए तो वह अपनी घुमावदार चाल को तट बांध तोड़ कर पुनः हासिल कर लेगा। इसके अतिरिक्त मुख्य प्रश्न यह भी है कि आखिर इतना मलबा नदी में आया कहां से। सडक़ निर्माण में अवैज्ञानिक डंपिंग के कारण ही यह मलबा आया। इस बात का जिक्र करने से क्यों बचा जा रहा है। इस गलती को समझे बिना हिमालय में जहां भी भारी निर्माण कार्य होंगे वहां इस तरह की तबाहियां होंगी। यह मानने के बाद ही हम बेहतर सडक़ निर्माण तकनीक जो हिमालय की नाजुक प्रकृति के अनुकूल होगी, उसके विकास की बात सोच सकेंगे। यही उम्मीद हमें गडकरी जी के आगमन से थी। तकनीकी विशेषज्ञों की कमेटी बना कर सुझाव लेने की बात तो कही गई है, किन्तु उनके लिए एजेंडा तो तय कर दिया गया है कि तटीकरण और खोलीकरण यानी दो-तीन मीटर खुदाई करके नदी को गहरा करना है। तो विशेषज्ञों का ध्यान तटीकरण और खोलीकरण को सफल बनाने की दिशा में रहेगा। कुछ नया सुझाव पर्वत विशिष्ट निर्माण के लिए निकल कर नहीं आ सकता। उसके लिए उन्हें स्वतंत्र सुझाव के लिए कहना पड़ेगा और वैसे विशेषज्ञ डालने पड़ेंगे। इंजीनियरिंग समझ से वैसे सुझाव आ ही नहीं सकते। मंत्री जी ने नुकसान की भरपाई के लिए मुक्त हस्त से सहायता देने के आशय की जो घोषणा की वह तो निश्चय ही स्वागत योग्य है किन्तु इस धन का प्रयोग हिमालय के अनुकूल तकनीक द्वारा किया जाना चाहिए। तभी टिकाऊ सडक़ निर्माण संभव होगा।

देश दुनीया से

पवार के कारण विपक्षी एकता में घमासान

वाद-विवाद की इस कड़ी में राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के सुप्रीमो शरद पवार का नाम भी जुड़ गया है। पवार ने पुणे में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मंच साझा कर विपक्षी दलों की हालत सांप-छुछूंदर जैसी कर दी है। कुछ विपक्षी दल इसे एकता के प्रयासों को झटका मान रहे हैं, वहीं अन्य विपक्षी दलों के समझ में ही नहीं आ रहा है कि इस पर क्या और कैसे प्रतिक्रिया व्यक्त करें। विपक्षी दलों में सबसे पहले खुले तौर पर शिव सेना (यूबीटी) ने गहरी नाराजगी जाहिर की है। इसी के साथ मोदी के साथ मंच साझा करने को लेकर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन (एआईएमआईएम) अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने विपक्षी एकता के प्रयासों की खिल्ली उड़ाते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार पर ढोंग का आरोप जड़ दिया।

विपक्षी एकता की कवायद चांद पर घर बसाने जैसी हो गई। विपक्षी दल इंडिया नाम के संयुक्त गठबंधन के जरिए भाजपा को लोकसभा चुनाव में सत्ता से दूर रखने का ख्वाब देख रहे हैं, उसी में उनकी आपसी फूट आड़े आ रही है। वाद-विवाद की इस कड़ी में राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के सुप्रीमो शरद पवार का नाम भी जुड़ गया है। पवार ने पुणे में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मंच साझा कर विपक्षी दलों की हालत सांप-छुछूंदर जैसी कर दी है। कुछ विपक्षी दल इसे एकता के प्रयासों को झटका मान रहे हैं, वहीं अन्य विपक्षी दलों के समझ में ही नहीं आ रहा है कि इस पर क्या और कैसे प्रतिक्रिया व्यक्त करें। विपक्षी दलों में सबसे पहले खुले तौर पर शिव सेना (यूबीटी) ने गहरी नाराजगी जाहिर की है। इसी के साथ मोदी के साथ मंच साझा करने को लेकर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन (एआईएमआईएम) अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने विपक्षी एकता के प्रयासों की खिल्ली उड़ाते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार पर ढोंग का आरोप जड़ दिया। ओवैसी ने ट्वीट किया कि लोकसभा में राकांपा और अन्य विपक्षी दल मणिपुर मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि शरद पवार खुशी-खुशी पुणे में नरेन्द्र मोदी के साथ मंच साझा कर रहे हैं, ये कैसा ढोंग है? वहीं, भाजपा खुशी-खुशी बिना चर्चा के विधेयक पास करा रही है। इस पर पलटवार करते हुए राकांपा प्रवक्ता क्लाइड क्रैस्टो ने पलटवार किया कि असदुद्दीन ओवैसी को राजनीतिक समझ की कमी दिखाने वाले बयान देने से पहले अपनी आंखें और कान खुले रखने की जरूरत है। शरद पवार साहब लोकमान्य तिलक के सम्मान में समारोह में शामिल हुए। क्या ओवैसी को तिलक जी का महत्व पता है और क्या उन्होंने कभी उन्हें कोई सम्मान दिया है? विपक्षी गठबंधन में शामिल शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राकांपा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे और इसके बाद उन्होंने उस पार्टी को तोड़ दिया एवं महाराष्ट्र की राजनीति को दलदल बना दिया। शिवसेना ने कहा कि यह अजीब स्थिति है क्योंकि नेता मोदी के साथ मंच साझा कर रहे हैं और पार्टी कार्यकर्ता काले झंडे लेकर उनके खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के नेता अशोक चव्हाण ने कहा कि इस तरह की चीजें भ्रम की स्थिति पैदा करती हैं और पवार को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। चव्हाण ने कहा कि इस तरह के सम्मेलनों में शामिल होना गलत है, सभी प्रमुख विपक्षी दल इंडिया गठबंधन के अंतर्गत आते हैं। इस तरह की चीजें भ्रम की स्थिति पैदा करती हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर पवार जैसे वरिष्ठ नेता अपना रुख स्पष्ट कर देते हैं तो यह बेहतर रहेगा। कांग्रेस के नेता आपस में ही विरोधाभासी बयान दे रहे हैं। शरद पवार के कार्यक्रम में शामिल होने को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि शरद पवार का पुणे में आयोजित एक कार्यक्रम में पीएम मोदी के साथ मंच साझा करना उनका निजी फैसला है। एनसीपी में टूट के बाद पहली बार किसी कार्यक्रम में शरद पवार और अजित पवार एक साथ नजर आए। कार्यक्रम में पहले शरद पवार ने पीएम मोदी की पीठ थपथपाई। फिर पीएम मोदी ने अजित पवार की पीठ थपथपाई। शरद पवार और पीएम मोदी सात साल में पहली बार एक मंच पर दिखे।

कुछ अलग

गिरे तो प्रश्नों के पहाड़ भी

प्राकृतिक आपदा में पुनः याद आई पर्वतीय वास्तुकला एवं सुरक्षात्मक इंजीनियरिंग की। माननीय हाईकोर्ट ने जनहित याचिका का संज्ञान लेते हुए भारत सरकार के अटार्नी जनरल को नोटिस दिया है। 45 वर्ष के इंजीनियरिंग अनुभव रखने वाले याचिकाकर्ता, श्यामकांत धर्माधिकारी ने पहाड़ों पर इंजीनियरिंग की अनदेखी व गलती पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए अदालत से संज्ञान लेने की अरदास की थी, जिसे स्वीकार करते हुए हाईकोर्ट ने विषय की गंभीरता पर सुनवाई शुरू की है। पहाड़ों की कटाई, भूमिगत सुरंगों की लंबाई और पुलों के लिए खोदी गई सतह पर वैज्ञानिक तौर-तरीकों की अवहेलना का आरोप है। कहना न होगा कि कमोबेश यही सब प्रमाणित होकर सडक़ों के मलबे में समाहित हो रहा है। कल तक जिस लंबाई और चौड़ाई में चंडीगढ़ से मनाली और शिमला का सफर पींगें बढ़ा रहा था, वह आज उदास कहीं फंसा है। कालका-शिमला फोरलेन का 40 मीटर हिस्सा नदारद है, तो मनाली सडक़ पहले ही अपने विध्वंस की कहानी बन चुकी है। ऐसे में प्रश्नों के कई पहाड़ गिर रहे हैं और विकास का यह मॉडल कहीं न कहीं प्रश्नांकित जरूर हुआ है। पर्वत को समझने की राष्ट्रीय अनिवार्यता को इंगित करता हाईकोर्ट का नोटिस, भविष्य के प्रश्नों से मुखातिब है। चले तो हम शिमला को फोरलेन देने, लेकिन कहीं बीच में ही मंजिलें ढह गईं। नतीजतन चंडीगढ़ से शिमला की यात्रा लंबी और महंगी हो गई या वैकल्पिक मार्गों के सहारे प्रदेश की राजधानी को अपने नए रास्ते खोजने पड़ रहे हैं। जाहिर है विकास का सामथ्र्य इसकी प्रासंगिकता, गुणवत्ता और क्षमता निर्माण से सामने आता है। शिमला के लिए फोरलेन कई कारणों से आवश्यक समाधान रहा है, लेकिन पर्वत पर क्षमता निर्माण से जुड़ी गुणवत्ता का वैज्ञानिक अर्थ लाजिमी तौर पर किसी प्रतिज्ञा की तरह है। हम पर्यावरणीय चुनौतियों को नजरअंदाज करके या पर्वतीय शर्तों को भूलकर विकास करेंगे, तो खतरे जालिम की तरह व्यवहार करेंगे। शिमला की सडक़ ऊंचे पहाड़ से लड़ रही है, तो मनाली फोरलेन ब्यास नदी की धाराओं से मुकाबिल है। ऐसे में एक अनुभवी इंजीनियर ने जो प्रश्न उठाए हैं, उनसे बहुत कुछ रेखांकित होता है। यहां मुकाबला समय की रफ्तार और पर्वत के व्यवहार से भी है। स्वयं केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने मुआयना करके यह पाया है कि कुछ आधारभूत परिवर्तन करने होंगे। पर्वतीय विकास के विविध आयाम और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप पहाड़ की अपनी शैली और प्रस्तुति हो सकती है। दरअसल विकास के मानदंड और फिजीबिलिटी की राष्ट्रीय शर्तें पर्वत की प्राथमिकताओं को नहीं समझ पातीं। मामला सिर्फ विकास का नहीं रहता, बल्कि पहाड़ी परिवेश को बचाते हुए पर्वतीय विकास का है। विकास यहां सामान्य परिस्थिति नहीं, बल्कि मौसम की प्रतिकूलता का सामना करती जीवन शैली को बचाने की प्रतिबद्धता है। इस हिसाब से भले ही हिमाचल की दो प्रमुख फोरलेन परियोजनाओं को चोट लगी है, लेकिन यह गिर कर संभलने का वक्त है और इस हिसाब से केंद्र का तराजू बदलने की जरूरत भी है। यहां हिमाचल का विकास नहीं हारा, बल्कि राष्ट्रीय परियोजनाओं का ऐसा आधार हारा है जिसने अभी तक पर्वत को पर्वतीय अंचल की विवशताओं में नहीं निखारा। यह पर्वतीय तकनीक में नवाचार, शोध एवं अध्ययन तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुभव से भविष्य को रेखांकित करने की वचनबद्धता है। हिमाचल की सडक़ें ही नहीं, बल्कि आधुनिक निर्माण तथा जीवन शैली व जलवायु परिवर्तन को समझते हुए आगे बढने का मार्ग प्रशस्त करने की चुनौती है।

नागरिक बोध

पर्यावरण के बारे में उच्च विचार

पर्यावरण जैसे महामहत्त्वपूर्ण विषय पर आयोजित बैठक में मज़ा नहीं आया। पार्किंग सही नहीं मिली, दूसरे गलत समय पर तेज़ बारिश ने कार की ताज़ा पालिश खराब कर दी। हर बैठक में समोसे और गुलाब जामुन खाना अब बहुत ज़्यादा मिडल क्लास लगने लगा है। राष्ट्रवाद के चमकते युग में भी लोग मोमो, चाऊमिन, पिज्जा से आगे निकलकर जापानी, वियतनामी, कोरियन और इटैलियन खा रहे हैं, तो हम पिज्जा तो खा ही सकते हैं। विदेशी खाने से क्या होता है, विचार स्वदेशी होने चाहिएं। गरमी का मौसम है, ठंडा, चाय न मंगाकर कोल्ड काफी या कोल्ड टी मंगानी चाहिए, तब कहीं ग्लोबल वार्मिंग, बढ़ती जनसंख्या, महंगाई, वनों का कटान, बढ़ते वायु प्रदूषण, ग्लेशियर पिघलने बारे जम कर बात करने का माहौल बनता है। नदियों का पानी पीने के लिए प्रयोग हो रहा, बर्फ धीरे धीरे कम हो रही, इस बारे बात करना फिज़ूल है। यह सब तो कुदरत ने करना ही है। हमें पर्यावरण पर ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव कम करने पर गहरी संजीदा बात करनी है। हम निम्न स्तर के लोग सिर्फ बात कर सकते हैं। हरियाली को बढ़ावा देना व्यावहारिक रूप से मुश्किल है। कार्बन डाइऑक्साइड कम करने के लिए वनों की कटाई रोकने बारे सोचना हमारे बस में नहीं। वृक्षारोपण

समारोह में फोटो खिंचवाने वाले ज़्यादा और काम करने वाले बंदे कम होते हैं। मंत्रीजी को बुला लो तो उनके अनोखे नखरे सहने पड़ते हैं। वृक्षारोपण के दिन बारिश हो तो फोटोज़ अच्छी नहीं आती क्योंकि लोग साफ-सुथरे कपड़े पहनकर नहीं आते। वह विशेष पौधा भी खुश नहीं होता जिसे ख़ास हाथ ने गड्ढे में, सिर्फ रखना है। पौधे ज़मीन में फिट कर दो तो उनका वृक्ष के रूप में विकसित करना टेढ़ी खीर नहीं, टेढा काम होता है। वाहन का उपयोग कोई कम नहीं करता क्योंकि इससे बड़ी बड़ी कम्पनियां बंद होने का खतरा रहता है। अक्षय ऊर्जा बारे ज़्यादा लोगों को पता नहीं, अक्षय कुमार बारे ज़्यादा पता है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा पर भी वही ध्यान देता है जो फंस जाता है। पूरी दुनिया में पर्यावरण क्या, वातावरण भी गर्म है। प्रदूषण के लिए गंभीर होकर देख लिया, इस बार ज़्यादा गंभीर होने बारे प्रस्ताव पास करके देखते हैं। ज़्यादा लंबा जुलूस निकालेंगे। संकल्प लेने का अर्थ, सिर्फ मुंह से चुने हुए कुछ शब्द बोलना है। हिंदी का, हमारा उच्चारण वैसे भी खराब है। अंग्रेज़ी भी कहां बेहतर है। शब्दों का उच्चारण दिल से और ठीक से न किया जाए तो असर कहां रहता है। रहना तो नहीं चाहिए, रहता भी नहीं होगा। इस बार 'वृक्ष प्रत्यारोपण योजना' अपनाने का सीमेंट जैसा इरादा है। जहां निर्माण कार्य होना हो, वहां के पेड़ उखाड़ कर दूसरी जगह लगा दिए जाएं। एक विशेषज्ञ समिति बनाकर अनुमोदित करा लेंगे कि वृक्ष दूसरी जगह पनप जाएंगे। नहीं पनपे तो दोष नालायक जड़, हर लम्हा बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग, रोजाना बदलते वातावरण, शातिर मौसम, असामयिक बारिश व विपक्ष को दे देंगे। वृक्ष प्रत्यारोपण योजना लोकतान्त्रिक हो जाए तो नए व्यवसाय जान पकड़ेंगे। प्रकृति प्रेमी ठेकेदार भी उगेंगे। थोड़ी बहुत दिक्कतें तो नए काम में आती ही हैं, फिर राजनीति माता कब काम आएगी। इन विचारों से समझ आता है कि पर्यावरण विचार विमर्श में अभी अनेक संभावनाएं हैं और बारिश के मौसम में कार पर चसपॉलिश नहीं करवानी चाहिए।

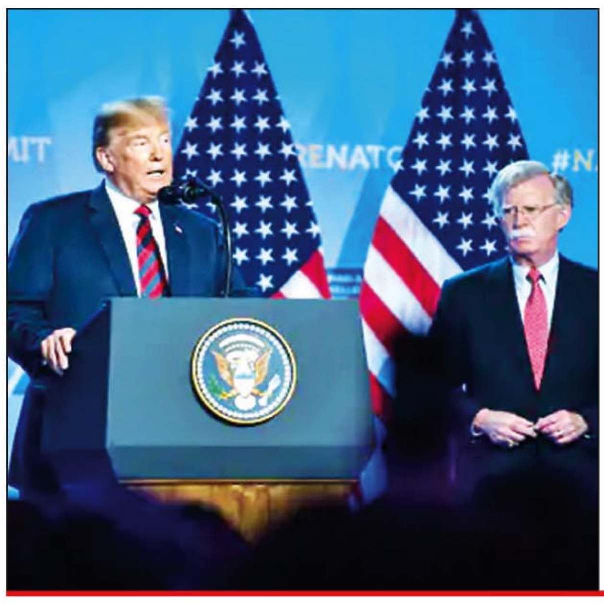

ट्रम्प राष्ट्रपति बने तो नाटो से बाहर हो जाएगा अमेरिका: यूएस के पूर्व एनएसए बोले- डोनाल्ड ट्रम्प के अपने कोई विचार नहीं, वो तर्कहीन हैं

वॉशिंगटन। अमेरिका में अगर डोनाल्ड ट्रम्प फिर से राष्ट्रपति बनते हैं तो अमेरिका नाटो को छोड़ सकता है। ये कहना है अमेरिका के पूर्व एनएसए जॉन बोल्टन का। अमेरिकी मीडिया द हिल में लिखे एक आर्टिकल में उबोल्टन ने कहा- अपने पहले कार्यकाल में भी नाटो के अस्तित्व को ट्रम्प से खतरा था। अब अगर वो फिर से राष्ट्रपति बने तो हम जाहिर तौर पर संगठन से बाहर हो जाएंगे। इसके अलावा पूर्व एनएसए ने ट्रम्प को अस्थिर और तर्कहीन भी बताया। उन्होंने कहा- ट्रम्प के खुद के कोई विचार नहीं हैं। जब वो राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर फैसले लेते हैं तो वो पॉलिसी के बारे में नहीं सोचते हैं। ट्रंप की विदेश नीति के फैसलों की प्रशंसा करने वाले रिपब्लिकन भी अमेरिकी विदेश नीति को नहीं समझते हैं।

बोल्टन बोले- ट्रम्प को उन बातों का क्रेडिट मिला जिसे वे लागू भी नहीं करना चाहते थे

जॉन बोल्टन अप्रैल 2018 से सितंबर 2019 तक ट्रम्प के एनएसए थे। बोल्टन ने कहा- अगर अमेरिका में ट्रम्प की विदेश नीतियों के हिसाब से काम हुआ होता तो पिछले दशक में हम जिस मुकाम तक पहुंचे हैं, वहां कभी नहीं जा पाते। ऐसी कई चीजें हैं जिन्हें ट्रम्प ने ना चाहते हुए लागू किया और उन्हें उसका क्रेडिट दिया जा रहा है। ट्रम्प दूसरे देशों के साथ अमेरिका के रिश्तों को देश के हितों से जोड़ने की जगह अपने निजी रिश्तों के आधार पर देखते थे। बोल्टन ने ये भी खुलासा किया कि ट्रम्प नेगेटिव मीडिया कवरेज से बहुत डरते हैं। जब उनके किसी फैसले की वजह से चीजें खराब होने लगती हैं या उनके फैसलों की आलोचना होती है तो वो अपने ही फैसलों से दूर हो जाते हैं।

पूर्व एनएसए ने कहा- ट्रम्प घमंडी और अनुशासनहीन हैं

विदेशी लीडर्स, चाहे वो दोस्त हों या दुश्मन, सभी ज्यादातर ट्रम्प को एक घमंडी और अनुभवहीन नेता के तौर पर देखते थे जिसे कई जरूरी मुद्दों के बारे में जानकारी नहीं होती है। इन सब वजहों से उनके पहले कार्यकाल के वक्त भी रिस्क था और अगर भविष्य में वो दोबारा राष्ट्रपति चुने जाते हैं तो फॉरेन पॉलिसी के मामले में देश पर खतरा बढ़ सकता है। बता दें कि हाल ही डोनाल्ड ट्रम्प पर अमेरिकी संसद कैपिटल हिल पर हिंसा के मामले में क्रिमिनल केस दर्ज किया गया है। इससे पहले पिछले 5 महीनों में ट्रम्प पर 2 और मामलों में क्रिमिनल केस हो चुका है। इन केस में ट्रम्प को अधिकतम 20 साल की जेल की सजा का प्रावधान है।

नाटो की नींव कैसे पड़ी थी

दूसरे विश्व युद्ध के बाद सोवियत संघ को रोकने के लिए अमेरिकी और यूरोपीय देशों ने सैन्य गठबंधन बनाया था, जिसे नाटो के नाम से जाना जाता है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद सोवियत संघ और अमेरिका दो सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरे, जो दुनिया पर अपना दबदबा कायम करना चाहते थे।

न्यूज ब्रीफ

ईरान में और सख्त होगा हिजाब कानून: एआई से निगरानी, 10 साल जेल; कस्टडी में मारी गई महसा की डेथ एनिवर्सरी पर नया बिल

तेहरान। ईरान में पिछले साल ठीक से हिजाब न पहनने के चलते मॉरल पुलिस ने महसा अमीनी नाम की महिला को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद देश में बड़े स्तर पर हिजाब प्रदर्शन शुरू हुआ। 16 सितंबर को महसा की मौत को एक साल हो जाएगा। इस मौके पर ईरान की सरकार हिजाब को लेकर और सख्त नियम बनाने की तैयारी में है। नए विधेयक में हिजाब न पहनने वालों की सजा को अधिकतम 2 महीने से बढ़ाकर 10 साल कर दिया जाएगा। इसके अलावा हिजाब न पहनने वाली महिलाओं को ट्रैक करने के लिए एआई की मदद भी ली जाएगी। वहीं फिलहाल अधिकतम जुर्माना 1 हजार रुपए है, जिसे 70 हजार करने की तैयारी है। कानून तोड़ने वाले बिजनेसमैन को अपनी 3 महीने की कमाई जितना जुर्माना या देश से निकाले जाने की सजा मिल सकती है। हिजाब कानून का विरोध करने पर सेलिब्रेटीज की संपत्ति का 10वां हिस्सा दंड के रूप में वसूला जा सकता है। उनके इंटरनेशनल टूर पर भी प्रतिबंध का प्रावधान होगा। नए बिल को बोर्ड ऑफ गवर्नर्स को सौंप दिया गया है अब यह संसद में पेश किया जाएगा। माना जा रहा है कि आसानी से पास भी हो जाएगा। संसद से पास होने के बाद बिल 12 मेंबर वाली गार्जियन काउंसिल के पास जाएगा।

ब्लैक सी तक फिर पहुंची रूस-यूक्रेन जंग: 450 किलो डाइनामाइट से रूसी जहाज पर यूक्रेनी अटैक; रूस बोला- हमने हमला नाकाम किया

मॉस्को। यूक्रेन ने दावा किया है कि उन्होंने ब्लैक सी में रूसी जहाज पर हमला किया है। ये अटैक रूस के नोवोरोससिक पोर्ट के पास हुआ। इससे ग्रेन डील खत्म होने के बाद एक बार फिर रूस-यूक्रेन जंग ब्लैक सी तक पहुंच गई है। जिस पोर्ट पर हमला हुआ वो रूस के निर्यात का बड़ा हब है। यूक्रेन ने अटैक का एक वीडियो भी जारी किया है। इसमें एक समुद्री ड्रोन एक जहाज से टकराते हुए देखा जा सकता है। यूक्रेन ने बताया है कि जब ड्रोन रूसी जहाज से टकराया तो उसमें 450 किलो डाइनामाइट था। हालांकि, रूस ने ड्रोन से हुए किसी भी नुकसान से इनकार किया है। वहीं, रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन ड्रोन जिस रूसी शिप से टकराया वो ओलेनोगोर्सकी गोर्नयाक है, जो एक लैंडिंग शिप है। इसे सैनिकों और कार्गो को ले जाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। एक तरफ जहां यूक्रेन ने ब्लैक सी में रूस के जहाज पर अटैक करने का दावा किया है। वहीं, रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू का कहना है कि उन्होंने क्रीमिया पर हमला करने जा रहे 10 यूक्रेनी ड्रोन को तबाह कर दिया। फिलहाल रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू जंग के मैदान का जायजा लेने फ्रंट लाइन्स पर हैं। यहां उन्होंने रूसी कमांडरों से जंग से जुड़ी लेटेस्ट जानकारी ली है। इससे पहले रूस ने कहा था कि उन्होंने ब्लैक सी में रूसी नौसेना के बेस पर यूक्रेनी हमले को नाकाम कर दिया।

बॉडी डिटॉक्स करना वेलनेस इंडस्ट्री का फैलाया एक भ्रम: शरीर की सफाई के लिए लिवर-किडनी काफी; ज्यादा एक्सरसाइज भी जान ले सकती है

लंदन। सोशल मीडिया पर चल रहा अनियंत्रित वेलनेस उद्योग सुपर फिट होने के अवैज्ञानिक तरीके बता रहा है। ब्रिटेन की वरिष्ठ न्यूट्रीशियनिस्ट टीसी कॉलिस कहती हैं कि बॉडी डिटॉक्सिंग जैसा कुछ होता ही नहीं है। भूखे रखकर बॉडी डिटॉक्स करना वेलनेस इंडस्ट्री का फैलाया भ्रम है। लिवर और किडनी शरीर की सफाई के लिए काफी हैं। हां, पौष्टिक और स्वस्थ खाना जरूरी है। 39 साल की रूसी फिटनेस इंफ्लुएंसर जाना सैमसोनोवा की हाल ही में लंबे समय तक वीगन और सिर्फ कच्चा खाने से मौत हो गई। दरअसल, लोगों में ऑर्थोरेक्सिया की प्रवृति विकसित हो रही है यानी स्वस्थ माने जाने वाले खाने के प्रति सनक। यह सनक 2-3 साल में तेजी से बढ़ी है। अभी दुनिया भर में वेलनेस इंडस्ट्री बढ़कर 294 लाख करोड़ की हो गई है। फिटनेस इन्फ्लुएंसर जो लिंडर की मौत ज्यादा व्यायाम करने से हुई। फिटनेस इंडस्ट्री ने पतले होने को फिटनेस का पैमाना प्रचारित किया है। ज्यादा व्यायाम से रहैब्डोमायोलिस हो रहा है। इसमें मांसपेशियों से प्रोटीन खून में जा रहा है, जिससे किडनी फेल हो सकती है।

इमरान को तोशाखाना केस में 3 साल जेल

फैसले के बाद लाहौर से गिरफ्तार, 5 साल चुनाव नहीं लड़ पाएंगे पूर्व पाक पीएम

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को तोशाखाना केस में गिरफ्तार कर लिया गया है। लाहौर पुलिस ने पीटीआई चेयरमैन को उनके जमान पार्क स्थित घर से अरेस्ट किया। इस्लामाबाद की ट्रायल कोर्ट ने उन्हें 3 साल की सजा सुनाई है। साथ ही अगले 5 साल तक वो चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। कोर्ट ने पूर्व पाकिस्तानी पीएम पर एक लाख पाकिस्तानी रुपए का जुर्माना भी लगाया है। इमरान की पार्टी खान को लाहौर की कोट लखपत जेल ले जाया गया है। फैसले के वक्त कोर्ट ने कहा- पीटीआई चेयरमैन इमरान ने तोशाखाना मामले में पाकिस्तान के चुनाव आयोग को गलत जानकारी दी थी। वो भ्रष्टाचार में लिप्त थे। अदालत ने सुनवाई के बाद फैसला रिजर्व कर लिया था।

हाईकोर्ट में फैसले को चुनौती दे सकते हैं खान

इसके बाद भी जब इमरान कोर्ट नहीं पहुंचे तो एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज हुमायूं दिलावर ने फैसला सुना दिया। अब इमरान खान ट्रायल कोर्ट के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दे सकते हैं। फैसला आने से पहले खान ने मामले की सुनवाई के लिए हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में अर्जी लगाई थी, लेकिन दोनों ही अदालतों ने कहा था कि ट्रायल कोर्ट में सुनवाई पूरी होने से पहले वो इसमें दखल नहीं देंगे।

पत्नी बुशरा भी आरोपी

तोशाखाना केस दो तरह से चल रहा है। इसमें इमरान की सुनवाई अदालत में हो रही है। इसके अलावा उनकी पत्नी बुशरा बीबी को एंटी करप्शन एजेंसी पूछताछ के लिए बुला रही है, क्योंकि तोशाखाना के करोड़ों रुपए के तोहफे बुशरा ने ही बेचने के लिए दिए थे। बुशरा बीबी को भी जांच एजेंसी के सामने पेश होना है। अब तक कुल 13 बार बुशरा को जांच एजेंसी ने पेश होने के लिए नोटिस दिया है, लेकिन वो एक भी बार पेश नहीं हुई। इसके बाद जांच एजेंसी ने अखबारों में एक इश्तिहार निकलवाया और कहा कि अगर बुशरा बीबी पेश नहीं हुई तो उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया जाएगा। इसके बाद इमरान ने एक पिटीशन लाहौर

हाईकोर्ट में दायर की थी। कहा- मेरी पत्नी घरेलू महिला हैं और उनका सियासत से कोई ताल्लुक नहीं है। लिहाजा, उन्हें पूछताछ से राहत दी जाए। दूसरी तरफ, इसी रिपोर्ट में कहा गया है कि इमरान के खिलाफ बेहद पुख्ता सबूत हैं और यही वजह है कि वो किसी न किसी बहाने से सुनवाई को लंबे वक्त तक लटकाना चाहते हैं।

अब तोशाखाना केस को तफ्सील से समझिए

चुनाव आयोग के सामने सत्ताधारी पाकिस्तानी डेमोक्रेटिक मूवमेंट ने तोशाखाना गिफ्ट मामला उठाया था। कहा था कि इमरान ने अपने कार्यकाल के दौरान विभिन्न देशों से मिले गिफ्ट को बेच दिया था। इमरान ने चुनाव आयोग को बताया था कि उन्होंने तोशाखाने से इन सभी गिफ्ट्स को 2.15 करोड़ रुपए में खरीदा था, बेचने पर उन्हें 5.8 करोड़ रुपए मिले थे। बाद में खुलासा हुआ कि यह रकम 20 करोड़ से ज्यादा थी। करीब दो साल पहले अबरार खालिद नाम के एक पाकिस्तानी शख्स ने इन्फॉर्मेशन कमीशन में एक अर्जी दायर की थी। कहा- इमरान को दूसरे देशों से मिले गिफ्ट्स की जानकारी दी जाए। जवाब मिला- गिफ्ट्स की जानकारी नहीं दी जा सकती। खालिद भी जिद्दी निकले। उन्होंने इस्लामाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने इमरान से पूछा था- आप तोहफों की जानकारी क्यों नहीं देते इस पर खान के वकील का जवाब था- इससे मुल्क की सलामती यानी सुरक्षा को खतरा है। दूसरे देशों से रिश्ते खराब हो सकते हैं। इसलिए अवाम को दूसरे देशों से मिले तोहफों की जानकारी नहीं दे सकते।

तोशाखाना का नियम क्या है

पाकिस्तान की पत्रकार आलिया शाह के मुताबिक पाकिस्तान में प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति या दूसरे पद पर रहने वालों को मिले तोहफों की जानकारी नेशनल आर्काइव को देनी होती है। इन्हें तोशाखाना में जमा कराना होता है। अगर तोहफा 10 हजार पाकिस्तानी रुपए की कीमत वाला होता है तो बिना कोई पैसा चुकाए इसे संबंधित व्यक्ति रख सकता है। तोहफे की अनुमानित कीमत अगर 10 हजार से ज्यादा है तो 20प्रतिशत कीमत देकर गिफ्ट अपने पास रखा जा सकता है। अगर 4 लाख से ज्यादा का गिफ्ट है तो इसे सिर्फ वजीर-ए-आजम (प्रधानमंत्री) या सदर-ए-रियासत (राष्ट्रपति) ही खरीद सकता है। अगर कोई नहीं खरीदता तो नीलामी होती है। इमरान ने यहां भी खेल कर दिया। 2 करोड़ का तोहफा कहीं 5 लाख तो कहीं 7 लाख का बता दिया। इसी कीमत पर इन्हें खरीदा और फिर ओरिजिनल कीमत से भी कई गुना ज्यादा पर बेच दिया। यह काम जुल्फी बुखारी और बुशरा बीबी की दोस्त फराह खान उर्फ फराह गोगी ने किया था। एक और खास बात यह है कि फराह गोगी उसी दिन (10 अप्रैल 2022) पाकिस्तान से एक प्राइवेट जेट से फरार होकर दुबई पहुंच गई थीं, जिस दिन इमरान खान की सरकार गिरी थी।

अल-कादिर ट्रस्ट केस में गिरफ्तार हो चुके हैं इमरान

इमरान को 9 मई को इस्लामाबाद हाईकोर्ट के बायोमेट्रिक रूम से नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो के वारंट पर पैरामिलिट्री फोर्स ने गिरफ्तार किया था। हाईकोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी को कानूनन सही ठहराते हुए एनएबी को 8 दिन के फिजिकल रिमांड पर सौंप दिया। खान की गिरफ्तारी अल-कादिर ट्रस्ट स्कैम में की गई थी। सरकार का आरोप था कि यह 60 अरब पाकिस्तानी रुपए का घोटाला है। इनमें से 40 अरब तो ब्रिटिश सरकार ने पाकिस्तान को दिए थे। इमरान तब प्रधानमंत्री थे, उन्होंने कैबिनेट से भी इस मामले को छिपा लिया था।

युद्ध के बीच पुतिन का तुर्किये दौरा

एर्दोगन बोले- तारीख तय नहीं, लेकिन उम्मीद है कि इसी महीने आएंगे

इस्तांबुल (तुर्किये)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की आगामी तुर्किये यात्रा को लेकर राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने कहा कि कोई तारीख तय नहीं की गई है, लेकिन बातचीत चल रही है और पुतिन के अगस्त में आने की उम्मीद है। एर्दोगन ने इस्तांबुल में नमाज के बाद संवाददाताओं से कहा कि तारीख स्पष्ट नहीं है, लेकिन विदेश मंत्री, खुफिया संगठन के प्रमुख, वे सभी बातचीत कर रहे हैं। एर्दोगन ने कहा, इन वार्ताओं की रूपरेखा के भीतर, मुझे लगता है कि यह यात्रा उम्मीद के मुताबिक अगस्त में ही होगी। एर्दोगन का यह बयान पुतिन के साथ एक फोन कॉल के बाद आया है। बाचतीच के दौरान वे सहमत हुए हैं कि पुतिन आने वाले दिनों में तुर्किये का दौरा करेंगे। एर्दोगन ने पुतिन से यह भी कहा कि तुर्किये काला सागर अनाज सौदे को फिर से शुरू करने के लिए अपने गहन प्रयास और कूटनीति जारी रखेगा। रूस 17 जुलाई को यूक्रेनी काला सागर बंदरगाहों से अनाज निर्यात को बहाल करने के लिए तुर्किये, संयुक्त राष्ट्र और यूक्रेन के साथ जुलाई 2022 में किए गए समझौते से पीछे हट गया। मॉस्को ने इस बात पर विरोध जताया कि समझौते के रूसी हिस्से का पालन नहीं किया गया। अफ्रीकी देशों को मुफ्त में अनाज भेजने की पुतिन की हालिया पेशकश पर एर्दोगन ने कहा, हम इस मुद्दे पर रूस के साथ हैं, यानी हम काला सागर गलियारे के माध्यम से रूस से आने वाले अनाज को आटे में बदल देंगे और हम इस आटे को गरीब अफ्रीकी देशों और अविकसित देशों तक पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा, अब भी तुर्किये ये कदम

उठाता रहेगा और गरीब देशों को अपना समर्थन और सहायता देता रहेगा। बयान के मुताबिक, फोन पर बातचीत के दौरान दोनों नेता पुतिन की तुर्किये यात्रा पर भी सहमत हुए। बयान में कहा गया है, यह व्यक्त करते हुए कि रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान तनाव बढ़ाने के लिए कदम नहीं उठाए जाने चाहिए, राष्ट्रपति एर्दोगन ने काला सागर पहल के महत्व को रेखांकित किया, जिसे वह शांति का पुल मानते हैं। बयान में आगे कहा गया है, यह इंगित करते हुए कि काला सागर पहल के ज्यादा दिनों तक बंद होने से किसी को कोई लाभ नहीं होगा और अनाज की जरूरत वाले और कम आय वाले देशों को सबसे अधिक नुकसान होगा। राष्ट्रपति एर्दोगन ने बताया कि अनाज की कीमतें, जो कार्यान्वयन अवधि के दौरान 23 प्रतिशत कम हुई थीं, पिछले दो हफ्तों में 15 प्रतिशत बढ़ गईं। बयान में कहा गया, राष्ट्रपति एर्दोगन ने कहा कि तुर्किये काला सागर पहल को जारी रखने के लिए गहन प्रयास और कूटनीति जारी रखेगा। एर्दोगन ने जंगल की आग के खिलाफ लड़ाई के लिए रूस द्वारा तुर्किये को भेजे गए दो उभयचर अग्निशमन विमानों के लिए अपने रूसी समकक्ष को धन्यवाद भी दिया।

एनएसए अजित डोवाल पहुंचे जेद्दा, सऊदी अरब की मेजबानी में यूक्रेन शांति वार्ता में होंगे शामिल

जेद्दा (सऊदी अरब)। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोवाल रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध पर चर्चा के लिए सऊदी अरब की मेजबानी में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों और अन्य अधिकारियों के एक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए जेद्दा पहुंचे हैं। सऊदी अरब में भारतीय राजदूत सुहेल खान और महावाणिज्यदूत मोहम्मद शाहिद आलम ने जेद्दा हवाईअड्डे पर डोवाल का स्वागत किया। रियाद में स्थित भारतीय दूतावास ने ट्वीट कर कहा, एनएसए अजित डोवाल यूक्रेन पर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए जेद्दा पहुंचे। जेद्दा हवाईअड्डे पर राजदूत डॉ. सुहेल खान और महावाणिज्य दूत मोहम्मद शाहिद आलम ने उनका स्वागत किया। रूस के साथ चल रहे संघर्ष के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की शांति योजना पर चर्चा के लिए तटीय शहर जेद्दा में बैठक का आयोजन किया जा रहा है। विदेश मंत्रालय ने शिखर सम्मेलन में भारत की भागीदारी की पुष्टि की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, भारत इस कार्यक्रम में भाग लेगा और हमारी भागीदारी हमारी लंबे समय से चली आ रही स्थिति के अनुरूप है कि बातचीत और कूटनीति ही आगे बढ़ने का रास्ता है। बागची ने

विदेश मंत्रालय की एक प्रेस वार्ता में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, हां, भारत को जेद्दा में यूक्रेन पर सऊदी अरब द्वारा आयोजित बैठक में आमंत्रित किया गया है। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी ने क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव के हवाले से कहा, रूस इस बैठक पर नजर रखेगा, लेकिन उसे पूरी तरह से समझने की जरूरत होगी कि क्या लक्ष्य निर्धारित किए जा रहे हैं। एक अमेरिकी अखबार ने 29 जुलाई को पहली बार चर्चा में शामिल राजनयिकों का हवाला देते हुए शिखर सम्मेलन की रिपोर्ट दी और कहा कि वार्ता पांच और छह अगस्त को जेद्दा शहर में होगी, जिसमें लगभग 30 देश भाग लेंगे। अखबार ने यह भी कहा कि यूक्रेन और पश्चिमी देशों के अधिकारियों को उम्मीद है कि संघर्ष को खत्म करने का प्रयास इस साल के अंत में एक शांति शिखर सम्मेलन के रूप में समाप्त हो सकते हैं।

यूएन में पाकिस्तान ने फिर उठाया कश्मीर मुद्दा: भारत बोला- ऐसे लोगों से बहस का मतलब नहीं, ये हर बार भटकाते हैं... अपने मसले देखो

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने एक बार फिर कश्मीर को लेकर पाकिस्तान को हिदायत दी है। भारत ने कहा है कि बार-बार कश्मीर राग अलापने की जगह पाकिस्तान को अपने देश पर ध्यान देना चाहिए। दरअसल, एक मीटिंग के दौरान पाकिस्तान ने फिर से कश्मीर का मुद्दा उठाया। इस पर यूएन मिशन में मौजूद भारत के काउंसलर आर मधुसूदन ने कहा कि इस परिषद के समय का सही इस्तेमाल तभी हो पाएगा जब दूसरे देशों के डेलिगेशन मेरे देश पर आरोप लगाने की बजाय अपने मुल्क के मसलों पर ध्यान दें। एक डेलिगेशन ने फिर से इस फोरम का इस्तेमाल फूड सिक्योरिटी जैसे जरूरी मुद्दे से भटकाने के लिए किया है। वे बार-बार अपने एजेंडा के लिए यूएन काउंसिल का ध्यान भटकाने की कोशिश करते रहते हैं।

भारत पर इल्जाम लगाना बंद करे पाकिस्तान

भारत की एकता और अखंडता पर जोर देते हुए मधुसूदन ने कहा- ऐसे लोगों से बहस करने का कोई मतलब नहीं है, जो अपने गलत मकसद को पूरा करने के लिए आतंक का सहारा लेते हैं। पाकिस्तान को भारत पर इल्जाम लगाने की जगह अपने देश की समस्याओं पर ध्यान देने की जरूरत है। जम्मू-कश्मीर भारत का हिस्सा था और हमेशा बना रहेगा। दूसरी तरफ, जम्मू-कश्मीर की पूर्व ष्ट्रू महबूबा मुफ्ती ने कहा कि उन्हें अन्य पीडीपी नेताओं के साथ नजरबंद कर दिया गया है। साथ ही उन्होंने पुलिस पर पार्टी कार्यकर्ताओं को अवैध तरीके से हिरासत में लेने की बात कही। भारत ने यूएनएससी में कहा था- पाकिस्तान कट्टरता में डूबा, उसकी सोच से फर्क नहीं पड़ता इससे पहले जुलाई में भी भारत ने यूएनएससी में पाकिस्तान को लताड़ा था। ब्रिटेन में हुई यूएनएससी की एक बैठक में पाकिस्तान ने फिर जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया था। इस पर यूएन में भारत के मिशन काउंसलर आशीष शर्मा ने कहा था- लद्दाख और जम्मू-कश्मीर हमेशा भारत का अभिन्न हिस्सा थे और रहेंगे। इस पर पाकिस्तान क्या सोचता या चाहता है इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आशीष शर्मा ने कहा था- यूएनएससी में एक डेलिगेशन ने मेरे देश के खिलाफ जहर उगला है, जो राजनीति से प्रेरित है। हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे। जो लोग खुद कट्टरता में डूबे हुए हैं वो भारत के समाज और यहां रह रहे अलग-अलग समुदाय के लोगों की एकता को नहीं समझ सकते। हम इस तरह के बयान की कड़ी निंदा करते हैं।

भारत से बातचीत को तैयार पाक पीएम

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने कुछ दिन पहले कहा था कि वो भारत से बातचीत करने के लिए तैयार हैं। शरीफ ने कहा था- हम अपने उस पड़ोसी से भी बातचीत करना चाहते हैं, जिसके साथ हमने तीन जंग लड़ीं। जरूरी ये है कि गंभीर मुद्दों पर सामने वाला भी उतनी ही गंभीरता से बातचीत करे। शाहबाज ने कहा था- जंग से किसी मसले का हल नहीं निकल सकता। दोनों मुल्क एटमी ताकत हैं।

भारत को इजराइल से मिली स्पाइक एनलोस मिसाइल

ये पहाड़ों में छिपे दुश्मन पर हमला कर सकती है; यूक्रेन जंग में भी हो रहा इस्तेमाल

तेल अवीव। पहाड़ी इलाकों में दुश्मन के ठिकानों को तबाह करने के लिए भारत को इजराइल से स्पाइक एनलोस मिसाइल मिली हैं। ये 30 किलोमीटर की दूरी तक अपने टारगेट को हिट कर सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इसका ट्रायल जल्द शुरू होगा। एजेंसी के सूत्रों के मुताबिक एनलोस (नॉन लाइन ऑफ साइट) मिसाइलों को अब रूस के हेलिकॉप्टर में फिट किया जाएगा। इससे उन लंबी दूरी के टारगेट्स को हिट किया जा सकेगा जो पहाड़ों में छिपे होते हैं। भारतीय वायुसेना ने 2 साल पहले इन मिसाइलों में अपनी दिलचस्पी जाहिर की थी। तब चीन ने ईस्टर्न लद्दाख सेक्टर के करीब बड़ी संख्या में टैंक और दूसरे लड़ाकू वाहन तैनात करना शुरू कर दिया था।

यूक्रेन जंग में भी हो रहा ऐसी मिसाइलों का इस्तेमाल

फिलहाल सरकार ने सीमित संख्या में एनलोस मिसाइलें ऑर्डर की हैं। बाद में इन्हें मेक इन इंडिया के तहत ज्यादा संख्या में हासिल किया जाएगा। रूस के खिलाफ यूक्रेन भी इस तरह की एंटी टैंक और एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइलों को इस्तेमाल कर रहा है। ये उसे यूरोपीय देशों और अमेरिका से हासिल हुई हैं।

हवा से दागीं गई एनलोस मिसाइलें न सिर्फ दूरी से बल्कि जंग के मैदान में ग्राउंड टारगेट पर कम दूरी पर रहकर भी दुश्मन की सेना को नुकसान पहुंचाने में सक्षम हैं। पिछले 2 सालों में चीन से बढ़ी तनातनी के बीच भारतीय सेना और वायु सेना तेजी से अपने हथियारों के जखीरे को बढ़ा रही है। इनमें विदेशी और देश में बने हथियारों को इकट्ठा किया जा रहा है।

कई युद्धों में इस्तेमाल हो चुकी है स्पाइक मिसाइल

इजराइल स्पाइक मिसाइल के अलग-अलग वेरिएंट्स ने दुनियाभर में कई युद्धों में अपनी ताकत दिखाई है। स्पाइक मिसाइल ने लेबनान युद्ध, इराक युद्ध, अफगानिस्तान युद्ध, इज़राइल-गाजा संघर्ष और 2020 नागोर्नो-काराबाख संघर्ष में अहम भूमिका निभाई। मिसाइल को 1970 के दशक में डिजाइन किया गया था। यह 1981 से ही सेना में शामिल है। वर्तमान में इस मिसाइल की चौथी जनरेशन का इस्तेमाल किया जा रहा है।

स्पाइक एनलोस की एक यूनिट की कीमत 2.10 लाख डॉलर (करीब 1.74 करोड़ रुपए) है। 2017 तक इसकी 28,500 यूनिट बनाई जा चुकी हैं। स्पाइक एनलोस की छठी जेनरेशन को जून 2022 में राफेल से टेस्ट किया गया, जिसकी रेंज 50 किलोमीटर तक बताई गई थी।

इजराइल के साथ मीडियम रेंज का मिसाइल सिस्टम बना चुका भारत

इससे पहले भारत इजराइल के साथ मिलकर मीडियम रेंज का मिसाइल सिस्टम बना चुका है, जिसकी रेंज 70 किलोमीटर है। अब इसके बाद लॉन्ग रेंज एयर डिफेंस सिस्टम को डेवलप करने की तैयारी है। डिफेंस सिस्टम डेवलप करने के बाद भारत दुश्मन के ड्रोन और लड़ाकू विमानों को हवा में ही निशाना बना सकेगा। इस तरह की स्वदेशी तकनीकी क्षमता दुनिया के चुनिंदा देशों के पास ही है। इस मिसाइल सिस्टम में जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की तीन लेयर होंगी, जिससे डिफरेंट रेंज तक टारगेट को हिट किया जा सकेगा। अधिकतम रेंज 400 किलोमीटर होगी।

देश में रूस जैसा मिसाइल डिफेंस सिस्टम बनाने की तैयारी

भारत लंबी दूरी तक जमीन से हवा में मार करने वाला रूस के एस-400 जैसा डिफेंस सिस्टम बनाने की तैयारी में है। यह 400 किलोमीटर तक दुश्मन के एयरक्राफ्ट को मार गिराने में सक्षम होगा।

प्रधानमंत्री आज वर्चुअली करेंगे रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यों का शुभारंभ

चंडीगढ़ (हिंस)। देश में रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए शुरू की गई अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 06 अगस्त को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से देशभर के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यों की आधारशिला रखेंगे। इस योजना के तहत हरियाणा के भी 15 रेलवे स्टेशनों को शामिल किया गया है, जिनका विकास व आधुनिकीकरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इस योजना के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे सार्वजनिक परिवहन सेवा को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा के 15 रेलवे स्टेशनों के अलावा आगामी चरणों में अन्य स्टेशनों का भी विकास किया जाएगा। राष्ट्रीय समारोह का सभी रेलवे स्टेशनों/कार्यक्रम स्थलों पर सीधा प्रसारण किया जाएगा। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशनों पर शौचालय, वेटिंग एरिया/हॉल, मुफ्त वाई-फाई सुविधा, उत्पादों के लिए कियोस्क इत्यादि कई प्रकार की सुविधाओं सहित स्टेशनों का कायाकल्प किया जाएगा।

नूंह हिंसा की आड़ में साइबर पुलिस स्टेशन पर था सुनियोजित हमला

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा पुलिस ने दावा किया है कि नूंह हिंसा के दौरान हमलावरों के निशाने पर साइबर पुलिस थाना था। उपद्रवी इस हमले की आड़ में सबूत नष्ट करना चाहते थे। हरियाणा पुलिस मुख्यालय के प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि नूंह जिला में साइबर क्राइम को अपना पेशा बनाने वाले अपराधियों पर नकेल कसने के लिए हरियाणा पुलिस बड़े पैमाने पर कार्रवाई कर रही है। अप्रैल माह में पुलिस ने नूंह में साइबर जालसाजों के ठिकानों पर एक साथ रेड कर लगभग 100 करोड़ रुपए की साइबर ठगी का खुलासा किया था। यह अपनी तरह की अब तक की सबसे बड़ी छापेमारी थी और इसमें कुल पांच हजार जवान और अधिकारी शामिल थे, जिन्होंने नूंह जिले के 14 गांवों में फैले 320 साइबर अपराधियों के ठिकानों पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान 65 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया और अन्य 25 साइबर अपराधियों को छापेमारी से पहले और छापेमारी के बाद की अवधि में गिरफ्तार किया गया। इस दौरान 66 मोबाइल डिवाइस और 5 माइको एटीएम मशीनों सहित बड़ी संख्या में आईटी डिवाइस जब्त किए गए। 739 फर्जी सिम, 307 फर्जी बैंक खाते और 199 यूपीआई हैंडल के विवरण सहित कई फर्जी दस्तावेजों का खुलासा हुआ। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों नूंह में हुई हिंसा की आड़ में इस छापेमारी के दौरान जुटाए गए सबूतों को मिटाने की कोशिश की गई और साइबर पुलिस स्टेशन पर सुनियोजित हमला किया गया। नूंह का यह साइबर पुलिस स्टेशन दो साल पहले ही बन कर तैयार हुआ है। साइबर स्टेशन में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी और दूसरे आपराधिक दस्तावेज थे। हरियाणा सरकार ने साइबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए कई कदम उठाए हैं। हर पुलिस स्टेशन में एक, कुल मिलाकर 318 साइबर हेल्प डेस्क स्थापित किए हैं। इन पर लगभग 700 प्रशिक्षित पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। राज्य में 29 साइबर पुलिस स्टेशन स्थापित किए गए हैं।

नूंह हिंसा में अब तक 104 एफआईआर दर्ज : विज

अबतक 216 की गिरफ्तारी, 80 लोग हिरासत में

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने नूंह में हुई हिंसा के बारे में कहा कि पुलिस कार्रवाई लगातार चल रही है। इस मामले में अब तक 104 एफआईआर दर्ज की गई है और 216 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही इस मामले में 80 लोगों को एहतियातन हिरासत में लिया गया है। विज शनिवार को मीडिया से बातचीत कर रहे थे। नूंह हिंसा में पाकिस्तान के हाथ होने के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में गृह मंत्री ने कहा कि ये सारे तथ्य पुलिस की जानकारी में हैं और पुलिस एक-एक बिंदु पर जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि जांच के बाद जो निष्कर्ष सामने आएगा, वह बताया जाएगा। हिंसा के दौरान पंजाब नंबर की गाड़ी के तार हैदर अली से जुड़े होने के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि ये जानकारी भी अधिकारियों को भेज दी गई है और इसकी भी जांच की जाएगी।

पंजाब पुलिस ने पकड़ी 28 करोड़ की हेरोइन

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल की टीम ने गत दिवस पकड़े गए नशा तस्कर की निशानदेही पर कार्रवाई करते हुए 28 करोड़ की हेरोइन बरामद की है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शनिवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। जानकारी के अनुसार एसएसओसी की टीम ने 03 अगस्त को नशा तस्कर से छह किलो हेरोइन और 1.5 लाख रुपए ड्रग मनी को जब्त किया था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जालंधर के शिंदर सिंह के रूप में हुई है। आरोपी ड्रग तस्कर है और उस पर पहले से ही एनडीपीएस अधिनियम के तहत दो आपराधिक मामले दर्ज हैं। डीजीपी के अनुसार तस्कर को रिमांड पर लेकर जांच की जा रही थी। इसी दौरान आरोपी ने अतिरिक्त 4 किलो हेरोइन की रिकवरी करवाई है। इस मामले में अभी तक कुल रिकवरी 10 किलोग्राम पहुंच चुकी है और 1.50 लाख रुपए ड्रग मनी भी पहले ही रिकवर की जा चुकी है। डीजीपी गौरव यादव के अनुसार आरोपी शिंदर सिंह और उसके साथियों ने हाल ही में सतलुज नदी मार्ग का उपयोग कर पाक स्थित तस्करों और एजेंसियों द्वारा भारतीय क्षेत्र में भेजी गई हेरोइन की बड़ी खेप खरीदी थी। आईजी सुखमिंदर सिंह मान ने बताया था कि पाक स्थित तस्करों ने फिरोजपुर सेक्टर में बॉर्डर पर बाढ़ के कारण पैदा हुए हालात का फायदा उठाकर सतलुज नदी के रास्ते नशीले पदार्थों की खेप की तस्करी की थी।

नई विज्ञापन नीति में व्यापारियों के चालान करने पर लगाई रोक

व्यापार मंडल के अधिकारियों व मेयर के साथ हुई वार्ता के बाद लिया निर्णय

सोनीपत (हिंस)। हरियाणा सरकार की दुकानदारों के लिए नई विज्ञापन नीति के अंतर्गत जो सोनीपत के व्यापारियों ने चालान के विरोध में आक्रोश था व्यापारियों के चार लाख रुपए से भी अधिक के चालान काट दिए गए थे। छुट्टी होने बाद भी शनिवार को मेयर ने व्यापारियों साथ बैठक की उनकी समस्याओं को सुना और अगले आदेश तक चालान करने पर रोक लगा दी है। जो चालान किए गए हैं उनको वापस लेने का आश्वासन दिया है। नगर निगम के मेयर निखिल मदान के साथ जिला व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों व अधिकारियों की मीटिंग हुई जिसमें मेयर निखिल मदान ने व्यापारियों की बातें सुनी और कहा कि सरकार ने नई विज्ञापन नीति पूरे प्रदेश के लिए बनाई है। इसमें जितना आपकी दुकान का क्षेत्रफल है उसका 2 प्रतिशत पर ही अपना विज्ञापन लगा सकते हैं। इसी को लेकर दुकानों के चालान काटे गए है। उन्होंने कहा कि वे मानते हैं कि इस नीति पर दोबारा विचार करने की जरुरत है। इसके लिए सरकार को व आपकी ओर से क्षेत्र के व्यापारियों का विचार रखेंगे। क्योंकि जिसकी दुकान ही 10 गज की है तो उसका नाम भी नहीं लिखा जाएगा। व्यापार मंडल के प्रधान संजय सिंगला ने बताया कि किसी भी नेता या किसी संस्थान का चालान नहीं काटा गया जबकि उनके सबसे ज्यादा हार्डिंग लगे हुए हैं। व्यापारियों को प्रताड़ित करने के लिए चार लाख से भी ज्यादा के चालान दिए गए हैं। व्यापारियों और मेयर की हुई वार्ता में निर्णय लिया गया कि अभी चालान पर रोक व जो काटे गए चालान वापस लेंगे। इसके बाद जिला व्यापार मंडल के साथ एक सप्ताह में जागरूकता अभियान चलाने इस संघर्ष को एक सप्ताह तक रोकने की बात मान ली है। सभी व्यापारियों से अपील की कि अभी एक सप्ताह तक में नगर निगम सोनीपत का विरोध करता हूं लिखे बोर्ड भी ना लगाएं। भाजपा नेता व मुख्यमंत्री के पूर्व मिडिया सलाहकार राजीव जैन, पब्लिक इंटरप्राइजीज के पूर्व चेयरमैन ललित बत्रा और विधायक सुरेंद्र पवार, मेयर निखिल मदान व जजपा के जिलाध्यक्ष राजसिंह दहिया द्वारा जिला व्यापार मंडल को दिए गए समर्थन पर आभार जताया, मीटिंग में व्यापार मंडल के चेयरमैन संजय वर्मा, प्रधान संजय सिंगला, सुशील स्याल, नरेंद्र धवन, रविंद्र सरोहा, राकेश चोपड़ा, शहरी कार्यकारी अध्यक्ष पवन तनेजा, हिमांशु कुकरेजा, अरुण मित्तल, राजबीर सैनी, बिट्टू जैन, जसबीर संधू, जतिन देबला, दिनेश नजराना, देवेंद्र वर्मा, दीपक वर्मा, मधु स्पोर्ट आदि मौजूद रहे।

नूंह हिंसा : अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

2.6 एकड़ जमीन से अवैध निर्माण हटाया

नूंह/गुरुग्राम (हिंस)। ब्रजमंडल धार्मिक यात्रा के दौरान हुई हिंसा में शामिल लोगों के मकानों पर बुलडोजर लगातार चल रहा है। जिला प्रशासन ने जहां 2.6 एकड़ जमीन से अवैध निर्माण हटाया और 45 अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया, वहीं लगभग 15 अस्थायी स्ट्रक्चर तोड़े। एसडीएम अश्विनी कुमार ने शनिवार को बताया कि अवैध निर्माणों पर कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। अब तक जो निर्माण ढहाए गए हैं, उनके मालिकों की कहीं न कहीं हिंसा में संलिप्तता पाई गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के आदेशों पर यह कार्रवाई की गई है। प्रशासन की तरफ से गिराए गए स्ट्रक्चरों के मालिकों को पहले ही नोटिस दे दिया गया था। अवैध निर्माणों को ढहाने का अभियान नलह मेडिकल कॉलेज के आसपास के क्षेत्र में चलाया गया। अडबर चौक से तिरंगा चौक तक अभियान जारी रहा, वहीं नलह रोड पर अवैध निर्माण गिराने की प्रक्रिया दिनभर जारी रही। गौरतलब है कि मेवात में यात्रा के दौरान हुई हिंसा के बाद कर्फ्यू लगा दिया गया था। जिलाधीश की ओर से शनिवार को दोपहर 12 से दोपहर बाद 3 बजे तक कर्फ्यू में ढील दी गई ताकि लोग जरूरी सामान की खरीदारी कर सकें। हिंसा मामले में अब तक 56 एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं और 145 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। पुलिस ने सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वाले 10 लोगों पर मामले दर्ज किए हैं।

धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाली पोस्ट डालने वाला बिजनौर से गिरफ्तार

फरीदाबाद (हिंस)। फेसबुक पर हिंदू देवी-देवताओं पर अभद्र भाषा का वीडियो शेयर कर धार्मिक भावनाओं को भड़काने और हेट स्पीच के मामले में आरोपी साजिद को थाना सारन पुलिस ने उत्तर प्रदेश के बिजनौर से गिरफ्तार किया। पुलिस प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान साजिद नाम के व्यक्ति के रूप में हुई है। आरोपी मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। आरोपी की पिछले 3 साल से एनआईटी में सैलून की दुकान है। आरोपी वर्तमान में एनआईटी फरीदाबाद में रह रहा है। मामले में अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है। थाना प्रबंधक सारन राजेश बागड़ी की टीम द्वारा की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया हो कि कोई भी व्यक्ति किसी भी समुदाय की धार्मिक भावनाओं को भड़काने का काम करेगा, सामाजिक सौहार्द खराब करेगा फरीदाबाद की शांति भंग करेगा। ऐसे आरोपियों को बख्शा नहीं जाएगा। आरोपियों पर तुरंत कार्रवाई करते हुए चंद महीनों में सख्त दिलवाई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश का माहौल खराब करने वाले मनचलों पर सख्त कार्रवाई के दिए निर्देश

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पुलिस और प्रशासन को प्रदेश का माहौल खराब करने वाले मनचलों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मुख्य सचिव को ऐसे उत्पाती बदमाशों के नाम आरपीएससी और राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड को भेजने को कहा है ताकि ऐसे लोगों को सरकारी सेवा से वंचित किया जा सके। उन्होंने कहा कि राजस्थान बहुत ही शांतिप्रिय प्रदेश है, लेकिन मणिपुर से तुलना करके इसे बदनाम किया जा रहा है। हम दुष्कर्मियों, गैंग चलाने वालों को बर्दाश्त नहीं करेंगे। मुख्यमंत्री गहलोत शनिवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलिंपिक खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम खेलों के जरिये पूरे माहौल को बदलना चाहते हैं। खेलों को प्रेम, सद्भावना, भाईचारे के साथ खेल की भावना से खेलें और उसी प्रकार से जीवन पद्धति अपनाएं। हम चाहते हैं कि हमारे प्रदेश का युवा अच्छा वैज्ञानिक, टेक्नोक्रेट, डॉक्टर, इंजीनियर या सोशल वर्कर बने, लेकिन मैं कई जगहों पर कुछ मनचले लड़के माहौल खराब करते हैं। लड़कियों के सामने बदतमीजी करते हैं। हमने शुक्रवार को ही बैठक करके पुलिस महानिदेशक और मुख्य सचिव समेत समस्त अधिकारियों को कहा कि मनचले लड़कों का इलाज करो, इनके नाम लिखो और उनके नाम आरपीएससी और राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड में भेजो ताकि ऐसे लोगों को सरकारी सेवा से वंचित किया जा सके। यह मनचले अपने घर की बहन बेटियां जो पढ़ने के लिए आती हैं, उनसे बदतमीजी करते हैं, छेड़छाड़ करते हैं, परेशान करते हैं, ये हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि राजस्थान को लेकर गलत माहौल बनाया जा रहा है, जबकि राजस्थान बहुत ही शांतिप्रिय प्रदेश है। मणिपुर से तुलना करके इसे बदनाम किया जा रहा है। हां, कुछ घटनाएं हुई हैं लेकिन ये हर राज्य में हो रही हैं, जिसकी भाजपा के लोग चर्चा नहीं करेंगे। उन्होंने माता-पिता से भी अपील करते हुए कहा कि यह जो छेड़छाड़, बदतमीजी और दुष्कर्म की घटनाएं हो रही हैं, इसे रोकने के लिए हम सब मिलकर समाज को शिक्षित करें। बच्चों को मोटिवेट करें। इस बात का ध्यान रखें कि ऐसी स्थिति पैदा ना हो। आजकल लड़के-लड़कियां बिना पूछे घर से भाग जाते हैं।

पाकिस्तान गई अंजू और नसरूल्लाह के खिलाफ पति ने कराया मामला दर्ज

अलवर (हिंस)। राजस्थान के अलवर जिले के भिवाड़ी से पाकिस्तान गई अंजू के पति अरविंद ने अपनी पत्नी और पाकिस्तान निवासी नसरुल्लाह के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। भिवाड़ी के सहायक पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि अंजू के पति ने रिपोर्ट दर्ज कराई गई है कि उसकी पत्नी अंजू को नसरुल्लाह ने पाकिस्तान बुलाकर शादी कर ली जबकि वह शादी शुदा और दो बच्चों की मां है। उसे फोन कर धमकियां दी जा रही हैं। वह और उसका परिवार काफी परेशान है। उनके साथ धोखा हुआ है। पुलिस ने आईपीसी की धारा 494 और 506 में प्रकरण दर्ज किया है। इसके अलावा आईटी एक्ट में 43/66 लगाई है। उन्होंने बताया कि मामला अंतराष्ट्रीय होने के कारण उच्च अधिकारियों द्वारा मार्गदर्शन लेकर कार्रवाई की जाएगी। भिवाड़ी से अचानक पाकिस्तान गई अंजू और नसरुल्लाह की लव स्टोरी में रोज नए राज सामने आ रहे हैं। रोज नई कहानियां पाकिस्तान से पेश की जा रही हैं। अपने प्रेमी के प्यार में अचानक पाकिस्तान पहुंची अंजू ने हर किसी को चौंका दिया था। उसके बाद अंजू ने वहां पहुंचने के बाद कहा था कि वो सिर्फ छह दिन के लिए पाकिस्तान गई है और जल्द लौट आएगी। इस बात को अभी दो दिन ही बीते थे कि पाकिस्तान में नसरुल्लाह से निकाह करके एक बार फिर अंजू ने सबको चौंका दिया। वह बुर्का पहन कर लोगों को हैरान कर रही है। वहां शादी के बाद गिफ्ट मिल रहे हैं और अब दुबई शिफ्ट होने की खबरें सामने आ रही है।

बेटियों को न्याय दिलाने एबीवीपी की न्याय पदयात्रा में शामिल हुई महिलाएं

जयपुर (हिंस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की ओर से राजस्थान सरकार के चलते प्रदेश में व्याप्त भ्रष्टाचार, बढ़ रहे दुष्कर्म के प्रकरण व पेपर-लीक जैसी घटनाओं के विरुद्ध *न्याय पदयात्रा* तीसरे दिन गंगापुर सिटी से पिपलाई गांव तक पहुंची। जब यात्रा बाड़ खुर्द गांव से गुजरी तो वहां की महिलाएं भी यात्रा से जुड़ीं और महिला सुरक्षा के लिए आवाज बुलंद की। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय मंत्री होशियार सिंह मीणा ने कहा कि जनमानस सरकार की नीतियों से काफी व्यथित है, प्रदेश में दिनदहाड़े अमानवीय कृत्यों को बेलगाम तरीके से अंजाम दिया जा रहा है और सरकार इन अव्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में कोई भी ठोस कदम नहीं उठा रही है। दुष्कर्म जैसे वीभत्स अपराधों के लगभग सभी मामलों में सरकार से जुड़े लोगों के लिप्तता की बात सामने आती है। जिस सरकार से आमजन की सुरक्षा की उम्मीद की जाती है, उसी सरकार के लोग उन दरिंदों को बढ़ावा दे रहे हैं। जिस पुलिस का प्रयोग कानूनी व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए किया जाना चाहिए, उसका प्रयोग इन स्थितियों पर आवाज उठाने वालों के मुंह बंद करने और डंडे बरसाने के लिए किया जा रहा है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जयपुर प्रांत के सवाई माधोपुर विभाग की विभाग छात्रा प्रमुख अंजलि चौरसिया ने कहा कि प्रदेश में रोज दुष्कर्म जैसे अमानवीय मामले की खबरें सामने आ रहीं हैं। जिस प्रदेश की महिलाओं ने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, आज उस प्रदेश में गहलोत सरकार की बदौलत उसे आजादी के पहले से भी बदतर स्थिति है। बेटियों के मन में भय व्याप्त है, परिवारजन उन्हें बाहर कम निकलने की सलाह दे रहे हैं। कभी करौली, कभी भीलवाड़ा, कभी जयपुर रोज महिला संबंधी अपराधों को खबरें सामने आ रही हैं और कभी 14 वर्षीय बेटी की इज्जत ले भट्टी में झोंक दिया जा रहा है। प्रदेश में एक बड़े बदलाव की जरूरत है और इस बदलाव को अभाविप की न्याय यात्रा से लाने का प्रयास किया जाएगा। राजस्थान के करौली से 3 अगस्त को प्रारंभ हुई यह न्याय पदयात्रा कुडगांव, गंगापुर, बाड़ खुर्द से होते हुए पीपलाई पहुंची, जहां जनसभा का आयोजन किया गया। संवाद के साथ विद्यार्थी परिषद की यात्रा बढ़ रही है।

अवैध हथियार रख कर अपना शौक और लोगों में दहशत फैलाने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

जयपुर (हिंस)। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत नाहरगढ़ थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार रख कर लोगों में दहशत फैलाने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से दो पिस्टल बरामद की गई है। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी आसपास के लोगों में दहशत फैलाने एवं अपना शौक पूरा करने के लिये अवैध हथियार रखते है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (प्रथम) कैलाश चन्द विश्नोई ने बताया कि जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत सीएसटी ने नाहरगढ़ थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार रखने वाले आरोपी इमरान (36) और नाजिम (26) को गिरफ्तार किया है और दोनों ही आरोपी बगरु वालों का रास्ता चांदपोल बाजार जयपुर के रहने वाले है। पुलिस ने इनके पास से अवैध हथियार दो पिस्टल भी जब्त की है। गिरफ्तार आरोपी इमरान एवं नाजिम यह अवैध हथियार पिस्टल अज्जू निवासी किशनगढ़ जिला अजमेर से 15-15 हजार रुपए के हिसाब से खरीदकर लाए थे। पुलिस जानकारी में सामने आया कि आरोपी आसपास के लोगों में दहशत फैलाने एवं अपना शौक पूरा करने के लिये अपने पास अवैध हथियार रखते है। पुलिस की टीम गिरफ्तार आरोपियों से अवैध हथियार की खरीद-फरोख्त के नेटवर्क के संबंध में पूछताछ करने में जुटी है।

धारा 370 निरस्तीकरण की चौथी वर्षगांठ पर शिव सैनिकों, एसएसपी का संयुक्त मूक धरना-प्रदर्शन

जम्मू (हिंस)। शिवसेना (यूबीटी) एवं एसएसपी जम्मू-कश्मीर ईकाई ने शनिवार को अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण की चौथी वर्षगांठ पर हाथों में तिरंगे थाम केंद्र की मोदी सरकार पर विश्वासघात और वादाखिलाफी के गंभीर आरोप लगाये। शिवसेना प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी एवं कर्नल एसएस पठानिया अध्यक्ष सैनिक समाज पार्टी के नेतृत्व में एकत्रित नेताओं ने शिवसेना पार्टी कार्यालय के समीप कश्मीरी पंडितों का पुनर्वास कवच, हमारी सांस्कृतिक पहचान की सुरक्षा कवच, आंतकवाद एवं लक्षित हत्याओं पर पूर्ण विराम कवच, राज्य दर्जा, लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाली कवच आदि दर्जनों सवाल लिखे प्लेकार्ड पकड़ मूक धरना प्रदर्शन किया। प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पांच अगस्त 2019 को केंद्र की मोदी सरकार ने यह कहते हुए अनुच्छेद 370 का निरस्तीकरण किया कि जम्मू-कश्मीर में अमन बहाली, आर्थिक प्रगति, विकास और रोजगार के रास्ते खुलेंगे। साहनी ने कहा कि जम्मू संभाग की जनता को यह अंदाजा नहीं था कि एक विधान और निशान का समर्थन करना उन्हें इस कदर महंगा साबित होगा कि जम्मू-कश्मीर को दो भागों में बांट देने के साथ राज्य का दर्जा छीन लिया जाएगा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बहाली नहीं होगी। साहनी ने कहा कि आज प्रदेश के हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि युवा रोजगार के लिए तरस रहे हैं, बेरोजगारी में हम देश के मुकाबले शीर्ष पर हैं। प्रदेश के लाखों युवा मानसिक अवसादों के घेरे में हैं। लाखों युवा नशाखोरी का शिकार होकर बेमौत मौत के मुंह में समाते जा रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार प्रदेश के 13 लाख युवा नशाखोरी में लिप्त हैं। पाकिस्तान प्रयोजित नार्को टेरर ने प्रदेश के युवाओं को पंगु बनाकर मौत की कगार पर ला खड़ा किया है। कोरोना महामारी के दौरान जब देशव्यापी लॉकडाउन भी था, उस अवधि के दौरान वर्ष 2019-21 के तीन वर्षों में दस हजार से अधिक बेटियां व बच्चों के लापता होने का सामने आया सरकारी आंकड़ा डराने वाला है। प्रदेश में अपराध का ग्राफ दिन-प्रतिदिन ऊपर चढ़ता जा रहा है। कश्मीरी पंडितों की सुरक्षित घाटी वापसी संभव नहीं हो पाई है। आंतकवाद आज कश्मीर के साथ जम्मू में भी अपने पांव पसार चुका है। बिजली, पानी बिलों की आड़ में जनता की जेबों पर डाका डाला जा रहा है। निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के नहीं होने से प्रशासन एवं नौकरशाही जन मुद्दों के प्रति लापरवाह, मनमाना व तानाशाह वाला रुख अख्तियार किए हुए है। उन्होंने कहा कि 90 विधानसभा सीटों वाले नए जम्मू-कश्मीर को उपराज्यपाल एवं उनके एकमात्र सलाहकार चला रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा संसद के पटल पर किए वादे के अनुरूप जम्मू-कश्मीर को उसका छीना गया राज्य का दर्जा लौटाया नहीं जा रहा। साहनी ने कहा कि केंद्र सरकार एवं जम्मू-कश्मीर प्रशासन की जन विरोधी नीतियों एवं फैसलों से जम्मू संभाग की जनता आज अपने आप को ठगा हुआ एवं असहाय महसूस कर रही है। धरने पर बैठे नेताओं ने बीते कल आंतकवादियों से लोहा लेते शहीद हुए भारतीय जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर चेयरमैन राकेश गुप्ता, उपाध्यक्ष संजीव कोहली, अध्यक्ष कामगर विंग राज सिंह, शशिपाल, मंगू राम, मुनीश राजपूत, बीरचंद आदि उपस्थित रहे।

सब्जियों के साथ दाल-चावल और दूध भी हुआ महंगा: 1 साल में आटे के दाम 30प्रतिशत तक बढ़े, अगले महीने से महंगी हो सकती है प्याज

नई दिल्ली।
हाल के महीनों में किचन का बजट बिगड़ गया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, एक साल में दाल, चावल और आटा 30प्रतिशत तक महंगे हो गए हैं। इस बीच देश के कुछ हिस्सों में टमाटर 250 रुपए प्रति किलो से ऊपर निकल गया है। हालांकि, आलू के भाव कुछ घटे हैं, लेकिन अगले महीने से प्याज के दाम बढ़ने शुरू हो सकते हैं। संसद में एक सवाल के जवाब में उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने बताया है कि आलू को छोड़कर ज्यादातर खाने की चीजें महंगी हुई हैं। अरहर-मूंग दाल, चावल, चीनी, दूध, मूंगफली तेल और आटा इनमें शामिल है। बीते एक साल में आलू 12प्रतिशत सस्ता हुआ, पर प्याज 5प्रतिशत महंगी हो गई। किचन का बजट बिगाड़ने में टमाटर के बाद सबसे बड़ी भूमिका अरहर दाल की है। 31 जुलाई तक 1 साल में यह 30प्रतिशत महंगी हो गई है।

अगले माह दोगुने हो सकते हैं प्याज के भाव

क्रिसिल के मुताबिक, सप्लाई घटने से सितंबर की शुरुआत में प्याज 60-70 रुपए प्रति किलो तक पहुंच सकती है। अभी यह 15-30 रुपए किलो बिक रही है। क्रिसिल का कहना है कि फरवरी में महाराष्ट्र जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों में रबी की फसल जल्दी पक गई। मार्च में इन इलाकों में बेमौसम बारिश से शेल्फ लाइफ 6 महीने से घटकर 4-5 महीने रह गई।

अरहर का उत्पादन घटने का दिखा असर

मंत्रालय ने बताया कि अरहर दाल के भाव बढ़ने की मुख्य वजह घरेलू उत्पादन घटना है। पिछले साल 42.2 लाख टन अरहर का उत्पादन हुआ था। इस साल यह घटकर 34.3 लाख टन रहने का अनुमान है। टमाटर उत्पादक कई इलाकों में सफेद मक्खी का प्रकोप और बारिश से फसल कम उतरी और सप्लाई भी बाधित हुई।

महंगाई कैसे बढ़ती-घटती है

महंगाई का बढ़ना और घटना प्रोडक्ट की डिमांड और सप्लाई पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो वह ज्यादा चीजें खरीदेंगे।

न्यूज ब्रीफ

ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत चार विला और 6.75 एकड़ जमीन कब्जे में ली, पीएफआई से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के खिलाफ धनशोधन की जांच के तहत केरल के मुन्नार जिले में चार विला और 6.75 एकड़ जमीन अपने कब्जे में ले ली है। संपत्ति की कुल कीमत 2.53 करोड़ रुपये (बुक वैल्यू) है और यह मुन्नार विला विस्टा प्राइवेट लिमिटेड की है। ईडी ने एक बयान में कहा कि संघीय जांच एजेंसी ने सात जनवरी को उन्हें अस्थायी रूप से कुर्क किया था और धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के निर्णायक प्राधिकरण ने 30 जून को इसकी पुष्टि की। इसमें कहा गया है कि निर्णायक प्राधिकरण के आदेश ने एजेंसी के लिए जमीन और चार विला को अपने कब्जे में लेने का मार्ग प्रशस्त कर दिया। पिछले साल सितंबर में आतंकवादी गतिविधियों के कारण पीएफआई पर लगा था बैन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) को आतंकवादी गतिविधियों के साथ कथित संबंधों को लेकर पिछले साल सितंबर में गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधानों के तहत प्रतिबंधित कर दिया गया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा कि पीएफआई नेता और विदेशी संस्थाओं से जुड़े सदस्य मुन्नार में एक आवासीय परियोजना- मुन्नार विला विस्टा प्रोजेक्ट (एमवीवीपी) विकसित कर रहे थे, जिसका उद्देश्य विदेशों के साथ-साथ देश के भीतर एकत्र किए गए धन को सफेद करना था, और पीएफआई के लिए धन उत्पन्न करना था ताकि इसकी कट्टरपंथी गतिविधियों को वित्तपोषित किया जा सके। यह परियोजना मुन्नार विला विस्टा प्राइवेट लिमिटेड (एमवीवीपीएल) के नाम से एक कंपनी बनाकर विकसित की जा रही थी। एनआईए की प्राथमिकी से उपजा था धनशोधन का मामला एजेंसी ने कहा कि उसकी जांच में पाया गया कि परियोजना में बड़ी मात्रा में बेहिसाबी नकदी डाली गई, फर्जी शेयरधारकों के नाम पर एमवीवीपीएल के शेयरों को नकद में खरीदा गया, बिना किसी विचार के एमवीवीपीएल के शेयरों का हस्तांतरण किया गया और वस्तुओं या सेवाओं की आपूर्ति के बिना अन्य कंपनियों को फर्जी हस्तांतरण किया गया।

एपल की मार्केट वैल्यू 3 ट्रिलियन डॉलर के नीचे आईः कंपनी के शेयर में करीब 5प्रतिशत की गिरावट, एक दिन में 13.22 लाख करोड़ रुपए कम हुआ मार्केट कैप

नई दिल्ली। दिग्गज टेक कंपनी एपल की वैल्यूएशन अब 3 ट्रिलियन डॉलर (करीब 248 लाख करोड़ रुपए) के नीचे आ गई है। कंपनी की शेयरों में करीब 5प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। जिसके चलते कंपनी के मार्केट कैप में 160 बिलियन डॉलर (करीब 13.22 लाख करोड़ रुपए) की गिरावट देखने को मिली। इस गिरावट के बाद अब कंपनी की टोटल मार्केट वैल्यू 2.85 ट्रिलियन डॉलर रह गई है। सितंबर 2022 के बाद से कंपनी के शेयर में एक दिन में आई यह सबसे बड़ी गिरावट है। एपल जून 2023 में 248 लाख करोड़ रुपए यानी 3 ट्रिलियन डॉलर की कंपनी बनी थी। कंपनी के शेयर में यह गिरावट एपल के दो फ्लैगशिप प्रोडक्ट्स आईफोन की सेल में 2प्रतिशत और मैक-बुक में 7प्रतिशत की गिरावट के चलते आई है।

मुंबई की पूर्व मेयर शिवसेना यूबीटी नेता किशोरी पेडनेकर के खिलाफ केस दर्ज

नई दिल्ली । मुंबई पुलिस ने शहर की पूर्व मेयर शिवसेना यूबीटी नेता किशोरी पेडनेकर के खिलाफ कोविड सेंटर स्कैम से जुड़े मामले में केस दर्ज किया है। मुंबई पुलिस का कहना है, मुंबई की पूर्व मेयर और शिवसेना (यूबीटी) नेता किशोरी पेडनेकर और अन्य के खिलाफ ईओडब्ल्यू (आर्थिक अपराध शाखा) की ओर से कथित कोविड सेंटर घोटाले के संबंध में आईपीसी की धारा 420 (धोखाधड़ी और बेईमानी से संपत्ति की डिलीवरी के लिए प्रेरित करना) और 120 (बी) (आपराधिक साजिश की सजा) के तहत मामला दर्ज किया गया है। शिवसेना यूबीटी के एमएलए ईओडब्ल्यू के समक्ष पेश हुए, 500 करोड़ की गड़बड़ी का है मामला शिवसेना यूबीटी विधायक रवींद्र वायकर भाजपा नेता किरीट सोमैया की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के मामले में अपना बयान दर्ज कराने के लिए मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) के समक्ष पेश हुए।

सबसे ताकतवर रॉकेट को फिर से लॉन्च करने की तैयारी

मस्क बोले- मिशन सफल होने की 50प्रतिशत संभावना, स्टेज सेपरेशन तक पहुंचना भी जीत होगी

कैलिफोर्निया।
एलन मस्क दुनिया के सबसे ताकतवर स्टारशिप व्हीकल के एक और टेस्ट की तैयारी कर रहे हैं। इस बार वो बूस्टर 9 और शिप 25 को स्पेस में भेजेंगे। लॉन्च की जानकारी देते हुए मस्क ने कहा- अगली स्टारशिप फ्लाइट की तैयारी! इस बार, मुझे लगता है कि हमारे पास कक्षीय वेग तक पहुंचने की 50प्रतिशत संभावना है। हालांकि, स्टेज सेपरेशन तक पहुंचना भी एक जीत होगी। स्टारशिप स्पेसक्राफ्ट और सुपर हैवी रॉकेट को कलेक्टिवली स्टारशिप कहा जाता है। ये एक रीयूजेबल ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम है जिसके जरिए इंसानों को मंगल ग्रह पर पहुंचाया जाएगा। इसमें एडवांस्ड रेप्टर इंजन लगे हैं। अगले लॉन्च से पहले टेस्टिंग के लिए 18 मई को कंपनी ने शिप 25 को साउथ टेक्सास में अपने स्टारबेस साइट पर एक सबऑर्बिटल पैड पर मूव किया था।

19 मई को वॉटर कूल्ड स्टील प्लेट पर इसके 6 रेप्टर इंजनों का स्टैटिक फायर टेस्ट किया गया था। स्टैटिक फायर एक कॉमन प्रीफ्लाइट टेस्ट है, जिसमें व्हीकल के इंजन को थोड़ी देर के लिए चालू किया जाता है। वहीं 29 जुलाई को स्टारशिप फ्लेम डिफ्लेक्टर का फुल प्रेशर टेस्ट किया गया था। 4 अगस्त को बूस्टर 9 का फ्लाइट टेस्ट भी किया गया है जो पूरी तरह से सफल रहा।

20 अप्रैल के टेस्ट में स्टारशिप एक्सप्लोड हो गया था

इससे पहले 20 अप्रैल को स्टारशिप का पहला ऑर्बिटल टेस्ट किया गया था। इस टेस्ट में बूस्टर 7 और

शिप 24 को लॉन्च किया गया था। हालांकि स्टारशिप लिफ्ट ऑफ के 4 मिनट बाद गल्फ ऑफ मैक्सिको के करीब 30 किलोमीटर ऊपर एक्सप्लोड हो गया था। स्टारशिप के फेल होने के बाद भी स्पेसएक्स हेडक्वार्टर में एलन मस्क और एम्प्लॉइज खुशी मना रहे थे।

ऐसा इसलिए क्योंकि रॉकेट का लॉन्चपैड से उड़ना ही बड़ी सफलता थी। स्टेनलेस स्टील से बने स्टारशिप को दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने बनाया है। ये दुनिया का सबसे ऊंचा और ताकतवर रॉकेट है। एलन मस्क ने भी स्टारशिप लॉन्च से दो दिन पहले कहा था- सफलता शायद मिले, लेकिन एक्साइटमेंट की गारंटी है।

स्टेज सेपरेशन में आई थी परेशानी

स्पेसएक्स ने कहा था- स्टेज सेपरेशन से पहले स्टारशिप ने रैपिड अनशेड्यूल्ड डिसअसेंबली एक्सपीरिएंस की। इस तरह के एक टेस्ट के साथ, हम जो सीखते हैं उससे सफलता मिलती है। टेस्ट हमें स्टारशिप की रिलायबिलिटी में सुधार करने में मदद करेगा। टीमें डेटा को रिव्यू करना जारी रखेंगीं और अगले फ्लाइट टेस्ट की दिशा में काम करेंगी।

लिफ्टऑफ के 4 मिनट बाद रॉकेट को नष्ट किया

सुपर हेवी बूस्टर पर लगे 33 इंजन इगनाइट हुए और स्टारशिप धीरे-धीरे ऊपर बढ़ा। लगभग एक मिनट बाद, रॉकेट मैक्सिमम एयरोडायनेमिक प्रेशर के पीरियड से गुजरा। सुपर हेवी बूस्टर स्टेज पर कई इंजन फेल होने के कारण रॉकेट अनबैलेंस होने लगा। अपर स्टेज स्टारशिप व्हीकल को बूस्टर से अलग होना था, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। लिफ्टऑफ के 4 मिनट बाद, फ्लाइट टर्मिनेशन सिस्टम ने रॉकेट को नष्ट कर दिया।

लॉन्च पैड को ज्यादा नुकसान नहीं, फिर लॉन्च को तैयार

लॉन्च के फेल होने के बाद 29 अप्रैल को ट्विटर स्पेस पर मस्क ने कहा था कि लॉन्च मोटे तौर पर मेरी उम्मीद के मुताबिक था, और शायद मेरी उम्मीदों से थोड़ा ज्यादा था। ऐसी भी खबरें थीं कि लॉन्च पैड को काफी नुकसान पहुंचा है। इस पर मस्क ने कहा था- लॉन्च पैड को नुकसान इतना कम है कि स्टारशिप कुछ ही महीनों में फिर से उड़ान भरने के लिए तैयार हो सकता है।

स्टारशिप इंसानों को मंगल पर पहुंचाएगा

ये लॉन्चिंग इसलिए अहम है क्योंकि ये स्पेसशिप ही इंसानों को इंटरप्लेनेटरी बनाएगा। यानी इसकी मदद से पहली बार कोई इंसान पृथ्वी के अलावा किसी दूसरे ग्रह पर कदम रखेगा। मस्क साल 2029 तक इंसानों को मंगल ग्रह पर पहुंचाकर वहां कॉलोनी बसाना चाहते हैं। स्पेसशिप इंसानों को दुनिया के किसी भी कोने में एक घंटे से कम समय में पहुंचाने में भी सक्षम होगा।

दुनिया का सबसे पावरफुल व्हीकल

स्टारशिप अब तक का डेवलप दुनिया का सबसे पावरफुल लॉन्च व्हीकल है। ये पूरी तरह से रीयूजेबल है और 150 मीट्रिक टन भार ले जाने में सक्षम है। स्टारशिप सिस्टम 100 लोगों को एक साथ मंगल ग्रह पर ले जाएगा।

हुंडई क्रेटा और अल्कजार के एडवेंचर एडिशन का टीजर जारी

10.25-इंच टचस्क्रीन, पैनोरमिक सनरूफ और 6 एयरबैग जैसे फीचर्स मिलेंगे

नई दिल्ली।
हुंडई ने अपनी सबसे पॉपुलर एसयूवी क्रेटा और अल्कजार के एडवेंचर एडिशन की टीजर जारी किया है। कंपनी दोनों ही कार को जल्द ही भारत में लॉन्च करने वाली है। दोनों में 10.25-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, पैनोरमिक सनरूफ, वेंटिलेटेड फ्रंट सीटें, क्रूज कंट्रोल और 6 एयरबैग जैसे फीचर्स मिलेंगे। भारत में यह क्रेटा का दूसरा स्पेशल एडिशन होगा, जबकि अल्कजार को पहली बार स्पेशल एडिशन में पेश किया जाएगा। टीजर में दोनों एसयूवी एक्सटर वाले रेंजर ब्लैक रूफ के साथ खाकी कलर में नजर आई है। हुंडई ने दोनों कारों के एडवेंचर एडिशन में से क्रोम एलिमेंट्स हटा दिए हैं, जबकि एक्सटीरियर पर इसमें एडवेंचर एडिशन बैजिंग मिलेगी।

दोनों कार में मिलेंगे कॉस्मेटिक चेंजेस

दोनों कार के ओवरऑल लुक में कोई बदलाव बड़ा नहीं किया गया है। दोनों कार छोटे-मोटे कॉस्मेटिक चेंजेस के साथ आएंगी। टीजर में डायमंड कट अलॉय व्हील, न्यू ब्लैक ग्रिल, के साथ हेडलैंप, रियर में टेललैंप और साइड में एडवेंचर की बैजिंग दी गई है। क्रेटा एडवेंचर एडिशन का सीधा मुकाबला स्कोडा कुशाक और फोक्सवैगन टाइगन के मैट एडिशन से होगा। वहीं, अल्कजार का स्पेशल एडिशन टाटा सफारी के रेड डार्क और एडवेंचर एडिशन को टक्कर देगा।

हुंडई क्रेटा, अल्कजार एडवेंचर एडिशन : इंटीरियर डिजाइन

एडवेंचर एडिशन में दोनों कार में फुली ब्लैक इंटीरियर होगा। इसके हेड रेस्ट्रेंट और डोर सिल्स पर एडवेंचर एडिशन की बैजिंग मिल सकती है। नाइट एडिशन की तरह एडवेंचर एडिशन को भी कई ट्रिम्स में पेश किया जा सकता है।

हुंडई क्रेटा, अल्कजार एडवेंचर एडिशन : इंजन, पावर और ट्रांसमिशन

एडवेंचर एडिशन में दोनों कार में वर्तमान में मिलने वाले पेट्रोल और डीजल इंजन का ही ऑप्शन दिया जाएगा। इसमें 1.5-लीटर का डीजल इंजन दिया जाएगा, जो 116की पावर और 250का टॉर्क जनरेट करता है। इसके साथ 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स और 6-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स का ऑप्शन मिलता है।

तिमाही नतीजों में बैंक ऑफ बड़ौदा की बल्ले-बल्ले, मुनाफा 88प्रतिशत बढ़कर 4,070 करोड़ रुपये हुआ

नई दिल्ली ।
बैंक ऑफ बड़ौदा का एकल शुद्ध लाभ जून 2023 तिमाही में सालाना आधार पर 87.7प्रतिशत प्रतिशत बढ़कर 4,070 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 2,168 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) सालाना आधार पर 24 फीसदी बढ़कर 10,997 करोड़ रुपये हो गई, जबकि उक्त तिमाही के लिए वैश्विक शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) सालाना आधार पर 25 आधार अंक बढ़कर 3.27 फीसदी हो गया। घरेलू एनआईएम पहली तिमाही में सालाना आधार पर 34 आधार अंक बढ़कर 3.41 प्रतिशत हो गया।

एकीकृत इकाई का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 4,452 करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 2023 की पहली तिमाही में 1,944 करोड़ रुपये था। कंपनी की फाइलिंग से पता चला है कि यह सालाना आधार पर 129प्रतिशत की बढ़ोतरी थी।

वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में अग्रिम पर प्रतिफल बढ़कर 8.40 फीसदी हो गया, जो वित्त वर्ष 2023 की पहली तिमाही में 6.5 फीसदी था। जमा की लागत की बात करें तो वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में यह 4.68प्रतिशत फीसदी दर्ज की गई, जो वित्त वर्ष

23 की पहली तिमाही में 3.46प्रतिशत फीसदी थी।

वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में कंपनी की परिचालन आय सालाना आधार पर 42.9प्रतिशत फीसदी बढ़कर 14,319 करोड़ रुपये रही। सकल एनपीए वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 33.8प्रतिशत फीसदी घटकर 34,832 करोड़ रुपये रह गया, जबकि सकल एनपीए अनुपात पहली तिमाही में 3.51प्रतिशत रहा जो पिछले वित्तीय वर्ष पहली तिमाही में 6.26प्रतिशत थी। कंपनी ने बताया कि शुद्ध एनपीए अनुपात वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 0.78 प्रतिशत के रिकॉर्ड निचले स्तर पर रहा, जो वित्त वर्ष 2023 की पहली तिमाही में 1.58प्रतिशत प्रतिशत था।

लैपटॉप-टैबलेट और कम्प्यूटर पर इंपोर्ट प्रतिबंध अभी नहीं: लाइसेंस के बिना आयात की तारीख 31 अक्टूबर तक बढ़ाई, नया नियम नवंबर से

नई दिल्ली।
केंद्र सरकार ने लैपटॉप, टैबलेट और पर्सनल कम्प्यूटर के इंपोर्ट के लिए लाइसेंस अनिवार्य करने की तारीख 31 अक्टूबर 2023 तक बढ़ा दी है। सरकार ने एक नोटिफिकेशन जारी कर इस बात की जानकारी दी। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड की नोटिफिकेशन के अनुसार, प्रतिबंधित कंसाइनमेंट को 31 अक्टूबर तक लाइसेंस के बिना इंपोर्ट की मंजूरी दी जा सकती है, लेकिन 1 नवंबर 2023 से ऐसे सभी प्रोडक्ट को इंपोर्ट करने के लिए वैध लाइसेंस की जरूरत होगी। इससे पहले सरकार ने नोटिफिकेशन जारी करते हुए लैपटॉप, टैबलेट और पर्सनल कम्प्यूटर के इंपोर्ट पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी थी।

सेफ्टी कंसर्न के कारण सरकार ने उठाया ये कदम

लैपटॉप, टैबलेट और पर्सनल कंप्यूटर के इंपोर्ट पर प्रतिबंध लगाने और केवल वैध

लाइसेंस के माध्यम से इंपोर्ट की अनुमति देने का सरकार का यह नया कदम सेफ्टी कंसर्न के कारण है। इसके साथ ही सरकार को इससे मेक इन इंडिया प्रोग्राम और लोकल मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इस फैसले से लोकल मैन्युफैक्चरर्स और ऐसी विदेशी कंपनियों को फायदा होगा, जो देश में लगातार प्रोडक्शन कर रहे हैं, लोकल सप्लाई को बढ़ावा दे रहे हैं और दूसरे देशों को भी एक्सपोर्ट कर रहे हैं। डेल और एचपी उन कंपनियों में से हैं जिनकी भारत में पहले से ही मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटीज हैं।

बैगेज में इन आइटम्स को ले जाने पर प्रतिबंध नहीं

मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने नोटिफिकेशन में कहा था आने वाले लैपटॉप, टैबलेट, ऑल-इन-वन पर्सनल कम्प्यूटर और अल्ट्रा स्मॉल फॉर्म फैक्टर कम्प्यूटर और सर्वर का इंपोर्ट प्रतिबंधित होगा। हालांकि यह प्रतिबंध उन पैसेंजर्स पर लागू नहीं होगा जो अपने बैगेज में इन आइटम्स को साथ ले जा रहे हैं।

इसके अलावा एक लैपटॉप, टैबलेट, ऑल-इन-वन पर्सनल कम्प्यूटर या अल्ट्रा स्मॉल फॉर्म फैक्टर कम्प्यूटर इंपोर्ट करने पर भी ये प्रतिबंध लागू नहीं होगा। इसमें ई-कॉमर्स पोर्टल से पोस्ट या कूरियर के माध्यम से खरीदी गई वस्तुएं भी शामिल हैं। इंपोर्ट पर जो फीस लगती है वो देनी होगी। फॉरेन ट्रेड पॉलिसी में बदलाव करते हुए केंद्र सरकार ने यह फैसला लिया।

आपूर्ति में कमी के कारण टमाटर के भाव फिर उछले, मदर डेयरी स्टोर्स पर 259 रुपये प्रति किलो हुआ रेट

नई दिल्ली ।
दिल्ली में टमाटर की कीमतों में एक बार फिर उछाल दिख रहा है। मदर डेयरी ने अपने सफल खुदरा स्टोर्स पर 259 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से इसकी बिक्री की। प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण आपूर्ति बाधित होने के कारण टमाटर की कीमतों पर एक महीने से अधिक समय से दबाव बना हुआ है। आने वाले कुछ दिनों में लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, उम्मीद जताई जा रही है कि अगर परिस्थितियां अनुकूल हुईं तो सितंबर से टमाटर में दामों में कमी देखी जा सकती है।

मदर डेयरी के सफल रिटेल स्टोर्स पर टमाटर की कीमत 259 रुपये प्रति किलोग्राम

केंद्र सरकार के हस्तक्षेप के बाद 14 जुलाई से रियायती दर पर टमाटर की बिक्री शुरू होने से राष्ट्रीय राजधानी में इसकी खुदरा कीमतों में नरमी आई थी, लेकिन कम आपूर्ति के कारण भाव फिर चढ़ गए हैं। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार टमाटर की खुदरा कीमत 203 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गए, जबकि मदर

डेयरी के सफल रिटेल स्टोर्स पर टमाटर की कीमत 259 रुपये प्रति किलोग्राम रही।

बेमौसम बारिश के कारण देश भर में प्रभावित हुई टमाटर की आपूर्ति

मदर डेयरी के प्रवक्ता के अनुसार, मौसम की असामान्यता (बेमौसम बारिश) के कारण पिछले दो महीनों से देश भर में टमाटर की आपूर्ति प्रभावित हुई है। पिछले दो दिनों में आजादपुर, जो दिल्ली के लिए मुख्य मंडी है, में भी टमाटर की आवक में भारी गिरावट आई है। कम आपूर्ति के कारण थोक में कीमतें तेजी से बढ़ी हैं, जिसके परिणामस्वरूप खुदरा कीमतों पर भी असर पड़ा है।

एशिया की सबसे बड़ी फल व सब्जियों की मंडी में टमाटर के भाव 170-220 रुपये प्रति किलो

एशिया की सबसे बड़ी थोक फल और सब्जियों की मंडी आजादपुर मंडी में टमाटर का थोक भाव गुणवत्ता के आधार पर 170-220 रुपये प्रति किलो रहा। आजादपुर टमाटर एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक कौशिक के अनुसार, पिछले तीन दिनों में टमाटर की आवक कम हो गई है क्योंकि भारी बारिश के कारण उत्पादक क्षेत्रों में फसल को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि आजादपुर मंडी में केवल 15 प्रतिशत टमाटर की आवक देखी गई क्योंकि केवल छह छोटे ट्रक जो कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के थे यहां पहुंचे। कौशिक ने हालांकि कहा कि अगले 10 दिनों में आपूर्ति की स्थिति में सुधार होने की उम्मीद है।

वित्त मंत्रालय ने अपनी मासिक आर्थिक रिपोर्ट में खाद्य पदार्थों के भाव पर कही ये बात

वित्त मंत्रालय ने कहा कि जून में खाद्य पदार्थों की कीमतों में हालिया तेजी आरबीआई और सरकार की ओर से सतर्क दृष्टिकोण की आवश्यकता को रेखांकित करती है। मंत्रालय ने अपनी जून की मासिक आर्थिक रिपोर्ट में यह भी कहा कि जून 2023 तिमाही की शुरुआत से कोर मुद्रास्फीति में भी नरमी आ रही है, जो अर्थव्यवस्था में समग्र मूल्य स्थिरता की बहाली का संकेत देती है।

अर्थव्यवस्था में समग्र मूल्य स्थिरता के संकेत

उन्होंने कहा, मुद्रास्फीति में जून 2023 तिमाही में पिछले साल की इसी तिमाही की तुलना में उल्लेखनीय गिरावट आई है और यह आरबीआई के सहिष्णुता बैंड में प्रवेश कर गई है। जून 2023 तिमाही की शुरुआत से मुख्य मुद्रास्फीति में भी नरमी आ रही है, जो अर्थव्यवस्था में समग्र मूल्य स्थिरता की बहाली का संकेत देती है।

फलों, सब्जियों और दालों की कीमतों पर सतर्कता बरतने की जरूरत

बयान में कहा गया है, मौसम संबंधी व्यवधानों के कारण फलों, सब्जियों और दालों की कीमतों में वृद्धि ने सीपीआई-खाद्य मुद्रास्फीति को मई 2023 के 3 प्रतिशत से बढ़ाकर जून 2023 में 4.5 प्रतिशत कर दिया, इस पर आरबीआई और सरकार की ओर से सतर्कता बरतने की जरूरत है।

ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट गौरी सावंत की असल जिंदगी की कहानी है ताली

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म ताली के निमार्ता अर्जुन सिंह बरन और कार्तिक डी निशानदार ने बताया है कि फिल्म ताली ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट गौरी सावंत की असल जिंदगी की कहानी है। उन्होंने खुलासा किया कि कैसे सुष्मिता सेन और ट्रांसजेंडर एक्टि-विस्ट श्रीगौरी सावंत एक कॉमन फैक्टर के कारण एक-दूसरे से जुड़े। सीरीज में सुष्मिता सेन के ट्रांसजेंडर अवतार को देखकर फैंस जमकर ता-रीफ कर रहे हैं। सुष्मिता और श्रीगौरी के बीच सामान्य संबंध कारक के बारे में बात करते हुए, दोनों ने कहा कि एक लिंग के रूप में पहचाने जाने के लिए याचिका दायर करने की कल्पना करें। श्रीगौरी सावंत की कहानी से पता चलेगा कि उनके जैसे नागरिकों को कितनी बाधाओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा एक इंसान के रूप में गौरी सावंत एक बड़ी प्रेरणा हैं, जिन्होंने न केवल सामाजिक चुनौतियों पर जीत हासिल की, बल्कि एक मृत एड्स रोगी की बेटी को भी गोद लिया। सुष्मिता और श्रीगौरी सावंत दोनों दत्तक माएं हैं, और इस कॉमन फैक्टर के कारण एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने बताया कि सुष्मिता दो गोद ली हुई बेटियों की मां हैं। उन्होंने अपनी पहली बेटी रेनी को 2000 में गोद लिया था जबकि उनकी दूसरी बेटी अलीसा 2010 में परिवार में शामिल हुईं। निमार्ता को उम्मीद है कि यह सीरीज ट्रांसजेंडर नागरिकों के लिए अधिक समावेशी समाज की आवश्यकता पर प्रकाश डालेगा। उन्होंने कहा कि टीजर ताली में सुष्मिता के शानदार प्रदर्शन की एक झलक पेश करता है। श्रीगौरी सावंत के संघर्षों और उनका जुनून हर सीन में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। दोनों ने आगे सुष्मिता को शानदार एक्ट्रेस बताते हुए कहा कि वह जो भी किर-दार निभाती हैं उसे अपने अंदर समाहित कर लेती हैं। शो का निर्माण अर्जुन सिंह बरन, कार्तिक डी निशानदार और अफीफा नाडियाडवाला द्वारा किया गया है। इसमें अंकुर भाटिया, ऐश्वर्या नारकर, हेमांगी कवि, सुव्रत जोशी, कृतिका देव, नितीश राठौड़, मीनाक्षी चुघ और शान कक्कड़ भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

मृणाल ठाकुर अपना जन्मदिन देवरकोंडा की फिल्म वीडी13 के सेट पर मनाएंगी

मुंबई (ईएमएस)। सुप्रसिद्ध एक्ट्रेस मृणाल ठ-ाकुर अपना 31वां जन्मदिन विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म के सेट पर मनाएंगी। जानकारी के अनुसार दोस्तों और परिवार के साथ सेलिब्रेट नहीं कर पाने के चलते एक्ट्रेस अपना जन्मदिन तेलुगु फिल्म वीडी13 के कलाकारों और क्रू के साथ मनाएंगी। बताया जा रहा है कि वह वर्तमान में हैदराबाद में शूटिंग कर रही हैं, शूटिंग इस सप्ताह शुरू हुई है। इस संबन्ध में मृणाल ने कहा कि मैं आमतौर पर अपने जन्मदिन को कम अहमियत देती हूं। चूंकि हम बहुत सार्वजनिक जीवन जीते हैं, मेरे लिए दोस्तों और परिवार के साथ कुछ खास दिन बिताना महत्वपूर्ण है। लेकिन, इस बार सेलिब्रेशन वीडी13 के सेट पर अद्भुत कलाकारों और क्रू मेंबर्स के साथ होगा, जिनके साथ मैंने अभी काम करना शुरू किया है। उन्होंने कहा कि हम वर्तमान में हैदराबाद में शूटिंग कर रहे हैं और पिछले साल लगभग सीता रामम और फिर हाय नन्ना के लिए यहां बड़े पैमाने पर शूटिंग करने के बाद यह जगह मेरा दूसरा घर बन गया है। फिल्म का पहला शेड्यूल पूरा करने के बाद जब मैं अपने परिवार के साथ घर आऊंगी तो मैं निश्चित रूप से एक छोटा सा सेलिब्रेशन कंरूगी। इसके अलावा, वह हाय नन्ना की भी शूटिंग कर रही हैं, जिसमें तेलुगु सुपरस्टार नानी भी हैं। शौरयुव द्वारा निर्देशित यह एक इमोशनल ड्रामा फिल्म है, जो पिता-बेटी के रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है। वीडी13 में मृणाल विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी। यह प्रोजेक्ट गीता गोविंदम के बाद विजय और निर्देशक परसुराम के पुनर्मिलन का प्रतीक है, जो एक बड़ी हिट थी। मृणाल पीरियड ड्रामा पिप्पा में भी नजर आएंगी, जिसमें ईशान खट्टर, प्रियांशु पेनयुली और सोनी राजदान भी हैं, जो जल्द ही रिलीज होगी।

फिल्म द अंडरबग का प्रीमियर होगा आईएफएफएम में

-अली फजल की इस फिल्म की होगी स्पेशल स्क्रीनिंग

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म द अंडरबग का प्रीमियर इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) 2023 में होगा। इस फिल्म में एक्टर अली फजल और हुसैन दलाल ने अभिनय किया है। शुजात सौदागर द्वारा निर्देशित साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म की फेस्टिवल में स्पेशल स्क्रीनिंग होगी। द अंडरबग ने अपना वर्ल्ड प्रीमियर प्रतिष्ठित स्लैमडांस फिल्म फेस्टिवल में किया, जहां उन्होंने बेस्ट फिल्म के लिए ग्रैंड जूरी प्राइज जीता। अली ने कहा, हम द अंडरबग को मेलबर्न के इंडियन फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित किए जाने से रोमांचित हैं। फिल्म के साथ हमारी पहली प्रस्तुति शानदार रूप से सफल रही और यह व्यक्तिगत रूप से एक ऐसी फिल्म है जो मेरे दिल के करीब है। यह एक अनोखी यात्रा और शैली है जो मैंने पहले कभी नहीं की है और मुझे इसका हिस्सा बनने पर बहुत गर्व है। यह रोमांचकारी है कि फेस्टिवल में दर्शकों का एक नया समूह इस फिल्म को देखेगा। दिग्गज स्टार शबाना आजमी देश में स्वतंत्रता दिवस सप्ताहांत के उपलक्ष्य में 12 अगस्त को आईएफएफएम में भारतीय ध्वज फहराएंगी। यह महोत्सव इस साल 11 से 20 अगस्त तक होगा। शबाना मेलबर्न के भारतीय फिल्म महोत्सव का हिस्सा बनकर खुश हैं और इस महत्वपूर्ण अवसर पर भारतीय राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए चुने जाने पर बेहद सम्मानित महसूस कर रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा, आईएफएफएम ने लगातार भारतीय सिनेमा की अविश्वसनीय विविधता और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया है और ऐसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम का हिस्सा बनना उत्साहजनक है, जो हमारे सिनेमा को वैश्विक दर्शकों के सामने लाता है। मैं इसका हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं। बता दें कि । आ-ईएफएफएम एक एनुअल फेस्टिवल है जो 11 से 20 अगस्त के बीच आयोजित होगा, जिसमें ऑस्ट्रेलिया में दर्शकों के लिए भारतीय सिनेमा की अलग-अलग रेंज प्रदर्शित की जाएगी।

पति-बेटी के साथ फोटो शेयर किया प्रियंका ने

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। प्रियंका अपने फैंस के लिए पति निक जोनस और बेटी मालती के साथ आए दिन सोशल मीडिया पर फोटो और वीडियो अपने चाहने वालों के लिए शेयर करती रहती हैं। अब प्रियंका और निक ने कुछ खूबसूरत फोटो शेयर की हैं। निक प्रियंका के साथ खुशी के पलों की झलकियां पोस्ट कीं, जो स्विमसूट में उनके साथ पोज देते हुए बेहद प्यारी लग रही थीं। दूसरी फोटो में निक बेटी को गोद में लिए दिखे, जब वह बेबी पूल में आनंद ले रही थी। बच्ची व्हाइट शर्ट और रंगीन टोपी पहने बेहद क्यूट लग रही हैं। निक ने समुद्र तट से एक और फोटो पोस्ट की। इसमें प्रियंका ने रेड रफल्ड स्विमसूट पहना है। वह बेटी के साथ लहरों के बीच लेटी हुई हैं। एक फोटो में निक व प्रियंका सेल्फी लेते दिख रहे हैं। प्रियंका ने बुधवार (2 अगस्त) को बेटी के साथ दो फोटो शेयर कीं। इनमें वह अमेरिका की सड़कों पर खड़ी होकर बेटी को सुपरमून दिखा रही हैं। दोनों व्हाइट आउटफिट में हैं। प्रियंका ने कैप्शन में लिखा, सुपरमून देख रही हूं।

धर्मेंद्र जैसे इंसान को कौन किस नहीं करना चाहेगा?

-किसिंग सीन पर शबाना ने तोड़ी चुप्पी

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में धर्मेंद्र संग कि-सिंग सीन पर शबाना आजमी ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। किसिंग सीन पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए शबाना आजमी ने कहा, जब हम किस कर रहे थे तो लोग खुश हो रहे थे और चीयर कर रहे थे। शूटिंग के दौरान यह कभी कोई मुद्दा नहीं था। यह सच है कि मैंने पहले स्क्रीन पर ज्यादा किस नहीं किया है, लेकिन कौन धर्मेंद्र जैसे खूबसूरत इंसान को किस नहीं करना चाहेगा? जब शबाना से इस किसिंग सीन पर जावेद अख्तर के रिएक्शन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वो इस बात से बिलकुल परेशान नहीं हुए। उन्हें इस बात से परेशानी थी कि फिल्म में मेरा किरदार थोड़ा राउडी जैसा था। पूरी फिल्म में मैं तालियां बजा रही थी, सीटियां बजा रही थी और चिल्ला रही थी जिसे देखकर जावेद साहब बोले- मैं नहीं जानता था कि ये महिला मेरे बगल में बैठती है। मैं एक्साइटमेंट में पागल हो गया था। इससे पहले एक इंटरव्यू में धर्मेंद्र ने शबाना के साथ किसिंग सीन पर बात की थी। उन्होंने कहा था, ह्लसुन रहा हूं कि शबाना और मेरे किसिंग सीन से दर्शक चौंक गए। मुझे लगता है कि लोगों को इस्-ाकी उम्मीद नहीं थी इसलिए इसका प्रभाव हुआ। बता दें कि आलिया भट्ट और रणवीर सिंह स्टारर फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी रिलीजिंग के बाद से लगातार चर्चा में है। फिल्म में धर्मेंद्र और शबाना आजमी लिपलॉक करते दिखे हैं। उनका ये सीन देख लोग काफी हैरान हुए और तरह-तरह के सवाल करते नजर आए।

रजनीकांत के साथ दिखेगी तमन्ना भाटिया

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया और रजनीकांत की फिल्म जेलर 10 अगस्त को रिलीज होगी। दोनों ही कलाकार साउथ फिल्म इंडस्ट्री में छाए हुए हैं। फिल्म के डायरेक्टर नेल्सन दिलीप कुमार हैं। यह फिल्म 250 करोड़ के बजट में बनी है और इसमें मोहनलाल भी कैमियो करते दिखेंगे। तमन्ना को पहली बार रजनीकांत संग स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला है और वे इससे काफी खुश हैं। यह पहली बार नहीं है कि तमन्ना अपने से 35-40 साल बड़े किसी अभिनेता के साथ काम कर रही हैं। इससे पहले वे चिरंजीवी के साथ भोला शंकर में काम कर चुकी हैं। चिरंजीवी 67 साल के हैं। वे तमन्ना से 34 साल बड़े हैं। भोला शंकर आगामी वर्ष प्रदर्शित होगी। हालांकि फैंस को यह अटपटा लग रहा है और वे इसके लिए सोशल मीडिया पर सवाल उठा रहे हैं। दर-असल रजनीकांत 72 साल के हैं, जबकि तमन्ना की उम्र 33 साल है। यानी उनमें 39 साल का फासला है। इस कारण यह जोड़ी लोगों को हजम नहीं हो रही। अब तमन्ना ने इस बारे में जवाब दिया है।

करण जौहर का बड़ा खुलासा- मैं अपनी मां के लिए ब्रा खरीदता हूं

फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म के कुछ सीन काफी चर्चा में हैं। एक सीन है जिसमें रणवीर सिंह उर्फ रॉकी रानी की मां के लिए ब्रा खरीदते हैं। इस सीन को लेकर करण जौहर ने खुलासा किया है, मैं अपनी मां के लिए ब्रा खरीदता हूं और मुझे इससे कोई परेशानी नहीं है। करण ने कहा, मैं मां के लिए ब्रा खरीदने जाता हूं और मुझे इससे कभी कोई दिक्कत नहीं हुई, लेकिन जब मैंने ऐसा किया, तो मेरे साथ कुछ दोस्त भी थे, जो हैरान थे कि मैं ऐसा क्यों कर रहा हूं, मैंने अपनी महिला मित्रों से क्यों नहीं करवाया और मैं सोच रहा था, क्यों? अगर मेरी मां ने मुझसे यह काम करने को कहा तो मैं किसी और को यह काम करने के लिए क्यों भेजूं? मेरी मां अब 81 वर्ष की हैं और अब जब उन्हें किसी चीज की जरूरत होती है और मैं ऐसी जगह पर हूं, जिसके पास वह चीज है, तो मुझे उनके लिए वह चीजें खरीदनी पड़ती हैं जो वह चाहती हैं। यह ब्रा या कुछ और भी हो सकता है। करण ने यह भी बताया कि फिल्म के कुछ दृश्य लोगों को असहज कर सकते हैं, लेकिन वह मेरा कहना था। करण जौहर ने कहा, वह दृश्य मेरे लिए बहुत ही जैविक था, क्योंकि मुझे पता था कि हर कोई असहज महसूस कर रहा था। फिल्म में एक डायलॉग है, जिसमें चूर्णी गांगुली कहती हैं, सदियों से महिलाएं पुरुषों की पैंटी रगड़ती रही हैं और आप ब्रा नहीं छू सकते?" इस दृश्य पर लोगों की प्रतिक्रिया भी निश्चित थी। फिल्म ह्यरॉकी और रानी की प्रेम ने अब तक कुल 73.62 करोड़ की कमाई कर ली है। 28 जुलाई को रिलीज हुई इस फिल्म ने सातवें दिन 6.50 करोड़ का कलेक्शन किया है। फिल्म में आलिया भट्ट, रणवीर सिंह, धर्मेंद्र, जया बच्चन, शबाना आजमी, क्षितित जोग मुख्य भूमिका में हैं।

अभिषेक बच्चन की फिल्म 'घूमर' का ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता अभिषेक बच्चन और एक्ट्रेस सैयामी खेर अपनी फिल्म 'घूमर' से दर्शकों से रूबरू होने वाली हैं। इस फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। यह ट्रेलर एक खिलाड़ी के जुनून, दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत को दशार्ता है। फिल्म घूमर के ट्रेलर में सैयामी एक दुर्घटना में अपना एक हाथ खो देती हैं। सैयामी एक क्रिकेटर हैं। दुर्घटना के बाद एक हाथ से क्रिकेट कैसे खेलें? सैयामी का ऐसा सवाल है। इसी बीच उसकी जिंदगी में एक कोच की एंट्री होती है। 'घूमर' में अभिनेता अभिषेक बच्चन एक कोच की भूमिका निभाते हैं, जिनकी जिंदगी में अप्रत्याशित मोड़ आता है। वह एक खिलाड़ी को प्रशिक्षित करते हैं। खिलाड़ी का किरदार सैयामी खेर ने निभाया है। इस फिल्म में दर्शकों को आर. बाल्की के निर्देशन का जादू देखने को मिलेगा। फिल्म 'घूमर' के ट्रेलर ने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है। फिल्म में अभिनेता अभिषेक बच्चन और एक्ट्रेस सैयामी खेर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में अभिनेता शिवेंद्र सिंह और इंवाका दास भी अभिनय करेंगे।

फिल्म 'घूमर' 18 अगस्त को होगी रिलीज - आर. बाल्की के निर्देशित फिल्म 'घूमर' 18 अगस्त 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अभिषेक बच्चन ने फिल्म 'घूमर' का ट्रेलर सोशल मीडिया पर शेयर किया। उन्होंने इस ट्रेलर को कैप्शन दिया, 'बाएं हाथ का खेल।'

ओएमजी-2 को ए सटिफिकेट प्रदान किया

सेंसर बोर्ड के पास अटकी पड़ी एक्टर अक्षय कुमार की फिल्म ओएमजी-2 को सेंसर बोर्ड ने ए सटिफिकेट प्रदान किया है। बताया जा रहा था कि फिल्म के निमार्ता ए प्रमाण पत्र लेने को तैयार नहीं हैं। सेंसर बोर्ड ने इस फिल्म के कुछ दृश्यों पर आपत्ति की थी, जिसके चलते उन्हें ए प्रमाण पत्र जारी करना पड़ा है। बता दें कि ओएमजी 2 के निर्देशक अमित राय हैं। फिल्म साल 2012 में रिलीज हुई ओएमजी का सीक्वल है। निमार्ताओं के लिए राहत भरी बात सिर्फ यह है कि सेंसर बोर्ड ने फिल्म में कोई कट नहीं लगाया है। इसे बिना किसी कट के रिलीज किया जाएगा। दिलचस्प बात यह है कि 12 साल में केवल वयस्कों के लिए प्रमाणपत्र पाने वाली यह अक्षय कुमार की पहली फिल्म है। आखिरी बार अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म देसी बॉयज को 2011 में ए सर्टिफिकेट मिला था और अब, उनकी आने वाली फिल्म ओह माय गॉड 2 को भी ए सर्टिफि-केट मिला है। फिल्म का रन टाइम 2 घंटे 36 मिनट है। हालांकि सेंसर बोर्ड ने मेकर्स से फिल्म में 27 मॉडिफि-केशन (रूपांतरण) करने को कहा है। फिल्म को ए सर्टिफिकेट मिला है।

सूडोकु नवताल- 6514

★☆☆☆☆ सरल

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6513 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

शब्दजाल - 7261

प्र	उ	त्त	र	प्र	दे	श	ब	ना	क	प्र
ती	क	ती	ति	ल	क	व	जी	ग	कृ	गु
के	ड़	रा	त	त	मि	ल	ना	डु	आ	ज
र	क	क	ज	ज	जा	पु	का	प्र	प	रा
ल	प्र	क	का	स्था	ग	प्र	अ	प्र	श	त
झ	झा	का	प्र	ल	न	ह	झ	दे	ना	ण
घ	र	ती	श	षी	म	प्र	प्र	से	क	क
ला	खं	क	ता	तै	ई	ध्य	ब	र्ना	फ	लो
श	ड	प्र	बि	हि	म	ई	ट	प्र	री	प
प	जा	द	र	हा	प	क	जी	उ	ड़ी	सा
प	प्र	क	क	प्र	र	है	या	रा	बा	प्र

शब्द जाल में भारत के 10 राज्यों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु, केरल, उड़ीसा

शब्दजाल - 7260 का हल

मं	स	दौ	ल	त	का	जं	ग	ल	ल्ली	क
ग	फ	रि	श्ता	ला	फि	बा	जी	ग	झ	क
ल	क	ल	म	ह	ला	पू	ना	ण	ट	को
पां	इ	ल	त	हैं	प	ल	ला	रं	ला	आ
डे	श्क	ल	मा	नु	आ	उ	वा	ण	घ	ब
ती	ब	ल	शा	सं	शी	ही	रं	कौ	ला	रु
क	बा	हु	र	मे	र्वा	अ	य	या	श	गा
बे	द	ल	बे	ला	द	स	छू	र	प	न
व	र	ल	प	ग	जी	ना	ल	त	के	दों
फा	क	ल	प	द	म	दि	व्य	ब	क	या
जी	आ	ज	औ	र	क	ल	द्वा	ण	घ	न्या

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6214

		3	4		6	7
7	**24**	2	**32**	3	**41**	
	3		5	6		
6	**28**		**36**		**30**	4
		5	6		1	
5	**39**	7	**43**	4	**25**	
4				1		3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6213 का हल

6	4	1	7	2	5	3
5	**33**	3	**32**	1	**27**	7
4	3	7	5	6	1	2
3	**35**	2	**37**	7	**32**	6
7	4	5	2	3	6	1
2	**32**	4	**36**	4	**30**	5
1	3	6	7	5	2	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

कंपाउंड तीरंदाज बेटियां पहली बार विश्व चैंपियन बनीं; ज्योति, परणीत और अदिति की टीम ने जीता स्वर्ण

नई दिल्ली ।

विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में भारतीय बेटियों ने इतिहास रच दिया। ज्योति सुरेखा, अदिति स्वामी और परणीत कौर की टीम ने फाइनल में मैक्सिको को 235-229 से हराकर पहली बार कंपाउंड तीरंदाजी में विश्व विजेता बनने का गौरव हासिल किया। सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने कोलंबिया को 220-216 से पराजित किया, जबकि क्वार्टर फाइनल में चीनी ताईपे पर कड़े संघर्ष में 228-226 से जीत हासिल की। टीम ही नहीं बल्कि व्यक्तिगत मुकाबलों में भी इन तीनों तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष आठ में जगह बनाते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। ये तीनों तीरंदाज हांगझू एशियाई खेलों की टीम में भी शामिल हैं। हालांकि कंपाउंड पुरुष और मिश्रित टीम तीरंदाजों ने निराश किया। दोनों ही टीमें क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गईं। ओजस देवताले और ज्योति की मिश्रित टीम को क्वार्टर फाइनल में अमेरिका ने 154-153 से हराया, जबकि अभिषेक वर्मा, ओजस, प्रथमेश जावकर की पुरुष टीम को क्वार्टर फाइनल में 230-235 से हार मिली।

पीएम मोदी ने बधाई

भारतीय टीम को ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी है। पीएम मोदी ने लिखा भारत के लिए यह गर्व का क्षण है, क्योंकि हमारी असाधारण कंपाउंड महिला टीम ने बर्लिन में आयोजित विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। हमारे चैंपियंस को बधाई! उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के कारण यह उत्कृष्ट परिणाम आया है।

रीकर्व तीरंदाज ओलंपिक क्वालिफिकेशन से चूके

ओलंपिक में शामिल रीकर्व तीरंदाजी में भारतीय टीम का प्रदर्शन खराब रहा। पुरुष और महिला टीम को क्वार्टर फाइनल में ही हार का सामना करना पड़ा। टोक्यो ओलंपिक से पहले भारतीय पुरुष टीम ने विश्व चैंपियनशिप में ही ओलंपिक टिकट हासिल कर लिया था।

परणीत की प्रेरणा बनी मिल्खा की जीवनी

पहली बार विश्व चैंपियन बनने वाली कंपाउंड महिला टीम में शामिल परणीत कौर पटियाला की हैं। अध्यापक पिता अवतार सिंह अपनी बेटी परणीत को 2015 में एनआईएस पटियाला लेकर गए। उन्होंने परणीत को तलवारबाजी और तीरंदाजी को दिखाया और कहा कि उन्हें इन दोनों में से कोई एक खेल चुनना है। परणीत ने तीरंदाजी को चुना। वह पंजाबी यूनिवर्सिटी में कोच सुरेंदर कुमार के पास गईं। सुरेंदर की पत्नी गगनदीप कौर 2010 के दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता हैं।

न्यूज ब्रीफ

भारत के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए आयरलैंड टीम जारीः गैरेथ डेलानी, फिओन हैंड की वापसी; पहला मुकाबला 18 अगस्त को

नई दिल्ली । आयरलैंड ने भारत के खिलाफ तीन टी-20 मैचों की सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर दी है। भारतीय टीम आयरलैंड दौरे पर 18 अगस्त से टी-20 सीरीज का पहला मैच खेलेगी। टीम इंडिया पहले ही टी-20 सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर चुकी है। आयरलैंड की आईसीसी मेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में क्वालिफाई करने के बाद पहली सीरीज है। आयरलैंड ने टी-20 सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। टीम में अनुभवी लेग स्पिनर गैरेथ डेलानी की वापसी हुई है, जो जून में लगी कलाई की चोट के कारण टीम से बाहर बाहर चल रहे थे। 25 साल ऑलराउंडर फिओन हैंड भी वापसी कररहे हैं, जिन्होंने पिछले साल अगस्त में अपना टी-20 डेब्यू किया था और इस साल जून में अपना पहला टेस्ट खेला था। इस सीरीज में टीम की कप्तानी पॉल स्टर्लिंग को सौंपी गई है। पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), एंड्रयू बालबर्नी, मार्क अडायर, रॉस अडायर, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, फिओन हैंड, जोश लिटिल, बैरी मैक्कार्थी, हैरी टेक्टर, लोर्कन टकर, थियो वैन वोर्कोम, बेन व्हाइट, क्रेग यंग। आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम जसप्रीत बुमराह (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, संजू सैमसन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, रवि बिश्नोई, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार और आवेश खान।

साई ने शुरू की शॉर्ट फिल्म सीरीज हल्ला बोल; 12 फिल्मों में दिखाई जाएगी खिलाड़ियों की सफलता की कहानी

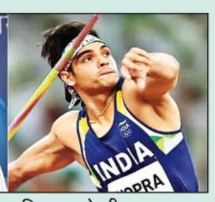

नई दिल्ली । भारतीय खेल प्राधिकरण ने तीन अगस्त को अम्ब्रेला अभियान प्तचीयर फॉर इंडिया के तहत एक लघु फिल्म सीरीज हल्ला बोल लॉन्च की है। इस सीरीज का उद्देश्य हांग्जो जाने वाले एथलीटों को प्रेरित करना और आगामी एशियाई खेलों के बारे में जागरूकता फैलाना है। टोक्यो ओलंपिक से पहले इसी तरह की एक फिल्म सीरीज, ओलंपिक की आशा लॉन्च की गई थी। दोनों फिल्म सीरीज में अंतर यह है कि हल्ला बोल सीरीज मुख्य रूप से हमारे प्रतिष्ठित एथलीटों की खेल यात्रा पर केंद्रित है। साई ने आने वाले हफ्तों में कुल 12 लघु फिल्में लॉन्च करने की योजना बनाई है और उम्मीद है कि यह पहल न केवल एशियाई खेलों में जाने वाले एथलीटों को बल्कि देश के युवाओं को भी खेल अपनाने और खेल में अपना करियर बनाने के लिए प्रेरित करेगी। इस पहल के बारे में बात करते हुए युवा मामले और खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने ट्वीट किया। उन्होंने लिखा, जैसा कि भारतीय दल एशियाई खेलों के 19वें संस्करण के लिए तैयार है, साई की प्रेरणादायक प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों पर बनी हल्ला बोल सीरीज को देखना न भूलें। यह फिल्स सीरीज हमारे प्रतिभाशाली एथलीटों की यात्रा को दिखाती है, जो एक बार फिर देश को गौरव और सफलता दिलाने के मिशन पर हैं। एशियन गेम्स में सिर्फ 50 दिन बचे हैं, अब समय आ गया है कि हम टीम इंडिया का समर्थन करें और अपने अनूठे और विविधतापूर्ण तरीके से उन्हें प्रोत्साहित करें।

अर्जेंटीना के मिडफील्डर सोलारी एटलस में शामिल हुए

मेक्सिको सिटी। एटलस ने मुफ्त ट्रांसफर पर अर्जेंटीना के मिडफील्डर अगस्टो सोलारी के साथ अनुबंध पूरा कर लिया है। मेक्सिको के शीर्ष क्लब ने यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, सोलारी, जो पिछले महीने स्पेन के सेल्टा विगो से अलग हो गए थे, एक अनुबंध पर सहमत हुए जो कथित तौर पर जुलाई 2025 तक चलेगा। 31 वर्षीय एटलस के लिए छठे ग्रीष्मकालीन अनुबंध के रूप में हस्ताक्षर कर रहे हैं, जिसमें एडवर्ड एगुइरे, रिवाल्डो लोज़ानो, माटेओ गार्सिया, जोर्डी कैसिडो और जुआन मैनुअल ज़पाटा शामिल हैं। न्यू इंग्लैंड से पेनल्टी शूटआउट में हार के साथ लीग कप - जिसमें मैक्सिको, कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका की टीमें शामिल थीं - से बाहर होने के बाद एटलस को वर्तमान में एक विस्तारित ब्रेक का सामना करना पड़ रहा है। लीगा एमएक्स एपरटुरा सीज़न के 25 अगस्त को ग्रीष्मकालीन अवकाश से लौटने की उम्मीद है।

स्टुअर्ट ब्रॉड...ऐसी कहानी जो हर क्रिकेट प्रेमी दोहराएगा

टी-20 के एक ओवर में 6 छक्के खाए, 600 टेस्ट विकेट के बाद संन्यास लिया

नई दिल्ली ।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने 1 अगस्त को अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच खेला। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह ऐशेज टेस्ट 37 साल के ब्रॉड के लिए किसी सपने से कम नहीं रहा। उन्होंने बैटिंग में करियर की आखिरी गेंद पर छक्का लगाया और बॉलिंग में आखिरी गेंद पर विकेट लिया। ब्रॉड के इस विकेट के साथ ही इंग्लैंड ने ऐशेज सीरीज के पांचवें टेस्ट में जीत हासिल की। ब्रॉड ने 604 टेस्ट विकेट के साथ अपना करियर खत्म किया। उन्हीं के टीम मेट जेम्स एंडरसन के अलावा दुनिया के किसी अन्य तेज गेंदबाज ने टेस्ट में इतने विकेट नहीं लिए हैं। ये नंबर बताते हैं कि ब्रॉड का करियर एक फेयरी टेल (परी कथा) जैसा रहा होगा। जिस मुकाम पर उन्होंने क्रिकेट को छोड़ा है वहां से यह बिल्कुल एक फेयरी टेल ही लगता है। लेकिन, इसी करियर का शुरुआती दौर कतई अच्छा नहीं रहा था।

डेब्यू वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच जिताया - 20 साल के स्टुअर्ट ब्रॉड ने 28 अगस्त 2006 में इंग्लैंड के लिए पहला टी-20 खेला। 2 दिन बाद ही उन्होंने वनडे डेब्यू भी कर लिया। पाकिस्तान के खिलाफ 5 लगातार मैचों में 5 विकेट लेने के बाद उन्हें 2007 वनडे वर्ल्ड कप स्क्वॉड का हिस्सा भी बनाया गया। इंग्लैंड ने ग्रुप और सुपर-8 स्टेज मिलाकर 8 मैच खेल लिए, लेकिन ब्रॉड को प्लेइंग-11 में जगह नहीं मिली। टीम के आखिरी मैच में उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ मौका मिल पाया। दोनों ही टीमें सेमीफाइनल की रेस से बाहर थीं, लड़ाई सिर्फ नंबर-5 पोजीशन के लिए हुई। वेस्टइंडीज ने पहले बैटिंग की और 300 रन बना दिए। स्टुअर्ट ब्रॉड ने 6 ओवर बॉलिंग की लेकिन विकेट नहीं मिला। 301 रन के टारगेट के सामने इंग्लैंड ने 49.2 ओवर तक 298 रन पर 9वां विकेट गंवा दिया। ब्रॉड के साथ जेम्स एंडरसन बैटिंग करने पहुंचे। टीम को 4 बॉल पर महज 3 रन की जरूरत, यहां एंडरसन ने लेग बाय का एक रन ले लिया। ड्वेन ब्रावो ने फिर स्लोअर बॉल फेंकी, ब्रॉड ने शॉट लगाया लेकिन गेंद फील्डर के हाथ में चली गई। अगली बॉल ब्रावो ने फिर स्लोअर फेंकी, युवा ब्रॉड ने कवर्स के ऊपर से शॉट खेल दिया और 2 रन लेकर टीम को रोमांचक मुकाबले में एक विकेट से जीत दिला दी।

युवराज के 6 छक्कों ने तोड़ा कॉन्फिडेंस - वनडे वर्ल्ड कप डेब्यू के बाद 2007 के टी-20 वर्ल्ड कप में भी ब्रॉड को मौका मिला। यहां भारत के खिलाफ मैच में उन्होंने अपने 3 ओवर तक 24 ही रन दिए थे। 18 ओवर तक टीम इंडिया ने 171 रन बना लिए, इसी ओवर में युवराज सिंह की इंग्लैंड के बॉलर एंड्रयू फ्लिंटॉफ से बहस हो गई। युवराज ने फ्लिंटॉफ का गुस्सा अगले ओवर में ब्रॉड पर निकाला और उनके ओवर की 6 गेंदों पर 6 लगातार छक्के लगा दिए। एक समय 3 ओवर में 24 रन दे चुके ब्रॉड ने अपना 4 ओवर का स्पेल 60 रन देकर खत्म किया। टीम इंडिया ने 218 रन का स्कोर खड़ा किया और 18 रन से मैच भी जीत लिया। रिटायरमेंट के बाद ब्रॉड ने उस ओवर को लेकर कहा, वो बहुत मुश्किल दिन था। मैं 21-22 साल का था और करियर शुरू ही किया था। 6 छक्के लगने के बाद मैं मेंटली टूट चुका था। मेरा फोकस चला गया लेकिन यहीं से मेरा वॉरियर मोड भी बिल्ड हुआ। मुझे आज भी लगता है कि काश! वो नहीं होता लेकिन उसी ओवर के कारण आज मैं इतना मेंटली स्ट्रॉन्ग बन सका हूं।

भारत के खिलाफ ही पहली टेस्ट हैट्रिक ली - टी-20 वर्ल्ड कप का एक ओवर खराब चले जाने के बाद ब्रॉड ने अपने टेस्ट गेम को इम्प्रूव किया। उन्होंने स्विंगिंग कंडीशन का फायदा उठाने की स्किल डेवलप की और 2011 में भारत के खिलाफ ही टेस्ट हैट्रिक ली। उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी, हरभजन सिंह और प्रवीण कुमार के विकेट लिए। 3 साल बाद उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ भी टेस्ट में हैट्रिक ली। उन्होंने कुमार संगकारा, दिनेश चांदीमल और शमिंडा इरंगा के विकेट लिए। वह टेस्ट इतिहास में 2 हैट्रिक लेने वाले दूसरे ही गेंदबाज बने, उनके अलावा ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर जिम्मी मैथ्यूज ही 2 टेस्ट हैट्रिक ले सके हैं। मैथ्यूज ने 1912 में ये कारनामा किया था।

वनडे, टी-20 पूरी तरह छोड़ दिया - ब्रॉड टेस्ट के साथ टी-20 और वनडे फॉर्मेट में भी ठीक-ठाक परफॉर्म कर रहे थे। जिस कारण उन्होंने 2007 के बाद 2009, 2010, 2012 और 2014 में टी-20, वहीं 2011 और 2015 में वनडे वर्ल्ड कप भी खेला। 2015 ही वो वर्ल्ड कप रहा, जब इंग्लैंड को ग्रुप स्टेज में बांग्लादेश से 15 रन की हार का सामना पड़ गया, जिस कारण टीम नॉकआउट में भी क्वालिफाई नहीं कर सकी। ब्रॉड के साथ जेम्स एंडसरन का भी ये आखिरी वर्ल्ड कप रहा। 2015 वर्ल्ड कप के बाद इंग्लैंड ने लिमिटेड ओवर्स में अपना अप्रोच बदला और अटैकिंग गेम खेलना शुरू कर दिया। टीम ने बॉलर्स से ज्यादा ऑलराउंडर्स पर फोकस किया। जिस कारण एंडरसन-ब्रॉड जैसे फुल टाइम गेंदबाजों को लिमिटेड ओवर्स खेलने का मौका मिलना बंद हो गया। इंग्लैंड टीम को इस अप्रोच का फायदा भी मिला और उन्होंने 2019 में वनडे और 2022 में टी-20 वर्ल्ड कप जीत लिया।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी

भारत-जापान मुकाबला 1-1 से ड्रॉ, हरमनप्रीत ने दागा भारत के लिए इकलौता गोल

चैन्नई ।

भारतीय मेंस हॉकी टीम ने चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023 के अपने दूसरे मैच में मौजूदा चैंपियन जापान के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला। इस ड्रॉ के साथ, भारत पॉइटंस टेबल में दो मैचों में चार पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर आ गया है। भारत के लिए हरमनप्रीत सिंह (43) ने पेनल्टी कॉर्नर के जरिए गोल किया, जबकि केन नागायोशी (28) ने जापान के लिए गोल किया। भारत ने शुरुआत में आक्रामक रुख अपनाया जबकि वर्ल्ड रैंकिंग में 19वें स्थान पर मौजूद जापान ने डिफेंस बरकरार रखने की कोशिश की। भारत ने अपने पहले मैच में चीन को 7-2 से हराया था। भारत मलेशिया के खिलाफ तीसरा मुकाबला खेलेगा। पहले क्वार्टर से ही भारत ने अटैकिंग गेम खेला पहले क्वार्टर ने भारत ने अटैकिंग गेम खेला। लेकिन, एक भी गोल नहीं आया। पेनल्टी कार्नर पर कजापन का डिफेंस शानदार रहा। भारत ने पहले क्वार्टर में तीन कॉर्नर खेले, लेकिन एक में भी सफलता नहीं मिली।

दूसरे क्वार्टर में आया गोल

दूसरे क्वार्टर में भारत ने अटैकिंग गेम जारी रखा। लेकिन, जापान ने डिफेंस मजबूत रखा। जापान ने दूसरे क्वार्ट के आखिरी मिनट में पहला गोल किया। दूसरे क्वार्टर के खत्म होने से दो मिनट पहले केन नागायोशी ने पेनल्टी कॉर्नर से बॉल को भारतीय नेट में डाल दिया। इससे जापान को 1-0 की बढ़त मिल गई।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने बढ़त बनाई

एक गोल से पिछड़ने के बाद भारत ने जापान पर दबाव डाला और आखिर में गोल हासिल कर लिया। पेनल्टी कॉर्नर पर भारतीय हॉकी टीम ने बराबरी हासिल की।

पूर्व पाक कप्तान ने भारतीय प्लेयरों के खिलाफ उगला जहर, रोहित शर्मा और ईशान किशन को लेकर दिया भड़काऊ बयान

नई दिल्ली ।

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान अपना टेस्ट डेब्यू किया। दूसरे मैच में अर्धशतक बनाकर अपने करियर की अच्छी शुरुआत की। इसके बाद हाल ही में समाप्त हुई वनडे सीरीज के तीनों मैच में अर्धशतक जड़ा। इस पर ईशान किशन को प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट का खिताब भी मिला, लेकिन पाकिस्तान के पूर्व कप्तान ने उन्हें सेकेंड ऑप्शन बताया है। अपने यूट्यूब चैनल पर पाकिस्तान टीम के पूर्व कप्तान सलमान बट ने कहा, मैं बिल्कुल सहमत हूं कि ईशान के साथ भारत का प्रयोग भ्रमित करने वाला था। एक व्यक्ति को 200 रन बनाने के बाद बाहर कर दिया गया, इसका क्या मतलब है या तो वे इस तथ्य को स्वीकार करें कि वह दूसरा विकल्प है, भले ही वह एक ही पारी में 1000 रन बनाता हो। वर्तमान में, यह भावना है कि आप कुछ भी करें, आप दूसरा विकल्प होंगे।

रोहित के प्रदर्शन पर उठाए सवाल

इसके बाद सलमान बट ने कहा, वह अब बेंच स्ट्रेंथ स्तर का नहीं है। वह उससे कहीं अधिक है। दूसरे, मैं स्वीकार करता हूं कि रोहित एक बड़े खिलाड़ी हैं, लेकिन कुछ खिलाड़ी ऐसे भी हैं जो लंबे समय से टीम में हैं, लेकिन जब उन पर दबाव आता है तो वे अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते। विशेष रूप से नॉक-आउट चरणों में, यह एक ऐसी चीज है जिस पर काम करना होगा।

बता दें कि ईशान किशन ने साल 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ दोहरा शतक बनाया। इसके बाद श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में उन्हें ओपनिंग से बाहर कर दिया गया। उनकी जगह शुभमन गिल को रोहित के साथ ओपनिंग कराई गई। इसी को लेकर सलमान बट ने यह बयान दिया है।

कई आईसीसी नॉटआउट मुकाबले में फेल रही है बल्लेबाजी

बता दें कि भारत 2015 से आईसीसी के नॉकआउट चरणों में बल्लेबाजी की गिरावट से जूझ रहा है। रोहित शर्मा विशेष रूप से विश्व कप 2015 सेमीफाइनल, चैंपियंस ट्रॉफी 2017 फाइनल, विश्व कप 2019 सेमीफाइनल और टी20 विश्व के सेमीफाइनल में बड़ा स्कोर बनाने में विफल रहे। हालांकि, रोहित ने वनडे विश्व कप 2019 में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे।

पाकिस्तानी क्रिकेटर्स की सैलरी 4 गुना बढ़ेगी

बाबर, रिजवान और शाहीन को सालाना 1.5 करोड़ मिलेंगे; रोहित-विराट को 7 करोड़ मिलते हैं

नई दिल्ली ।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड अपने क्रिकेटर्स की सैलरी में ऐतिहासिक इजाफा करने जा रहा है। नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन शाह अफरीदी ए ग्रेड कॉन्ट्रैक्ट में रह सकते हैं। इन्हें महीने के 45 लाख पाकिस्तानी रुपए (करीब 13.22 लाख भारतीय रुपए) मिलेंगे। यानी इनका सालाना कॉन्ट्रैक्ट 5.40 करोड़ रुपए (1.58 करोड़ भारतीय रुपए) का होगा। भारत के मुकाबले पाकिस्तान के टॉप प्लेयर्स की सैलरी अब भी बहुत कम है। बीसीसीआई अपने ए+ ग्रेड प्लेयर्स को साल के 7 करोड़ रुपए देती है। इनमें विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा शामिल हैं।

विदेशी लीग में खेलने के विवाद के कारण सैलरी बढ़ी

पाकिस्तान के ज्यादातर सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वाले प्लेयर्स कई देशों की फ्रेंचाइजी लीग में भी हिस्सा लेते हैं। इन लीग में खिलाड़ियों की कमाई सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट के मुकाबले ज्यादा होती थी। पीसीबी अपने खिलाड़ियों को कम पैसे देने के बावजूद इंटरनेशनल और घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए बाध्य करता था। इस बात का खिलाड़ी लम्बे समय से विरोध कर रहे थे, इसी कारण पीसीबी अब खिलाड़ियों की कमाई में ऐतिहासिक बदलाव करने जा रहा है।

खिलाड़ियों को अब 4 ग्रेड की कैटेगरी में बांटा जाएगा

पिछले कॉन्ट्रैक्ट में पाकिस्तान के रेड और व्हाइट बॉल से खेलने वालों की 2 कैटेगरी थी। अब इन दोनों कैटेगरी को हटाया जा सकता है। अब पीसीबी भी बीसीसीआई की तर्ज पर अपने खिलाड़ियों को 4 ग्रेड में बांटेगा। इनमें ए, बी, सी और डी कैटेगरी शामिल होंगी। पीसीबी ने पिछले साल 33 क्रिकेटर्स को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल किया था। इस बार क्रिकेटर्स की संख्या की जानकारी सामने नहीं आई है।

आईसीसी भी अब पीसीबी को ज्यादा पैसे देगा

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने भी पिछले दिनों अपना रेवेन्यू मॉडल अपग्रेड किया। इसके तहत पीसीबी को एक साल के 960 करोड़ (282 करोड़) मिलेंगे। जो पिछले साल के मुकाबले करीब दोगुना है। 4 गुना सैलरी बढ़ी, लेकिन भारत के मुकाबले अब भी बहुत कम पाकिस्तान के टॉप प्लेयर्स को इससे पहले महीने के करीब 11.25 लाख (3.23 लाख) मिलते थे। अब उन्हें 45 लाख पीकेआर (13.22 लाख) मिलेंगे। पाकिस्तान में ग्रेड सिस्टम आने के बाद ए, बी, सी और डी नाम से 4 कैटेगरी में प्लेयर्स को बांटा जाएगा। उसी हिसाब से उनकी इनकम तय होगी।

भारत के तीन खिलाड़ी शीर्ष पांच में; निहाल दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली।

यूएस किड्स वर्ल्ड चैंप्स प्रतियोगिता में भारत के युवा खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। इन बच्चों ने उम्मीद जगाई है कि गोल्फ में भी भारत का भविष्य शानदार रहने वाला है। छह से 12 साल के लड़कों और लड़कियों के लिए विश्व चैंपियनशिप के पहले दिन के बाद निहाल चीमा के नेतृत्व में, तीन भारतीय शीर्ष -5 में थे। चीमा लड़कों के अंडर -6 वर्ग में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर थे। कबीर गोयल लड़कों की अंडर-8 श्रेणी में टी-4 थे और ओजस्विनी सारस्वत लड़कियों की अंडर-10 श्रेणी में संयुक्त पांचवें स्थान पर थीं।

छह वर्षीय चीमा ने शानदार शुरुआत की और अंडर-6 में उन्होंने 2-अंडर 34 का स्कोर किया और मिडलैंड कंट्री क्लब में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। उनके राउंड में पार-5 छठे होल पर एक शानदार ईगल और चौथे पर एक बर्डी शामिल थी और उनका ड्रॉप शॉट सातवें पर आया। वह अमेरिका के नेता ब्रैडली फर्ग्यूसन से एक शॉट पीछे थे।

आठ साल से कम उम्र के लड़के और नौ साल से कम उम्र की लड़कियां एक प्रतियोगिता में नौ-होल कोर्स पर खेलती हैं, जहां लेआउट अपनी तरह के एकमात्र विश्व आयोजन में आयु-विशिष्ट होते हैं।

एक और भारतीय जिसने अच्छा प्रदर्शन किया कबीर गोयल थे, जिनका मिड पाइन्स (ब्लैक) में नौ होल का स्कोर सम पार 36 था, जिससे वह संयुक्त चौथे स्थान पर थे, और उनके सहयोगी साहिब औजला (43) टी-50 पर थे। चौथे स्थान पर रहे नौ खिलाड़ियों में से एक गोयल, तीन खिलाड़ियों से एक शॉट पीछे थे, जो 1-अंडर 35 के साथ दूसरे स्थान पर थे। भारतीय टीम से एक और अच्छा प्रदर्शन करने वाली ओजस्विनी सारस्वत थीं, जो अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में लगातार पदक जीत रही हैं। उन्होंने गर्ल्स 10 में इवेन पार 72 का स्कोर किया और संयुक्त पांचवें स्थान पर रहीं, लेकिन साउदर्न पाइन्स गोल्फ क्लब में पहले स्थान पर चल रहीं अमेरिका की आइरिस ली से पांच शॉट पीछे हैं।

लड़कियों 11 में, पाइनहर्स्ट 6 में 9-ओवर 81 के स्कोर के साथ नैना कपूर टी-44 थीं और पाइनहर्स्ट 5 में लड़कियों 12 में, शांभवी चतुर्वेदी और अनन्या सूद दोनों 2-ओवर 74 के स्कोर के साथ टी-20 थीं। लड़कियों में 7 और उससे कम वेदिका भंसाली ने अपने नौ-होल राउंड की शुरुआत सम-पार 36 के साथ की और संयुक्त नौवें स्थान पर टॉप-10 में रहीं, जबकि उनकी टीम की साथी अहाना शाह ने 2-ओवर 38 का स्कोर किया और संयुक्त 13वें स्थान पर रहीं।

लड़कों 10 में, अदित वीरमाचनेनी ने लिगेसी गोल्फ लिंक्स में निराशाजनक 6-ओवर 78 के साथ शुरुआत की, जबकि चैतन्य पांडे, एक और पहले सफल युवा खिलाड़ी तालामोर गोल्फ क्लब में बॉयज 11 में 2-ओवर 74 के साथ टी-32वें स्थान पर थे। पिछले सप्ताह तीन भारतीय गोल्फर महरीन भाटिया (लड़कियों 14 में दूसरा), कार्तिक सिंह (लड़कों 13 में टी-3) और लावण्या गुप्ता (टी-3 लड़कियां 15-18) ने पाइनहर्स्ट में लड़कों और लड़कियों के लिए विश्व किशोर चैंपियनशिप में पोडियम स्थान हासिल किया।

यू.एस. किड्स गोल्फ विश्व चैंपियनशिप को जूनियर गोल्फ स्कोरबोर्ड और अमेरिकी जूनियर गोल्फ एसोसिएशन के लिए एक रैंक वाली प्रतियोगिता के रूप में मान्यता प्राप्त है, इसके अलावा खिलाड़ियों को विश्व एमेच्योर गोल्फ रैंकिंग अंक हासिल करने की अनुमति मिलती है। यूएस किड्स से उभरने वाले विश्व स्तरीय खिलाड़ियों में विश्व नंबर 1 स्कॉटी शेफलर जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। दो बार के प्रमुख विजेता कोलिन मोरीकावा और जस्टिन थॉमस, सहिथ थीगाला सहित महिला सितारों में लेक्सी थॉम्पसन और नवीनतम महिला प्रमुख विजेता एलिसन कॉर्पुज शामिल हैं, जिन्होंने पिछले महीने यूएस महिला ओपन जीता था। भारत की शीर्ष महिला पेशेवर अदिति अशोक और भारत की शीर्ष एमेच्योर अवनि प्रशांत ने भी यूएस किड्स इवेंट में अच्छा प्रदर्शन किया था।

दीपिका की वो 7 फिल्में जिनका दर्शकों को है इंतजार

ओम शांति ओम से डेब्यू करने वाली दीपिका आज अपने चाहने वालों के दिलों पर राज कर रही हैं। दीपिका ने अभी तक पद्मावत, बाजीराव मस्तानी, ये जवानी है दीवानी, गोलियों की रासलीला राम लीला समेत कई सुपरहिट फिल्मों में जबरदस्त रोल निभाए हैं। वो उन एक्ट्रेसेज में शामिल हैं, जिन्हें देखने दर्शक सिनेमाघरों में पहुंचते हैं। दीपिका पादुकोण की अपकमिंग फिल्मों में सिंघम 3, एस एस राजमौली की अनटाइटल्ड फिल्म, ब्रह्मास्त्र 2, जवान, द इंटर्न, फाइटर, प्रोजेक्ट के शामिल हैं। आइए जानते हैं एक्ट्रेस की ये फिल्में कब होंगी रिलीज और क्या हैं दीपिका के किरदार।

जवान : शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की फिल्म *जवान* का लोगों को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म के ट्रेलर में दीपिका का रोल काफी धाकड़ नजर आया। जवान 7 सितंबर 2023 के दिन बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। फिल्म के ट्रेलर को दर्शकों का खूब प्यार मिला है।

सिंघम 3 : फिल्म सिंघम 3 में दीपिका की कास्टिंग की पुष्टि करते हुए रोहित ने कहा था कि हम सिंघम बना रहे हैं। हर कोई मुझसे पूछ रहा था कि मेरी स्टोरी में महिला पुलिसकर्मी कौन है तो आज मैं पुष्टि करता हूं कि दीपिका पादुकोण सिंघम 3 में महिला सिंघम का रोल निभाएंगी। हर कोई दीपिका को पुलिस वाली का रोल निभाते हुए देखने के लिए एक्साइटेड है। सिंघम 3 की रिलीज डेट अभी घोषित नहीं की गई है।

एस एस राजामौली-अनटाइटल्ड फिल्म : एस एस राजामौली की हर फिल्म सुर्खियों में बनी रहती है। इस फिल्म में तेलुगु सुपरस्टार महेश बाबू के साथ दीपिका पादुकोण नजर आएंगी। निर्माता फिल्म को 2025 के आस-पास रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

ब्रह्मास्त्र 2 : टैलेंटेड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनने जा रही फिल्म ब्रह्मास्त्र पार्ट 2 : देव में नजर आएंगी। सूत्रों के मुताबिक दीपिका इसमें रणबीर कपूर की मां का किरदार निभाएंगी। यह फिल्म दिसंबर 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कल्कि 2898 एडी : डायरेक्टर नाग अश्विन की फिल्म कल्कि 2098 एडी में नजर आएंगी दीपिका पादुकोण। फिल्म में दीपिका बाहुबली फेम एक्टर प्रभास के अपोजिट नजर आने वाली हैं। फिल्म की रिलीज 12 जनवरी 2024 फिक्स हुई है।

द इंटर्न : इस फिल्म को अमित रवींद्रनाथ शर्मा डायरेक्ट करेंगे। बता दें हॉलीवुड फिल्म *द इंटर्न* का रीमेक है। इसमें अमिताभ बच्चन के साथ दीपिका पादुकोण नजर आएंगी। अमिताभ से पहले इस फिल्म को ऋषि कपूर करने वाले थे, लेकिन अचानक उनके निधन के बाद इस फिल्म को अमिताभ बच्चन कर रहे हैं।

फाइटर : फिल्म फाइटर में ऋतिक रोशन के साथ दीपिका पादुकोण लीड रोल में नजर आएंगी। फिल्म फाइटर को डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म की रिलीज डेट 25 जनवरी 2024 तय हुई है। एक बार फिर एक्शन करती दिखेंगी दीपिका पादुकोण।

सिर्फ नमक ही नहीं, ज्यादा चीनी भी बढ़ा सकती है ब्लड प्रेशर

हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज, वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती उन गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं में से हैं, जिनके शिकार कम उम्र के लोग भी देखे जा रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ये दोनों बीमारियां पूरे शरीर को कई प्रकार से प्रभावित कर सकती हैं, अगर इनपर ध्यान न दिया जाए तो इनके कारण मृत्यु का खतरा भी अधिक हो सकता है। लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी को इसका प्रमुख कारण माना जाता रहा है। शोधकर्ता बताते हैं, ब्लड प्रेशर बढ़ने के लिए अधिक मात्रा में सोडियम और डायबिटीज के लिए अधिक मात्रा में चीनी के सेवन को नुकसानदायक पाया गया है। पर क्या आप जानते हैं कि अगर आप चीनी अधिक खाते हैं तो इसके कारण भी ब्लड प्रेशर बढ़ने का खतरा हो सकता है? अध्ययनकर्ता कहते हैं चीनी को सिर्फ ब्लड शुगर बढ़ाने तक ही सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए, इससे ब्लड प्रेशर भी बढ़ने का खतरा रहता है। आइए इसके दुष्प्रभावों के बारे में जानते हैं। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक नमक और चीनी दोनों ही रक्तचाप (बीपी) को बढ़ाने से संबंधित हैं। विभिन्न अध्ययनों ने लगातार दिखाया है कि नमक बढ़े हुए ब्लड प्रेशर का एक प्रमुख कारण है। इसी खतरे को ध्यान में रखते हुए फिनलैंड और यूके जैसे देशों ने नमक का सेवन कम कर दिया है। हालांकि सिर्फ इतना ही काफी नहीं है, नमक कम करने के बाद भी अगर आप अधिक मात्रा में चीनी का सेवन करते हैं, तो खतरा टला नहीं है। अध्ययनकर्ताओं ने बताया कि चीनी के अधिक सेवन से मोटापा बढ़ता है, जो ब्लड प्रेशर बढ़ाने का प्रमुख कारण है। हाल के अध्ययनों से यह भी पता चलता है कि ऐडेड शुगर, विशेष रूप से सॉफ्ट ड्रिंक्स के अधिक सेवन से भी ब्लड प्रेशर पर सीधा प्रभाव पड़ सकता है। आइए चीनी से होने वाले अन्य दुष्प्रभावों के बारे में जानते हैं।

मेडिकल रिपोर्ट्स में पाया गया है 10 अमेरिकियों में से एक रोजाना ऐडेड शुगर का इस्तेमाल करता है। अध्ययन में पाया गया है कि ये दिल की बीमारियों का न सिर्फ जोखिम बढ़ाने वाली हो सकती हैं, साथ ही अन्य लोगों की तुलना में ऐसे लोगों में हृदय रोगों का मृत्युदर तीन गुना अधिक देखा गया है। ऐडेड शुगर चूंकि आपके रक्तचाप और मोटापे को बढ़ाते हुए देखा गया है इसलिए इससे हृदय रोगों का जोखिम अधिक हो सकता है। अधिकांश पैकेज्ड खाद्य पदार्थ-स्नैक्स में मिठास का कारण फ्रुक्टोज से होता है, यह शुगर का ही एक प्रकार है। हालांकि अध्ययनों में इसे लिवर में फैट को बढ़ाने वाला पाया गया है। शोधकर्ताओं ने पाया कि यदि आप नियमित रूप से फ्रुक्टोज वाली चीजों का सेवन करते हैं, तो आपके लीवर में फैट की छोटी-छोटी बूंदें जमा हो जाती हैं। इससे नॉन अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज का

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**